सेंसेक्स	~	80,786.54
निफ्टी	~	24,712.05
सोना	~	1,02,440
चांदी	~	1,20,000
डॉलर	~	87.72

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

PMG

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरुवार 28 अगस्त 2025
भाद्रपद शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 334
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर जल्द हो सकता है समाप्त

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल की बैठक 3 सितंबर को होने वाली है, जिसमें 31 अक्टूबर तक जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर को खत्म करने पर चर्चा हो सकती है। यह उपकर असल में 31 मार्च, 2026 तक जारी रहना था, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान राज्यों को राजस्व की कमी की भरपाई के लिए गए कर्जों का भुगतान करीब पूरा होने वाला है। कर्जों का भुगतान 18 अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है, लेकिन सरकार इसे अक्टूबर के अंत तक बढ़ा सकती है। उपकर संग्रह समाप्त होने पर लगभग 2,000-3,000 करोड़ रुपये का अधिशेष (सरप्लस) मिल सकता है, जिसे केंद्र और राज्यों के बीच बराबर-बराबर बांटा जाएगा। 2017 में जीएसटी लागू होने पर राज्यों को राजस्व नुकसान से बचाने के लिए यह उपकर पाँच साल के लिए लगाया गया था। कोरोना के दौरान राजस्व में भारी गिरावट के कारण, इस उपकर को जून 2022 से मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया था, ताकि लिए गए कर्जों का भुगतान किया जा सके।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम ने 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का सोना जब्त किया

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग की एक टीम ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का सोना जब्त किया गया है। बताया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति सऊदी अरब से मुंबई आया है। मुंबई हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने सऊदी अरब से आए उक्त यात्री को गिरफ्तार किया। उसके बाद उसकी तलाशी ली गई और उसके पास से मोम के रूप में 24 कैरेट सोने का पावडर जब्त की गई। जिसका वजन 1.07 किलोग्राम है और इसकी कीमत 1.02 करोड़ रुपये बताई जा रही है। एक कस्टम अधिकारी ने कहा कि जब्त किया गया सोना यात्री के शरीर में छिपा हुआ पाया गया।

आसाराम की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने से हाईकोर्ट ने किया इंकार

जयुपर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम की अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने की अपील को खारिज कर दिया है। कोर्ट के आदेश के अनुसार, उन्हें 30 अगस्त को सुबह 10 बजे तक जोधपुर सेंट्रल जेल में वापस सरेंडर करना होगा। राजस्थान हाईकोर्ट का यह फैसला अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल की मेडिकल रिपोर्ट पर आधारित है। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि आसाराम की स्वास्थ्य स्थिति इतनी गंभीर नहीं है कि उन्हें और अधिक समय के लिए जेल से बाहर रहने की जरूरत हो। इतना ही नहीं जेल में सरेंडर करने के बाद भी, कोर्ट ने आसाराम के लिए कुछ सुविधाओं की मंजूरी दी है।

कुछ ना कहना

गुमनाम दलों को चंदे पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल

4300 करोड़ कहां से आए?

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुजरात में गुमनाम राजनीतिक दलों को मिले 4300 करोड़ रुपये के चंदे पर चुनाव आयोग से सवाल किया है। उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट को साझा करते हुए कहा, कि इन 10 दलों ने इतना बड़ा चंदा लिया, लेकिन चुनावी खर्च के नाम पर मात्र 39 लाख रुपये दिखाए। ये हजारों कारोड़ कहां से आए?

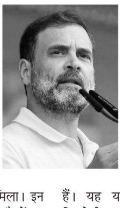

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि गुजरात में कुछ ऐसी अनाम पार्टियां हैं जिनका नाम किसी ने नहीं सुना, लेकिन 4300 करोड़ रुपये का चंदा मिला। इन पार्टियों ने बहुत ही कम मौकों पर चुनाव लड़ा है या कोई खास खर्च नहीं किया है। ये हजारों करोड़ आए कहां से? चला कौन रहा है इन्हें? और पैसा गया कहां?

उन्होंने सवाल करते हुए कहा, कि क्या चुनाव आयोग इस पूरे मामले की जांच करेगा या केवल एफिडेविट मांगकर मामला निपटाएगा। राहुल ने यह भी आशंका जताई कि सरकार कहीं कानून ही न बदल दे ताकि यह डेटा भी सार्वजनिक न हो पाए।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि गुमनाम राजनीतिक दलों के जरिए चुनावी फंडिंग में पारदर्शिता खत्म की जा रही है और इसका सीधा फायदा भाजपा को मिलता है। उन्होंने कहा कि अगर लोकतंत्र को बचाना है तो चुनाव आयोग को तुरंत कार्रवाई करनी होगी।

यहां बताते चलें कि राहुल गांधी इन दिनों बिहार में 16 दिन की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर हैं। यह यात्रा लगभग 1,300 किलोमीटर लंबी है और 20 जिलों से गुजरते हुए 1 सितंबर को पटना में समाप्त होगी। इस दौरान राहुल और महागठबंधन के अन्य नेताओं ने मतदाता सूची में गड़बड़ी और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे पर जनता को जागरूक करने का अभियान चलाया है।

गुजरात का मॉडल आर्थिक नहीं बल्कि वोट चोरी का मॉडल

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने चुनावों में हो रही धांधली को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि गुजरात का मॉडल आर्थिक नहीं बल्कि वोट चोरी का मॉडल है, जिसे 2014 से राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बुधवार को वोटर अधिकार यात्रा के 11वें दिन मुजफ्फरपुर के गायघाट में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। वोटर अधिकार यात्रा में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, कनिमोझी, दीपांकर भट्टाचार्य, मुकेश सहनी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद समेत इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। इससे पहले यात्रा के आगमन ने सड़कों को जनसैलाब में बदल दिया। इस दौरान राहुल गांधी एक बार फिर बुलेट बाइक चलाते हुए खास अंदाज में नजर आए। बाइक पर उनके पीछे उनकी बहन प्रियंका गांधी बैठी थीं। सुबह से ही हजारों की संख्या में लोग अपने नेताओं की झलक पाने के लिए सड़कों पर डटे हुए थे।

बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की जांच का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इसी तरह की गड़बड़ी देशभर की 70-80 सीटों पर की थी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि महादेवपुरा की तरह देश के अन्य हिस्सों में हो रही धांधली को उजागर करने के लिए कांग्रेस ने काम शुरू कर दिया है। यात्रा को मिल रहे भारी जनसमर्थन से उत्साहित राहुल गांधी ने चुनावों में धांधली को लेकर सत्ताधारी दल और चुनाव आयोग पर जोरदार प्रहार किया। उन्होंने याद दिलाया कि 2019 लोकसभा चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी ने नतीजे आने से पहले ही भाजपा को 300 सीटें मिलने की बात कही थी, जबकि देश के ओपिनियन पोल कुछ और संकेत दे रहे थे, लेकिन आखिर में भाजपा को लगभग 300 सीटें मिल गईं। इसका कारण वोट चोरी था।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार किसी दबाव में नहीं बल्कि स्वेच्छा से होना चाहिए - मोहन भागवत

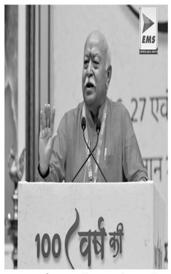

नई दिल्ली। ट्रम्प के भारत पर थोपे गए 50त्र टैरिफ के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार किसी दबाव में नहीं बल्कि स्वेच्छा से होना चाहिए। उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर बनाने और इस तरह की चुनौतियों का मुकाबले करने के लिए स्वदेशी अपनाने पर भी जोर दिया।

आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित व्याख्यानमाला कार्यक्रम 100 वर्ष की संघ यात्रा- नए क्षितिज के दूसरे दिन बुधवार को मोहन भागवत ने कहा कि वैश्विक व्यापार में दबाव के बावजूद भारत को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा। लेकिन आत्मनिर्भरता का मतलब दूसरों से रिश्ते पूरी तरह खत्म करना नहीं हो सकता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी जरूरी है।

भागवत ने आत्मनिर्भरता को सब बातों की कुंजी बताते हुए कहा कि विकास करना है तो हर बात में अपने देश को आत्मनिर्भर होना चाहिए। शुरुआत अपने घर से करनी होगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी की बात करने का मतलब ये नहीं है कि विदेशों से संबंध नहीं रहेंगे। आत्मनिर्भर होना बाकी लोगों को बंद करना नहीं है। दुनिया परस्पर निर्भरता पर चलती है। कुटुंब भी परस्पर निर्भरता पर चलता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार तो चलेगा, लेन-देन भी होगा। लेकिन इसमें दबाव नहीं होना चाहिए। स्वेच्छा होनी चाहिए।

संघ प्रमुख ने इसके लिए स्वदेशी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जो चीज हमारे घर में, देश में बनती है। उसे बाहर से क्यों लाना। कोका कोला-स्प्राइट बाहर का क्यों लाना, जब आप गर्मी के दिनों में नींबू की अच्छी शिकंजी बनाकर पी सकते हो। पिज्जा वगैरा क्यों लाना, जब घर में अच्छा और पोषक भोजन मिलता है। डॉक्टर लोग भी इनके लिए मना करते हैं। हां एकाध बार पिज़्ज़ा खाया जा सकता है। इतना लचीलापन तो रखना चाहिए। लेकिन हर इतवार को बाहर जाकर खाना क्यों खाना? ऐसा नहीं करना है।

जाको राखे साईंया...25 लोगों को छत से लेकर उड़ा हेलीकॉप्टर और तभी भरभराकर ढह गया मकान

पठानकोट। भारी बारिश और बाढ़ के हालात ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। इसी बीच पंजाब में एक ऐसी घटना घटी है, जिसके वायरल वीडियों को देख लोग यही कह रहे हैं कि जाको राखे साईंया मार सके न कोय। दरअसल पठानकोट के माधोपुर हेडवर्क्स के पास सेना ने बाढ़ में फंसे 25 लोगों की जान बचाई, इसी समय ऐसा कुछ हुआ जिसे देख लोग हैरान रह गए।

पंजाब में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा दी है। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक हालात बिगड़ गए हैं। भारी बारिश और जम्मू-कश्मीर इलाके में बादल फटने की घटनाओं के साथ ही बांधों से छोड़े जा रहे पानी के कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। हजारों एकड़ खेत और गांव पानी में डूब गए हैं, सड़कें बह गई हैं और कई इलाकों का संपर्क टूट चुका है। लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित जगहों की तलाश में हैं। इसी बीच पठानकोट के माधोपुर हेडवर्क्स के पास सेना ने साहसिक अभियान चलाकर 25 लोगों की जान बचाई। जानकारी के अनुसार, बाढ़ के पानी से घिरे ये लोग एक इमारत की छत पर शरण लिए हुए थे। बुधवार सुबह करीब छह बजे 'आर्मी एविएशन' के हेलीकॉप्टर ने जोखिम उठाकर सभी को सुरक्षित निकाल लिया। हैरानी की बात यह रही कि जैसे ही लोगों को बाहर निकाला गया, कुछ ही देर में पूरी इमारत भरभराकर ढह गई।

सेना ने बताया कि इस अभियान को बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अंजाम दिया गया। अगर थोड़ी भी देर होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। लोगों को हेलीकॉप्टर के जरिए सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक चिकित्सा और राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई।

राज्य में बाढ़ और बारिश से हालात गंभीर बने हुए हैं।

गूगल मैप के कारण बड़ा हादसा : बनास नदी में बह गई वैन, 3 की मौत, एक महिला लापता

चित्तौड़गढ़। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां गूगल मैप के बताए रास्ते पर चलने के कारण एक परिवार की वैन बनास नदी की टूटी पुलिया में जा गिरी और तेज बहाव में बह गई। हादसे में चार साल की बच्ची और दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि एक छह साल की बच्ची अब भी लापता है। वहीं, परिवार के पांच लोग वैन की छत पर चढ़कर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

जानकारी अनुसार हादसा कपासन के राशमी थाना क्षेत्र के सोमी-उपरेड़ा पुलिया पर रात करीब एक बजे हुआ। पुलिस और प्रशासन के मुताबिक, वैन में भूपालसागर थाने के कानाखेड़ा गांव का एक ही परिवार सवार था। परिवार भीलवाड़ा जिले के सवाई भोज मंदिर दर्शन कर लौट रहा था। रास्ता भटकने के बाद वे सोमी गांव पहुंचे। ग्रामीणों ने उन्हें चेतावनी दी कि मातृकुंडिया का गेट खुला है और बनास नदी में पानी का बहाव तेज है। लेकिन ड्राइवर ने ग्रामीणों की बात नजरअंदाज कर गूगल मैप के बताए रास्ते पर गाड़ी आगे बढ़ा दी। यह रास्ता तीन साल से बंद पड़ी पुलिया पर जाता था। जैसे ही वैन पुलिया पर पहुंची, पानी के तेज बहाव में फंस गई और लगभग 300 मीटर दूर तक बह गई। ड्राइवर मदनलाल ने खिड़की का कांच तोड़कर किसी तरह छत पर चढ़ गया और फिर एक-एक कर पांच लोगों को ऊपर खींच लिया। लेकिन इसी दौरान गाड़ी और गहराई में बह गई, जिसमें दो महिलाएं और दो बच्चियां फंस गईं। बचाव कार्य अंधेरे की वजह से तुरंत शुरू नहीं हो सका। बुधवार सुबह एनडीआरएफ की टीम ने चार साल की खुशी (पुत्री मदन) और दो महिलाओं—चंदा (21) पत्नी हेमराज व ममता (25) पत्नी मदन—के शव बरामद किए। जबकि छह साल की रूत्वी पुत्री हेमराज की तलाश जारी है। इस दर्दनाक हादसे से क्षेत्र में मातम पसरा है। कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

महाराष्ट्र के निजी संस्थानों में करना होगी 10 घंटे ड्यूटी

मुंबई। सबकुछ ठीक रहा तो महाराष्ट्र के निजी संस्थानों में 9 की जगह 10 घंटे कर्मचारियों को ड्यूटी करना पड़ेगी। हालांकि इसको लेकर सवाल भी उठने लगे हैं। कहा जा रहा है कि एमएनसी को छोड़ दें तो निजी संस्थानों में वेतन बेहद कम है। लोग दो-दो जगह नौकरी करके अपना घर चलाते हैं ऐसे में 10 घंटे की बाध्यता की वजाय वेतन बढ़ाने के लिए सरकार को काम करना चाहिए।

महाराष्ट्र में काम के घंटे बढ़ाने का एक प्रस्ताव कैबिनेट की मीटिंग के सामने रखा गया, जिस पर खूब चर्चा हुई। खबर है कि महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार महाराष्ट्र दुकान और प्रतिष्ठान (रोजगार और सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 में महत्वपूर्ण बदलाव करके निजी संस्थानों में कर्मचारियों के अधिकतम कार्य घंटों को वर्तमान नौ घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे प्रतिदिन करने की योजना बना रही है, जो राज्य भर में दुकानों, होटलों और मनोरंजन स्थलों जैसे स्थानों में लागू होगा और वहां कार्यरत कर्मचारियों के लिए काम के घंटों को नियंत्रित करेगा।

विभाग ने कहा है कि इस अधिनियम के प्रावधान वैसे सभी प्रतिष्ठानों पर लागू होंगे जहां 20 या उससे अधिक कर्मचारी काम करते हैं। अभी तक यह कानून 10 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों पर लागू होता था। यानी बड़ी दुकानें, मॉल, रेस्टोरेंट, सिनेमा घर, एम्युजमेंट पार्क या अन्य मनोरंजन केंद्र जैसे संस्थान इसके दायरे में आएंगे।

जब सभी के यहां छापे पड़ेंगे तो कोई ईमानदार क्यों रहेगा- सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। आप नेता और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के पहुंची प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने 20 घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। देर रात ईडी की टीम जब बाहर निकली तो सौरभ भारद्वाज ने अपने समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि चोरों के यहां भी छापेमारी की जाएगी और ईमानदारों के यहां भी, तो कोई क्यों ईमानदार रहेगा। दिल्ली में पार्टी के संयोजक भारद्वाज ने कहा, मेरा मन बहुत दुखी था। बेटी का चेहरा देख रहा था सोच रहा था कि बेटी स्कूल जाएगी तो बच्चे मजाक उड़ाएंगे। लेकिन जब से आप लोगों के नारे सुने मुझे लगा कि मेरी जिंदगी सफल हो गई। अब कोई दिक्कत नहीं।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने ईडी के अधिकारियों से तीन बार कहा कि उन्हें गिरफ्तार करना है तो कर लिया जाए। उन्होंने कहा, मैं तो लिखवा के आया हूं दो साल अंदर रहूंगा। मैंने तीन बार उन्हें ऑफर दिया। तुम्हारे कहने से काम नहीं करूंगा, अरविंद केजरीवाल के चेले हैं। उन्होंने ईडी के खिलाफ कुछ बड़े खुलासे करने की बात कही। सौरभ भारद्वाज ने कार्यकर्ताओं से बात करते हुए कहा कि ईडी सब पर चोर का स्टैंप लगा रही है। उन्होंने कहा, जब सुबह छापा पड़ा तो मैंने ईडी वालों से कहा कि यार एक बात बताओ यदि तुम चोरों के यहां भी छापा मारोगे और ईमादारों के यहां भी छापा मारोगे तो कोई ईमानदार क्यों रहेगा। फिर तो हर आदमी कहेगा कि हम भी लूट लें। जब तुमको सबको चोर का ही स्टैंप लगाना है। तुम तो देश से ईमानदारी खत्म कर रहे हो। तुम तो किसी आदमी को किसी नेता को ईमानदार रहने का कोई क्रेडिट नहीं दे रहे। ईडी ने आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के दौरान अस्पतालों के निर्माण में कथित घोटाले को लेकर पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज और कुछ अन्य निजी कंपनियों के परिसरों में छापेमारी की। भारद्वाज के खिलाफ ईडी की जांच जून में दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से सामने आई है।

फिजी के पीएम ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा-

कुछ लोग आपसे खुश नहीं हैं?

नई दिल्ली। हाल ही में फिजी के प्रधानमंत्री सितवेनी लिगामामादा राबुका भारत की यात्रा पर भारत आए और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें बात अमेरिकी टैरिफ की भी निकली। तभी पीएम राबुका ने पीएम मोदी से कहा कि कुछ लोग आपसे खुश नहीं हैं, शायद यही कारण है कि उन्होंने 50 प्रतिशत का टैरिफ भारत पर लगा दिया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इससे आपको कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि दुनिया में आपका व्यक्तित्व इतना बड़ा है कि आप असहज स्थितियों को भी आसानी से सहज बना सकते हैं। आईसीडब्ल्यूए व्याख्यान के बाद, एक श्रोता ने उनसे विभिन्न देशों के नेताओं के साथ उनकी द्विपक्षीय बातचीत और शांति का महासागर के दृष्टिकोण के बारे में उनसे क्या कहा गया, इसके बारे में पूछा। राबुका ने कहा, मेरी अमेरिका के राष्ट्रपति से कोई व्यक्तिगत बातचीत नहीं हुई है। मैंने रूस के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक का अनुरोध किया है। मेरी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक हुई है...। उन्होंने कहा, कल जब हमने बातचीत की, तो प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी भावनाओं और अवधारणा को दोहराया। राबुका ने बिना विस्तार से बताए कहा, अब, जो कुछ हो रहा है, उसका असर अमेरिका के साथ आपके रिश्तों पर पड़ रहा है। शुल्कों की हालिया घोषणाएं...मैंने उनसे (प्रधानमंत्री मोदी से) कहा कि कुछ लोग आपसे बहुत खुश नहीं हैं, लेकिन आपका व्यक्तित्व इतना बड़ा है कि आप उन असहज स्थितियों को झेल सकते हैं।

नालंदा में मंत्री और विधायक को गुस्साए ग्रामीणों ने दौड़ाया, बॉडीगार्ड सहित कई घायल

पटना। नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के मलावां गांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मातमपुर्सी के लिए पहुंचे स्थानीय विधायक और बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार पर गुस्साए ग्रामीणों ने हमला कर दिया। घटना में मंत्री के बॉडीगार्ड सहित कई लोग घायल हो गए। किसी का सिर फट गया तो कई लोगों को गंभीर चोटें आईं। हालात बिगड़ने पर पुलिस बल की भारी तैनाती करनी पड़ी और गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। प्राप्त जानकारी अनुसार, तीन दिन पहले हुए सड़क हादसे में गांव के नौ लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के पीड़ित परिवारजनों से मिलने के लिए मंगलवार को मंत्री और विधायक गांव पहुंचे थे। नेताओं ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और लौटने लगे। इसी दौरान ग्रामीणों ने उनसे कुछ देर और रुकने की अपील की, लेकिन मंत्री ने आगे का कार्यक्रम होने का हवाला दिया। इस पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। गुस्से से बेकाबू भीड़ ने पहले एक स्थानीय पत्रकार और विधायक को घेर लिया। देखते ही देखते लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया। स्थिति ऐसी बन गई कि मंत्री और विधायक को अपनी जान बचाने के लिए करीब एक किलोमीटर तक भागना पड़ा। इसी दौरान उनके सुरक्षाकर्मी और समर्थक भीड़ का शिकार हो गए और कई लोग घायल हो गए।

ग्रामीणों का आरोप है कि हादसे के दिन विधायक के कहने पर उन्होंने सड़क जाम हटाया था, लेकिन अब तक उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिला। इसी नाराजगी ने उग्र रूप ले लिया और नेताओं पर हमला कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन हरकत में आया। बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने-बुझाने की कोशिश की। फिलहाल क्षेत्र में तनाव बरकरार है और पुलिस सतर्कता बनाए हुए है।

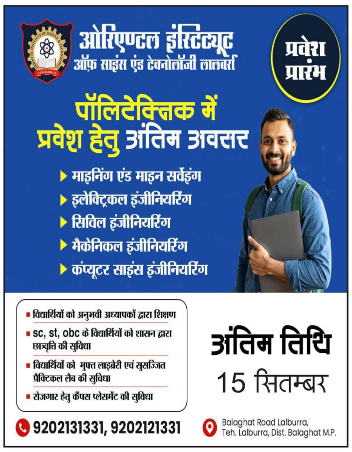

वार्ड क्रमांक 23 में नगर पालिका नहीं दे पा रही मूलभूत सुविधायें

वार्ड में साफ सफाई के साथ, गणेश पंडाल में व्यवस्था बनाए जाने की करी गयी थी मांग, नपा ने दिया सिर्फ आश्वासन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वार्ड क्रमांक 23 के पार्षद और कुछ वार्ड वासियों द्वारा पुनः एक बार नगर पालिका पर पक्षपात करने का आरोप लगाया गया है । यहां वार्ड पार्षद और वार्डवासियों ने बताया कि बीते 6 महीने से वार्ड की स्ट्रीट लाइट नहीं जल रही है । वार्ड में साफ सफाई के लिए नगर पालिका के कर्मचारी नहीं पहुंच रहे हैं। वार्डो से नियमित कचरा नहीं उठ रहा है। अभी गणेश उत्सव में सार्वजनिक गणेश समिति द्वारा पंडाल लगाए जाने को लेकर साफ-सफाई किए जाने और पंडाल के आस पास से व्यवस्था बनाई जाने हेतु वाहन मांगे गए थे , उसमें भी नगर पालिका द्वारा ना ही वार्ड में सफाई की गई है और ना ही वार्ड में पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई । इससे वार्ड वासी व वार्ड पार्षद में काफी आक्रोश नगर पालिका के खिलाफ नजर आ रहा है।

आपको बता दे की नगर पालिका में बैठे कांग्रेस के कुछ पार्षद बीते कुछ महिनों से नगर पालिका पर बार-बार वार्डों में मूलभूत सुविधाएं नहीं दिए जाने और पक्षपात किये जाने का आरोप आए दिन लगते रहते हैं । कांग्रेस पार्षदों का आरोप रहता है कि उनके वार्डो में सही तरीके से साफ सफाई नहीं की जाती , वार्डो से प्रतिदिन कचरा नहीं उठाया जाता , स्ट्रीट लाइट बंद होने से वार्ड में काफी परेशानी देखने को मिलती है । यहां कई बार वार्ड में मूलभूत सुविधाएं दिए जाने को लेकर वार्ड वासी व वार्ड पार्षद नगर पालिका के संबंधित अधिकारियों को आवेदन, निवेदन भी करते रहते हैं । जबकि देखा जाए तो अभी कुछ दिन पहले वार्ड क्रमांक 27 के कांग्रेस पार्षद आशुतोष वार्ड में मूलभूत सुविधाएं नहीं दिए जाने को लेकर नगर पालिका के सामने धरने पर ही बैठ गए थे । हालांकि वह आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने अपना धरना खत्म कर दिया था। उसी प्रकार वार्ड क्रमांक 23 के पार्षद जितेंद्र कवाचे और वार्ड वासियों द्वारा भी पुन: नगर पालिका पर मूलभूत सुविधा नहीं दिए जाने को लेकर आरोप लगाया गया है। वार्ड वासियों का कहना है कि वार्ड में नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन कचरा और साफ सफाई नहीं की जा रही है। वार्ड में कई मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। नगर पालिका को कई बार इसकी शिकायत की जा चुकी है। लेकिन नगर पालिका से सिर्फ उन्हें आश्वासन ही मिलता है। वार्डवासी संतोष और रेवतनबाई मालवी बताते हैं कि वार्ड में प्रतिदिन कचरा गाड़ी नहीं पहुंच रही है। वार्ड में पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। जबकि बीते दिनों उन्होंने नगर पालिका में आवेदन भी इसको लेकर किया है , किंतु कोई भी संबंधित उनके वार्ड में संज्ञान नहीं ले रहे हैं । वार्ड पार्षद को भी इसकी शिकायत लगातार की जाती है , किंतु वार्ड पार्षद की भी सुनवाई नगरपालिका में नहीं हो रही है । बीते 6 महीने से वार्ड में लाइट बंद है । इसको लेकर भी कई बार आवेदन निवेदन किया जा चुके हैं पर नगर पालिका ध्यान नहीं दे रही है । गणेश पंडाल में गणेश जी की स्थापना होनी है , जिसको लेकर भी साफ सफाई किए जाने को लेकर नगर पालिका को कहा गया था , किंतु नगर पालिका से सिर्फ उन्हें आश्वासन ही मिला है । लेकिन काम कुछ भी नहीं हुआ।

कांग्रेसी वार्ड होने के कारण ध्यान नहीं दिया जा रहा है - जितेंद्र

वार्ड क्रमांक 23 के पार्षद जितेंद्र कवाचे बताते हैं कि वार्ड वासी उन्हें वार्ड से लगातार मूलभूत सुविधाएं दिए जाने को लेकर मांग करते हैं और वह नगर पालिका में भी वार्ड की समस्या रखते हैं , किंतु नगर पालिका द्वारा उनकी इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। जबकि बीते कई महीनो से वार्ड में लाइट बंद है, उन्होंने इसकी शिकायत की वार्ड में कचरा गाड़ी और जेसीबी मशीन की मांग की थी, किंतु उन्हें सिर्फ नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा आश्वासन ही दिया जा रहा है। लेकिन वार्ड की समस्याओं पर नगर पालिका ध्यान नहीं दे रही है। कांग्रेसी वार्ड होने के कारण वार्ड की समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।

अंबेडकर से जयस्तम चौक के बीच की स्ट्रीट लाइट हुई बंद

अंबेडकर चौक से लेकर जयस्तम चौक के बीच स्ट्रीट लाइट इन दिनों बंद हो गयी है। रात्रि के समय गौरव पथ रोड़ में घूमने वाले राहगीरों द्वारा बताया गया कि बीते दिनों ही नगर पालिका द्वारा अंबेडकर चौक से लेकर जय स्तंभ चौक तक नई स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी, किंतु यह स्ट्रीट लाइट कुछ दिन में ही बंद हो गई और इन दिनों रात्रि के समय इस मार्ग पर अंधेरा पसरा रहता है, जिसका राहगीरों ने वीडियो फोटो लेकर भी सोशल मीडिया पर वायरल किया है।

अब मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए नहीं जाना होगा जबलपुर, बालाघाट में होगा उपचार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में मोतियाबिंद के उपचार के लिए लगातार शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर आयोजित किए जाते है, और उसके बाद जबलपुर में संबंधितों को ले जाकर उनका मोतियाबिंद का आपरेशन किया जाता है, लेकिन इस दौरान पीड़ित व उसके परिवार को 03 दिनों का

समय लगता है। वहीं आपरेशन होने के बाद भी आगे के उपचार के लिए उन्हें लंबी दूरी तय करना पड़ता है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा बालाघाट अस्पताल में ही अब मोतियाबिंद के नि:शुल्क आपरेशन नेत्ररोग विशेषज्ञ की मौजूदगी में किए जाएंगे और आसानी से उपचार मिल सकेगा। ये संभव हो पाया है, रोटरी क्लब आफ टाइगर्स व नेत्र रोग चिकित्सक एवं नगर पालिका परिषद बालाघाट की वजह से, इसके लिए चौक-चौराहों पर प्रचार-प्रसार भी शुरु कर दिया गया है। जिसकी तमाम जानकारी बुधवार को नगर पालिका सभागार में आयोजित एक पत्रकारवार्ता में रोटरी क्लब आफ टाइगर्स और नेत्र रोग चिकित्सक त्रिवेदी द्वारा पत्रकारों को दी गई।इस दौरान सचिव मोहित सचदेव, रोटेरियन तपेश असाटी, आशीष मिश्रा, भरत छुटटानी,जसमीत सिंह पसरीचा, महेन्द्र देशमुख, अजय गुप्ता, गुड्डु कौशल सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल की त्रैमासिक परीक्षा आज से

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूलों की त्रैमासिक परीक्षा 28 अगस्त से प्रारंभ होगी। जिसकी तैयारी शिक्षा विभाग के द्वारा पुरी कर ली गई है। इसी निर्देश के परिपालन में नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा में भी 28 अगस्त से कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक की त्रैमासिक परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी, जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है। चर्चा में स्कूल प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार 28 अगस्त से हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल की त्रैमासिक परीक्षा शुरू होगी। जिसमें कक्षा 9 वीं, 10 वीं की परीक्षा प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक एवं कक्षा 11 वीं, 12 वीं की परीक्षा दोपहर 1.30 बजे से 4.30 बजे तक ली जायेगी। श्री दुबे ने बताया कि 28 अगस्त को कक्षा 9 वीं का संस्कृत विषय का, कक्षा 10 वीं का हिन्दी, कक्षा 11 वीं का हिन्दी एवं कक्षा 12 वीं का भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, विज्ञान के तत्व विषय के प्रश्नपत्र के साथ त्रैमासिक परीक्षा प्रारंभ होगी और यह परीक्षा 9 सितंबर को संपन्न होगी। श्री दुबे ने छात्र-छात्राओं से समय पर उपस्थित होने की अपील की है।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने नगर में निकाली रैली, सांसद को सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र छग की बंधनकारी धारा 49(6) को समाप्त किए जाने सहित वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा पुरे प्रदेश के जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौपा जा रहा है।जहा पिछले दिनों विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे को ज्ञापन सौपने के बाद आज बुधवार को प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने सांसद श्रीमती भारती पारधी के निवास स्थान पर रैली के माध्यम से

अपना ज्ञापन सौपकर उक्त मांगो को पूरा कराए जाने की गुहार लगाई।सौपे गए ज्ञापन में उन्होंने बताया कि 25 वर्षो सिर्फ मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लगायी गई धारा 49(6) को अविलंब समाप्त करने की गुहार लगाई जा रही है।जो आज तक पूरी नही हुई है।इसलिए प्रधान मंत्री एवं मुख्य मंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया है।जहा सांसद द्वारा सभी पेंशनर्सो को आश्वस्त कर बताया गया कि उनका यह मुद्दा वो संसद के पटल पर अवश्य रखेगी। साथ ही मुख्य मंत्री जी से भेंट कर लंबित मांगों पर चर्चा कर उनके निराकरण की आवश्यक पहल करेगी । ज्ञात हो कि सम्पूर्ण प्रदेश में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा दिनांक 25 अगस्त को सभी सांसदो को ज्ञापन सौपा जाना था किन्तु बालाघाट सिवनी सांसद के जिले से बाहर प्रवास होने के कारण उन्हें आज ज्ञापन सौपा गया हैं। इस दौरान संगठन के संरक्षक सुभाष पटेल, जिला अध्यक्ष ए एल मोहारे ,संभागीय उपाध्यक्ष डा. एसएस बिसेन, जिला सचिव पीआर देशमुख, अमर सिंह ठाकुर, जिला कोषाध्यक्ष पीएल मोहारे, एसएल नखाते , नारायण मदनकर, आरएस बैस , श्री मरठे ,श्री पटले सहित अन्य पेंशनर्स साथी उपस्थित रहे ।

अमन और शांति का पैगाम लेकर आए रसूल, मस्जिदों में हो रहे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम

5 सितंबर को निकलेगा जुलुसे-मोहम्मदी, समाज ने लगाया जुलुस में डीजे पर प्रतिबंध

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पैगंबर हजरत मोहम्मद के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाने वाला पर्व ईद-मिलादुन्नबी जिले में पूरी अकीदत के साथ मनाया जा रहा है। अहले सुन्नत के मुख्यालय, बरेली शरीफ से चांद की तस्दीक होने के बाद पूरे मुल्क सहित जिले में ईद-मिलादुन्नबी के पर्व पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।जिसमें जिले की सभी मस्जिदो, मदरसो और मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में नात की महफिल, कुरान खानी, लंगर सहित अन्य आयोजन हो रहे है। विशेष रूप से जामा मस्जिद में नातिया प्रोग्राम के साथ-साथ पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की जीवनी, शिक्षा और उद्देश्य को लोगों तक पहुंचाने के लिए इमाम मोहम्मद उमर रजवी मिस्बाही द्वारा तकरीर दी जा रही है। इस वर्ष खास बात यह है कि जुलुसे मोहम्मदी में, सामाजिक तौर से डीजे पर पूर्णत: प्रतिबंध लगा दिया गया है।रजा एक्शन कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शोएब खान ने बताया कि पैगंबर मोहम्मद साहब का यह 1500 वां जन्मदिवस मनाया जा रहा है। उनके जन्म के समय पूरी दुनिया में भय और आतंक और बदअमनी का माहौल था। ऐसे समय में इस्लाम धर्म के माध्यम से अमन और शांति के पैगाम को लोगों तक पहुंचाने का काम किया। इस्लाम धर्म का पवित्र ग्रंथ कुरान, पैगंबर हजरत मोहम्मद पर उतारा गया हैं। जो पूरी दुनिया को इंसानियत और मानवता का संदेश देता है।

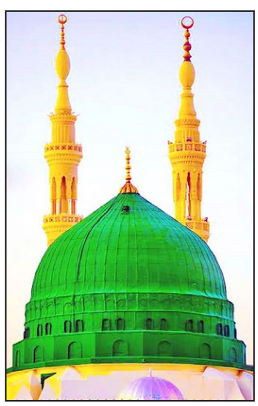

जिन्होंने कहा था कि यदि किसी ने बेगुनाह की हत्या की तो उसने पूरी मानवता की हत्या कर दी और किसी की जान बचाई तो समझो उसने पूरी इंसानियत को बचा लिया।

अमनो अमान का संदेश देने निकाला जाएगा जुलूस

हाजी शोएब खान ने बताया कि इनकी यौमे पैदाईश पर 5 सितंबर को ईद-मिलादुन्नबी पर पूरी शानौ-शौकत के साथ जुलुस-ए-मोहम्मदी निकाला जायेगा।बालाघाट मुख्यालय में जश्ने-ईद मिलादुन्नबी पर सुबह सभी मस्जिदो में सलातो-सलाम होगा। जिसके बाद सुबह 10 बजे जामा मस्जिद चौक पर इमाम जामा मस्जिद मोहम्मद उमर रजवी मिस्बाही द्वारा परचम कुशाई की जाएगी। इसके बाद मौजूद मुस्लिम धर्मावलंबी सलातो-सलाम और नात पढ़ते हुए जुलुस, शहर के विभिन्न मार्ग से होकर गुजरेगा और जुलुस के, समापन के बाद लंगर ए-आम का आयोजन किया जाएगा। शहर सहित जिले के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में जश्ने ईद मिलादुन्नबी को लेकर तैयारियां की जा रही है।जुलुसे मोहम्मदी के अवसर पर रजा एक्शन कमेटी प्रदेश अध्यक्ष हाजी शोएब खान ने,जिला प्रशासन से पूरे जिले में समुचित व्यवस्था किए जाने की मांग की है।बताया गया कि इस जुलूस में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर,जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क्र./0015/ड-154/वर्ष 2025-26
साकिन- डुंडासिवनी प.ह.नं.24
रा.नि.मं. माटे तहसील किरनापुर

समाचार पत्र प्रकाशन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल पिता दवनलाल जाति बिंझवार निवासी ग्राम डुंडासिवनी तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. द्वारा अपने पिताजी दवनलाल पिता जोगी की मृत्यु दिनांक11/05/2024 को मृत्यु हो जाने से मृत्यु के 1 वर्ष पशचात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केंद्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय मे प्रस्तुत किया है। अत: उक्त के संबंध मे हित रखने वाले सभी व्यक्तियो को सूचित किया जाता है,कि वे निश्चित दिनाक 11/09/2025 को या तो स्वयं,किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करे। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
किरनापुर तह. किरनापुर
जिला बालााघाट(म.प्र.)

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

मदर टेरेसा जयंती पर रक्तदान शिविर संपन्न

वर्ष 2005 से मदर टेरेसा सेवा समिति का निरंतर चल रहा आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मदर टेरेसा जयंती के उपलक्ष पर नगर की मदर टेरेसा सेवा समिति के द्वारा

रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी युवाओं सहित महिलाओं ने भी इस रक्तदान कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर पूरे उत्साह के साथ रक्तदान किया। जहां इस अवसर पर मदर टेरेसा सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश नागेश्वर, सचिव हरप्रीत कौशल रेड क्रॉस सोसाइटी कार्यकर्ता सहित समिति के अन्य पदाधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे। जहां सुबह 11 बजे से समिति के पदाधिकारीयो ने सर्वप्रथम मदर टेरेसा जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर मोमबत्ती प्रज्वलित की इसके बाद रक्तदान कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

2005 से निरन्तर हो रहा आयोजन- राजेश

मदर टेरेसा सेवा समिति के जिला अध्यक्ष राजेश नागेश्वर ने चर्चा के दौरान बताया कि उनके द्वारा यह रक्तदान की शुरुवात सन 2005 में की गई थी जिसके पीछे की मंशा लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता लाना है। ताकि दूर दराज एवं ग्रामीण क्षेत्र से पहुंचे लोगों को रक्त के लिए परेशान ना होना पड़े, इसी उद्देश्य के साथ यह रक्तदान कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी जो आज भी जारी है। इस रक्तदान शिविर में राजेश नागेश्वर, शिवेंद्र सिंह परिहार, भारती राजपूत, अंकुश सिंह, विकास मेश्राम, हरप्रीत कौशल, ज्योति नागेश्वर, पूनम पांचे, दिलीप रहाँगडाले, जनकलाल बिसेन, राहुल सोनी, राजेश पटेल, आकाश नागेश्वर, समर्पित साहू, शिवराज नायडू, नईम खान, शेख परवेज, प्रहलाद रहाँगडाले पंकज ब्रम्हे प्रतीक ब्रम्हे एवं तरुण माटे ने इस रक्तदान शिविर में रक्त का दान कर रक्तदान महादान का संदेश दिया।

एम.बी.बी.एस. डॉक्टर बनकर उस्तादों से मिलने डोंगरिया पहुँचे हाफिज़ ज़ैद अहमद

मौलाना आज़ाद एजुकेशन सोसायटी डोंगरिया ने किया इस्तकबाल

डोंगरिया(पद्मेश न्यूज)। मौलाना आज़ाद एजुकेशन सोसायटी डोंगरिया बालाघाट से हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने के साथ कुरान शरीफ के हाफिज़ बने पेंड्रा (बिलासपुर) निवासी ज़ैद अहमद पिता के. के. अहमद एम. बी. बी. एस. डॉक्टर बन

कर अपने साथियों के साथ संस्था मौलाना आज़ाद एजुकेशन सोसायटी डोंगरिया पहुँचे।यहाँ संस्था के नाज़िम मौलाना इरशाद व प्राचार्य मो. रफीक ने गुलदस्ता भेंट कर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ् व छात्र मौजूद थे।ज्ञात हो कि ज़ैद अहमद ने अपनी हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी की तालीम इसी संस्था मे पूरी की थी तथा कुरान के हाफिज़ भी बने। उसके बाद मेडिकल की पढाई कर एम.बी.बी.एस. डाक्टर बनें।संस्था के प्रबंधक, प्राचार्य व समस्त स्टाफ् ने उनकी कामयाबी पर नाज करते हुए ,उनका स्वागत कर इस सफलता पर बधाई दी।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

गणपति बप्पा मोरिया के जय घोष से गूंजा शामा

घर और सार्वजनिक पंडालो में स्थापित की गई भगवान गणेश की प्रतिमा, 10दिनों तक रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर, होगा विसर्जन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में गणेश उत्सव की धूम देखी जा रही है ।जहां गणेश उत्सव के अवसर पर जगह-जगह सार्वजनिक स्थानों और घरोंन घर भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर उनकी विशेष पूजा आराधना शुरू कर दी गई है ।तो वही जिले भर में कल यानी गुरुवार को भी भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की जाएगी। जहां पूजा अर्चना का यहं सिलसिला आगामी 10 दिनों तक जिले में देखने को मिलेगा। जहां 10 दिनों बाद स्थापित की गई इन गणेश प्रतिमाओं का जिले के विभिन्न जलाशयों में विसर्जन किया जाएगा ।आज 27 अगस्त को प्रथम पूज्य भगवान गणेश के आगमन को लेकर घर, मंदिर और पंडालो में भगवान गणेश की भक्तों द्वारा मनोहारी प्रतिमा को विराजित किया गया। चूंकि इस वर्ष बड़ा संयोग है कि आज ही भगवान शिव और माता पार्वती के पूजन का पर्व हरितालिका तीज महिलाओं द्वारा मनाया गया और आज ही शिव-पार्वती पुत्र भगवान गणेश को विराजित किया गया ।जिसके चलते तीज पूजन के साथ ही भगवान गणेश की प्रतिमा भी विराजित की गई। जबकि कई जगह तीजा समाप्ति के दूसरे दिन अर्थात् 28 अगस्त को भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना की जायेगी।

10 दिनों तक होगी विशेष उपासना

बताया गया कि 33 कोटी देवी देवताओं में प्रथम पूज्य भगवान गणेश के दस दिवसीय गणेशोत्सव की शुरूआत आज 27 अगस्त से हो गई हैं ।बुधवार को भगवान गणेश की मनोहारी और आकर्षक प्रतिमाओं को पूरे भक्तिभाव के साथ मंदिर, पंडालों और घरो में विराजित किया गया और दस दिनों तक भक्तिभाव से उनकी पूजा-अर्चना, आराधना और उपासना की जायेगी।

भक्तगणो ने किया गणपति बप्पा मोरिया का जय घोष

10 दिनों तक मनाये जाने वाले गणेशोत्सव पर्व को लेकर घरो में भक्ति का माहौल है ।इस वर्ष सार्वजनिक स्थलों और घरो में गणेश स्थापना को लेकर खासी रौनक देखी जा रही है ।इसी खुशनुमा माहौल के बीच विघ्नहर्ता, रिद्धी-सिद्धी के दाता और बुद्धि के विधाता भगवान गणेश की इन दस दिनों तक पूर्ण विधिविधान के अनुसार पूजा अर्चना की जाएगी ।बताया गया कि भगवान गणेश की सच्चे मन से आराधना और उपासना करने वाले भक्त की हर मनोकामना पूर्ण होती है। जगत के कल्याण के लिए भगवान गणेशजी, भाद्र मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को कैलाश पर प्रकट हुए थे। इसलिए चतुर्थी के दिन भगवान गणेश का जन्मोत्सव मनाया जाता है ।ऐसा कहा जाता है कि अन्य किसी भी दिनों की अपेक्षा इस दिन गणेशजी की पूजा और आराधना का फल जल्दी प्राप्त होता है ।पूरे जिले में मनाये जाने वाले दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व को लेकर भक्तों मे जोश और उत्साह दिखाई दे रहा है ।आज प्रतिमा को घर और विभिन्न पंडाल ले जाते समय भक्तों में खासा उत्साह नजर आया और भक्तगण गणपति बप्पा मोरिया की जय घोष लगाते हुए नजर आए।

लाडली बहना योजना का पोर्टल शुरू किए जाने की मांग को लेकर बटूवा की महिलाओं ने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लामता क्षेत्र के ग्राम बटूवा की लगभग एक दर्जन से अधिक महिलाओं ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर से मांग करी है कि वह लाडली बहना योजना के पोर्टल को शुरू करवाया जाए, उन्होंने बताया कि जिस समय लाडली बहना योजना के फॉर्म भरे जा रहे थे , उस समय उनके डॉक्यूमेंट कंप्लीट नहीं होने की वजह से उन्होंने फॉर्म नहीं भरा था , किंतु आज उनके सभी डॉक्यूमेंट कंप्लीट हो चुके हैं, वह चाहते हैं कि उनके भी फॉर्म भरे जाए और अन्य बहनों के तहत उन्हें भी लाडली बहना योजना का लाभ मिल सके, उनके क्षेत्र में बहुत सी बहनाएं ऐसी है , जिन्हें लाडली बहना योजना का लाभ नहीं मिल रहा है । यदि पोर्टल शुरू हो जाता है तो उनके क्षेत्र की भी बहनाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। आपको बता दे कि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का लाभ पाने से वंचित ग्राम बटूवा की महिलाएं इन दिनों सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। स्थिति यह है कि महिलाओं को कहा जा रहा है कि फिलहाल योजना का पोर्टल बंद है, इसलिए उन्हें लाभ नहीं मिल सकेगा। ग्राम बटूवा से आईं 11 महिलाएं अपनी समस्या लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं। दीपा और दुर्गेश्वरी बताती हैं कि वे लंबे समय से लाडली बहना योजना का लाभ पाने के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन अब तक उन्हें योजना से कोई राशि प्राप्त नहीं हुई है। महिलाओं का कहना है कि वे बार-बार पंचायत, तहसील और अन्य संबंधित कार्यालयों के चक्कर काट रही हैं, लेकिन हर जगह से उन्हें यही जवाब मिल रहा है कि पोर्टल बंद है और फिलहाल योजना का लाभ नहीं मिलेगा । इस वजह से वे मानसिक और आर्थिक दोनों तरह से परेशान हैं। योजना का लाभ नहीं मिलने से निराश महिलाओं ने मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर से गुहार लगाई है कि उनकी समस्या का शीघ्र निराकरण किया जाए और उन्हें योजना का लाभ समय पर मिल सके। महिलाओं का कहना है कि सरकार द्वारा गरीब, मजदूर और जरूरतमंद बहनों के लिए शुरू की गई यह योजना उनके जीवन में सहारा बनने वाली थी, लेकिन लाभ से वंचित होने के कारण वे बड़ी कठिनाइयों का सामना कर रही हैं।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड

सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी के मामले में गिरनीकर ठाकरे एवं शुभम ब्रम्हे के विरुद्ध और अपराध दर्ज

और तीन युवकों से लिए थे 4 लाख 70 हजार रुपये, दोनो आरोपियों के विरुद्ध तीन अपराध दर्ज किए जा चुके है, गिरफ्तारी से बचने दोनों आरोपी है फरार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगाने के नाम पर रुपए लेकर धोखाधड़ी करने के मामले में मलाजखंड पुलिस ने और गिरनीकर ठाकरे ग्राम बंजारीटोला एवं शुभम ब्रम्हे ग्राम पौनी निवासी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है ।इन दोनों आरोपियों ने और तीन युवक कुलदीप मराठे ग्राम बंजारी टोला, उसके भाई प्रदीप मरठे और शिवकुमार खैरवार से सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगने के लिए 4 लाख 70 हजार रुपए लेकर धोखाधड़ी की। अब तक इन दोनों आरोपियों के विरुद्ध से युवकों द्वारा की गई शिकायत पर मलाजखंड पुलिस थाने में 3 अपराध दर्ज किए जा चुके हैं। और दोनों आरोपी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है। इन दोनों आरोपियों ने अपने क्षेत्र के कम से कम 75 बेरोजगारों से एशिया महाद्वीप में प्रसिद्ध ताम्र नगरी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड मैं सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगने के नाम पर करीब 1 करोड रुपए लेकर धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आने की संभावना। प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरनीकर ठाकरे हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में प्राइवेट नौकरी करता है। 10 मार्च 2025 को कुलदीप मराठे ने गिरनीकर ठाकरे से कोई काम धंधा के सम्बंध बताने कहा था। तभी गिरनीकर ठाकरे ने उसे बताया था कि मुलाजखंड माइंस में सिक्योरिटी गार्ड की भर्ती चालू है। आप अपने दस्तावेज दे दो और तुम्हारे जान पहचान के लड़के होंगे तो उन्हें भी लाने के संबंध में गिरनीकर ठाकरे ने कुलदीप मराठे को बोला था। 2 दिन बाद कुलदीप मराठे ने अपने भाई प्रदीप शिवकुमार का आधार कार्ड पैन कार्ड अंक सूची बैंक की पासबुक की फोटोकॉपी तथा दो-दो फोटो गिरनीकर ठाकरे को दिए थे। 23 मार्च 2025 को गिरनीकर ठाकरे ने कुलदीप को फोन करके सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी के लिए एक व्यक्ति के 1 लाख 70हजार रुपए की मांग की थी। उसी दिन शाम कुलदीप उसके भाई प्रदीप और शिवकुमार ने डेढ़ लाख रुपए गिरनीकर ठाकरे को दिए थे और बाकी पैसे एक सप्ताह के भीतर देने कहे थे। 29 मार्च 2025 को कुलदीप उसके भाई प्रदीप और शिवकुमार ने गिरनीकर ठाकरे को शेष राशि 3 लाख 20 हजार रुपये दिए। गिरनीकर ठाकरे ने उन्हें दूसरे दिन सुबह मलाजखंड माइन्स के मेन गेट में जाने कहां और बोला था कि वहा पर तुम्हें शुभम ब्रम्हे मिलेगा। वह तुम तीनों की पंचिंग कराकर साइन कराएगा। तुम तीनों को नौकरी का हाजिर कार्ड भी देगा ।गिरनीकर ठाकरे ने तीनों को यह भी बोला था कि यहा नौकरी 60 साल की उम्र तक रहेगी। 2 अप्रैल 2025 को सुबह 10:00 बजे कुलदीप अपने भाई प्रदीप और शिवकुमार के साथ हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के मेन गेट मैं गए वहां पर उन्हें शुभम ब्रम्हे में मिला। शुभम ब्रम्हे को तीनों ने बोले कि हमेंगिरनीकर ठाकरे ने भेजा है तब शुभम ब्रम्हे ने कुलदीप की पंचिंग बायोमेट्रिक कराया और प्रदीप और शिवकुमार की बाद में बायोमेट्रिक करने के लिए बोला। 2 अप्रैल को ही कुलदीप का नौकरी कार्ड मिल गया था। प्रदीप और शिवकुमार की पंचिंग 8 अप्रैल 2025 को हुई थी । गिरनीकर ठाकरे ने प्रदीप और शिवकुमार को हाजिरी कार्ड घर में लाकर दिया था। इसके बाद कुलदीप उसके भाई प्रदीप और शिवकुमार ने दो माह तक हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के मेन गेट में जाकर सिक्योरिटी गार्ड इंचार्ज के बताने पर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी की है। गिरनीकर ठाकरे औरशुभम ब्रम्हे ने एक दिन का वेतन 674 रुपए मिलने के संबंध में बताया था किंतु वेतन नहीं मिला और 1 जून 2025 को कुलदीप उसके भाई प्रदीप शिवकुमार को हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के गेट से ड्यूटी से हटा दिए और उन्हें बोला गया कि तुम लोग अपने ठेकेदार से मिलो। इसके बाद तीनों ने गिरनीकर ठाकरे और शुभम ब्रम्हे को फोन किये और बताये की हमको सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी से निकाल दिए है तो उन्हें बोले कि हम ऊपर साहब लोगों से बात करते हैं और इसके बाद दोनों ने बात करना बंद कर दिए। जिसके बाद कुलदीप उसका भाई प्रदीप और शिवकुमार गिरनीकर ठाकरे से रुपए मांगने के लिए उसके घर गए,, तो वह कहने लगा कि मैंने रुपए शुभम ब्रम्हे को दिया है। शुभम ब्रम्हे रुपये देगा तो मैं तुम्हें वापस दूंगा कहकर टालमटोल करते रहे। किंतु कुलदीप उसके भाई प्रदीप और शिवकुमार को 4 लाख 70 हजार रुपए वापस नहीं किये। इस प्रकार गिरनीकर ठाकरे और शुभम ब्रह्मे ने इन तीनों युवकों से सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगाने के नाम पर 4 लाख 70 हजार रुपए लेकर धोखाधड़ी की। इसके बाद तीनों युवक मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचे। मलाजखंड पुलिस थाने में कुलदीप मराठे 30 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर गिरनीकर ठाकरे और शुभम ब्रम्हे के विरुद्ध इस धोखाधड़ी के मामले में धारा 318 (4) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। इस प्रकार गिरनीकर ठाकरे और शुभम ब्रह्मे के विरुद्ध मलाजखंड पुलिस थाने में तीन अपराध दर्ज किया जा चुके हैं और इस अपराध की गिरफ्तार से बचने के लिए तीनों आरोपी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है ।इन दोनों आरोपियों ने अपने क्षेत्र के कम से कम 75 बेरोजगारों से एशिया महाद्वीप में प्रसिद्ध ताम्र नगरी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड मैं सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगने के नाम पर करीब 1 करोड से अधिक रूपये की धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आने की संभावना।

बालाघाट विधायक ने भरवेली में सुनी जनसमस्या अनुविभागीय अधिकारी की कार्य प्रणाली पर जताई नाराजगी

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने 27 अगस्त को जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत भरवेली पहुंच कर ग्राम पंचायत के ग्रामीण और पंचायत के पंचों से उनकी समस्या सुनी ,साथ ही उन्होंने पंचायत में हो रहे निर्माण कार्य को लेकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी , जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और एसडीएम बालाघाट से चर्चा की जिसमें उन्होंने बालाघाट एसडीएम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और उनकी शिकायत करने की भी बात बालाघाट विधायक द्वारा कही गई , उन्होंने कहा कि बालाघाट एसडीएम की कार्यप्रणाली सही नहीं है , वह जनता के साथ सौतेला व्यहार कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने दुर्गा उत्सव के कार्यक्रम में होने वाली कव्वाली के विषय पर भी ग्रामीणों को भरोसा दिलवाया की कव्वाली कराए जाने के विषय को लेकर वह प्रशासन से चर्चा करेंगी और विधिवत प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कव्वाली का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा । आपको बता दे कि बालाघाट विधानसभा क्षेत्र की विधायक अनुभा मुंजारे ने मंगलवार को ग्राम भरवेली का दौरा कर ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों से मुलाकात की । इस दौरान उन्होने पंचायत कार्यो में सरपंच पति द्वारा की जा रही मनमानी, विकास कार्यो में अवरोध, निर्माण कार्यों में अनियमितता और ग्रामीणों की अन्य समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों एवं पंचायत के पंच ने विधायक को बताया कि सरपंच पति अनिल बिसेन लगातार पंचायत कार्यो में अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहे है। पंचायत के निर्माण कार्यों में अनियमितता की गयी है , उसमें अभी तक अधिकारियों द्वारा सही तरीके से जांच नहीं करवाई जा रही है । जांच भी कभी पंचों के पक्ष में नहीं आती , वार्डो में विकास कार्य रोक दिये जाते है। इतना ही नहीं बारिश के पूर्व बाजार में सब्जी विक्रेताओं के लिये बनाये गये टीन शेड को यह कहकर तोडा गया था कि उसकी जगह पक्का शेड बनेगा, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। इससे छोटे व्यवसायियों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड रहा है। इन शिकायतों पर विधायक मुंजारे ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी गोपाल सोनी, जनपद पंचायत बालाघाट के सीईओ और जिला पंचायत के सीईओ से दूरभाष पर चर्चा कर उचित कार्यवाही करने की बात कही। साथ ही उन्होंने एसडीएम सोनी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि भरवेली पंचायत की समस्याओं के समाधान में उनका रवैया भेदभावपूर्ण एवं अपारदर्शी है। विधायक ने स्पष्ट किया कि शीघ्र ही पंचायत एवं राजस्व विभाग के मंत्री को इस स्थिति से अवगत कराया जायेगा।

कव्वाली करवाने को लेकर प्रशासनिक पक्षों से होंगी चर्चा

इसी दौरान ग्रामीणों ने आगामी मॉयल लिमिटेड दुर्गा उत्सव में आयोजित होने वाले परंपरागत कव्वाली कार्यक्रम पर लगाये गये प्रतिबंध का भी मुद्दा उठाया। ग्रामीणों ने कहा कि यह आयोजन पिछले 60 वर्षो से निरंतर हो रहा है और इसे बंद करने का कोई औचित्य नहीं है। इस पर विधायक ने आश्वासन दिया कि वह इस संबंध में संबंधित प्रशासनिक पक्षों से चर्चा करेंगी और धार्मिक सौहार्द की परंपरा को बनाये रखने के पूरे प्रयास किये जायेंगी । विधायक मुंजारे ने ग्रामीणों को आश्वास्त किया कि उनकी भावनाओं और अधिकारों का सम्मान होगा। भरवेली की शांति और साम्प्रदायिक सौहार्द किसी भी कीमत में बिगडने नहीं दिया जायेगा और विकास कार्यो में बाधा डालने वालों के खिलाफ न्यायोचित कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के पंच, सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान एवं अन्य सम्माननीत ग्रामीण नागरिक उपस्थित थे।

एक व्यक्ति ने अपने वृद्ध पिता को डंडे से मारपीट कर किया घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जरेरा में एक वृद्ध को उसके छोटे बेटे ने डंडा से मारपीट कर घायल कर दिया घायल वृद्ध राधे लाल पिता रतनलाल केवट 65 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राधेलाल केवट अपनी पत्नी के साथ मजदूरी करता है। जिसके परिवार में चार लड़के और एक लड़की है सभी बच्चों की शादी हो चुकी है। राधेलाल अपनी पत्नी के साथ अलग रहता है। बताया गया है की राधेलाल केवट को उसके छोटे बेटे की पत्नी गालियां देकर आये दिन परेशान करते रहती है। 26 अगस्त की शाम राधे लाल केवट का छोटा लड़का घर का दरवाजा खोल रहा था। इस समय विवाद होने पर राधेलाल को उसके बेटे ने बस के डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। राधेलाल केवट घायल हालत में टैक्सी में जिला अस्पताल पहुंचा ।जिला अस्पताल पुलिस ने राधेलाल केवट का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

गौर विसर्जन के साथ महिलाओं ने तोड़ा निर्जला व्रत

नदी-जलाशयों में महिलाओं ने किया गौर का विसर्जन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पति की दीर्घायु और मंगलकामनाओ के लिए महिलाओं द्वारा मंगलवार को किया गया निर्जला हरितालिका व्रत का बुधवार को समापन हो गया। महिलाओं ने नदी-जलाशयों के तट पर गौर का पूजन कर विसर्जन किया। इसके बाद महिलाओं ने तीज का कठिन व्रत तोड़कर अन्न-जल ग्रहण किया ।बताया गया की भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरितालिका तीज का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के अखंड जुड़ाव का प्रतीक है ।इस दिन व्रतधारी महिलाएं भगवान शिव एवं माता पार्वती की विधिवत पूजा करती हैं। मान्यता है कि इस दिन गौरी-शंकर की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। यह एक कठिन और सबसे लंबी अवधि का व्रत है। जो सूर्योदय से शुरू होकर दूसरे दिन सूर्योदय तक उपासक निराहार निर्जला रूप से व्रतधारी महिला और कन्याओं द्वारा किया जाता है ।26 अगस्त के सूर्योदय से प्रारंभ इस व्रत का 27 अगस्त के सूर्योदय में गौर विसर्जन के साथ महिलाओ ने निर्जला व्रत पूरा किया।

सुंदर मंडप के नीचे गौर को विराजित कर किया पूजन

जिले में हरितालिका तीज का पर्व मुख्यालय सहित पूरे जिले में निर्जला मनाया गया। जहां महिलाओं एवं युवतियों ने भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करके पति की दीर्घायु और सुयोग्य वर की मनोकामना की ।व्रतधारी महिलाओं ने घरो में सुंदर मंडप के नीचे गौर को विराजित कर उसका विधि, विधान से पूजन किया। पूजन में व्रतधारी महिलायें पांच प्रकार के व्यंजन अर्पित कर रेत से भगवान शंकर और पार्वती के अक्श को हल्दी, कुमकुम, चंदन, बेलपत्र और भगवान शंकर एवं माता पार्वती को चढ़ने वाले फल एवं सुहाग की सामग्री चढ़ाकर शुभमुहुर्त पर भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन कर अपनी मनोकामना पूर्ण होने का आशीर्वाद मांगा ।नगरीय क्षेत्र के महामृत्युंजय घाट, शंकरघाट, गायखुरी घाट, देवटोला नहर में सुबह से ही गौर विसर्जन का सिलसिला प्रारंभ हो गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में व्रतधारी महिलाओं ने भगवान शंकर और माता पार्वती के रेत से बनाए गए अक्श और गौर का विसर्जन किया। व्रतधारी महिलाओं ने घरों में सुंदर मंडप के नीचे गौर को विराजित कर उसका विधि, विधान से पूजन किया।

धार्मिक मान्यता के तहत रखा गया व्रत

व्रतधारी सुहागन महिला ने बताया कि माता पार्वती ने भगवान शंकर को वर के रूप में पाने के लिए यह कठिन व्रत किया था, उनके जैसा व्रत तो संभव नहीं है लेकिन परंपरानुसार और धार्मिक मान्यता के तहत सुहागन महिलायें पति की दीर्घायु और कुंवारी कन्यायें भगवान शिव की तरह सुयोग्य वर पाने के लिय यह निर्जला व्रत करती है ।रात्रि में पूजन के बाद दूसरे दिन गौर का विसर्जन कर व्रत को तोड़ती है।

बम्हनी पंचायत में नाली से पानी निकासी का विवाद थमने का नही ले रहा नाम

एसडीएम श्री जायसवाल बम्हनी पंचायत पहुंचकर किया निरीक्षण, शिकायतकर्ता ने रखा अपना पक्ष

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बम्हनी के वार्ड नं. 2, 8, 12 में निवासरत लोगों के घरों एवं बरसात का पानी की निकासी लक्ष्मण तुमसरे के मकान के समीप से पंचायत के द्वारा बनाई गई नाली के माध्यम से होती है। लेकिन पुर्व में लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा उक्त नाली को बंद कर दिया गया था। जिसके बाद विगत माह पूर्व तहसीलदार एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा बंद नाली को खुलवा दिया गया है और पानी की निकासी हो रही है। लेकिन लक्ष्मण तुमसरे का कहना है कि मेरी निजि भूमि से पानी की निकासी हो रही है जो गलत है। इस पानी की निकासी को बंद करने एवं लालबर्रा प्रशासन के द्वारा निजि भूमि से पानी निकासी की व्यवस्था करने का आरोप लगाते हुए गत दिवस जिला प्रशासन से शिकायत की गई थी। साथ ही बम्हनी पंचायत में इस पानी निकासी की नाली को लेकर विगत दो वर्ष से विवाद चल रहा है जो थमने का नाम नही ले रहा है। वहीं शिकायतकर्ता लक्ष्मण तुमसरे की शिकायत पर मंगलवार को वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल बम्हनी पंचायत पहुंचकर तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, बम्हनी के सरपंच व ग्रामीणजनों की उपस्थिति में मौके स्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान शिकायतकर्ता लक्ष्मण तुमसरे ने एसडीएम श्री जायसवाल को बताया कि सरपंच के द्वारा आबंटित पट्टे की भूमि पर जबरन गड्डा खुदवाया गया है, जिससे भूमि में जलभराव होने के कारण खराब हो रही है। साथ ही पशुओं को बांधने एवं चारा रखने में परेशानी होती है। साथ ही यह भी कहा कि नाली का निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे गंदा पानी मकान के समीप जमा हो रहा है इसलिए इस नाली को बंद कर अन्यंत्र स्थान से पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है। वहीं एसडीएम श्री जायसवाल ने पुरे ग्राम का निरीक्षण कर भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया जिसमें उन्होने कुछ स्थानों पर देखा कि परंपरागत रूप से लंबे समय से एक ही स्थान से पानी की निकासी हो रही है। तो लक्ष्मण तुमसरे के मकान के समीप बनी नाली से ही पानी की निकासी निरंतर रूप से होते रहेगी और सरपंच को निर्देशित किया है कि वे गड्डे से संबंधित पंचनामा बनाकर तहसीलदार को सौंपे। साथ ही शिकायतकर्ता लक्ष्मण तुमसरे को भी अपना पक्ष लिखित रूप में तहसीलदार के समक्ष रखने कहा है। वहीं शिकायतकर्ता का कहना है कि मेरी नीजि भूमि से पानी की निकासी हो रही है एवं पंचायत का कहना है कि पूर्वजों के समय से उसी स्थान से पानी की निकासी होते आ रही है और शासकीय भूमि पर नाली का निर्माण किया गया है। इस तरह से दो वर्ष से चल रहे नाली विवाद का मामला शांत होने का नाम नही ले रहा है। इस दौरान तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह बघेल, हल्का पटवारी, ग्राम पंचायत सरपंच बी.आर. ढबाले, पंचायत सचिव, ग्राम पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

निजि भूमि से पानी निकासी को बंद करवाये प्रशासन - लक्ष्मण

दूरभाष पर चर्चा में शिकायतकर्ता लक्ष्मण तुमसरे ने बताया कि मेरी निजि भूमि से पानी की निकासी जबरन की जा रही है एवं मकान के सामने गड्डा खोद दिया गया है। जिसके कारण मकान के आसपास नमी बनी हुई है एवं मवेशी बीमार हो रहे है इसलिए निजि भूमि से जबरन पानी निकासी करने की शिकायत की गई थी। श्री तुमसरे ने बताया कि मंगलवार को एसडीएम साहेब निरीक्षण पर आये थे, लेकिन समस्या का समाधान नही किया गया है। प्रशासन से मांग है कि निजि भूमि से पानी निकासी को बंद करवाये और अधूरी नाली व गड्डे के मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करें।

इनका कहना है-

लक्ष्मण तुमसरे ने शिकायत की थी कि उनके मकान के समीप से पानी निकासी होने से परेशानी हो रही है। मौके स्थल सहित साथ ही अन्य स्थानों का निरीक्षण किया गया है और परंपरागत रूप से भू-स्वामी स्थानों से भी पानी की निकासी हो रही है। साथ ही पुर्व से इसी स्थान से पानी निकासी होते हुए आगे नाले की ओर निकलता है इसलिए पानी निकासी के रास्ते को दुरूस्त करने तहसीलदार को निर्देशित किया गया है।

कार्तिकेय जायसवाल
एसडीएम
वारासिवनी।

सार्वजनिक पंडालों एवं घरों में विराजे गजानन महाराज भगवान श्रीगणेश

ढोल-नगाड़ों के साथ प्रतिमाओं को स्थापना स्थल ले जाने का क्रम देररात्रि तक रहा जारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। दस दिनों तक चलने वाला गणेशोत्सव पर्व की शुरूआत 27 अगस्त से प्रारंभ हो चुका है और सार्वजनिक पंडालों एवं घरों में शुभ मुहूर्त पर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर गजानन महाराज भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की स्थापना की गई। जिसके साथ ही गणेशोत्सव का पर्व प्रारंभ हो गया है जिससे पूरे क्षेत्र में दस दिनों तक भक्तिमय माहौल बना रहेगा और चहूंओर गणपति बप्पा मोरिया के जयकारों की गुंज सुनाई देगी। गणेशोत्सव पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों के द्वारा व्यापक रूप से तैयारी की गई है। जिसमें दस दिनों तक विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। 27 अगस्त से प्रथम पू'य भगवान श्रीगणेश के पर्व का प्रारंभ हो चुका है। वहीं श्री गणेशोत्सव पर्व के अवसर पर 27 अगस्त को गणेश प्रतिमा स्थापना हेतु गणेश उत्सव समितियों के द्वारा प्रात: से ही ढोल-नगाड़े के साथ ही प्रतिमाओं को स्थापना स्थल ले जाने का सिलसिला प्रारंभ हो गया जो देर रात्रि तक जारी रहा। साथ ही इस दौरान मुर्तिकारों के घरों में दिनभर श्रध्दालुओं की खासी भीड़ रही एवं बाजार क्षेत्र में भी चहल-पहल नजर आई और सभी हिन्दु धर्मालंबी गणेशोत्सव पर्व को लेकर खासा उत्साहित नजर आये। वहीं दोपहर में अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ ही करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश भी हुई। जिससे प्रतिमा ले जाने वाले श्रध्दालुओं को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। चर्चा में मूर्तिकारों ने बताया कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और भक्तजन घर एवं बाजार में पहुंचकर प्रतिमा लेकर जा भी रहे है। साथ ही यह भी बताया कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापना के बाद अब नवरात्र पर्व के लिए मॉ दुर्गा की प्रतिमा बनाने का कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

निर्जला व्रत रखकर सुहागिन महिलाओं एवं कुंवारी कन्याओं ने मनाया हरितालिका पर्व

नदी एवं तालाबों में आस्थापूर्वक किया गया गौर विसर्जन, भजन-कीर्तन का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दु धार्मिक परंपराओं के अनुसार मनाया जाने वाला हरितालिका पर्व 26 अगस्त को महिलाओं के द्वारा भक्तिभाव एवं धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया। वहीं व्रतधारी महिलाओं के द्वारा 27 अगस्त को प्रात:काल गौर विसर्जन किया गया। हरितालिका पर्व के अवसर पर 26 अगस्त को महिलाओं व कुंवारी कन्याओं (लड़कियों) के द्वारा साज-श्रृंगार कर निर्जला व निराहार व्रत रखा गया एवं शाम को फुलेरा सजाकर बालू से माता गौरी व भगवान शिव की प्रतिमा बनाकर बेलपत्ती, नारियल, हल्दी, कुमकुम, सिंदुर, राम दतुन, फल सहित अन्य पकवानों से भोग लगाकर विशेष पूजा अर्चना की गई तथा रतजगा कर भजन-कीर्तन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके बाद दूसरे दिन 27 अगस्त को प्रात: में स्थानीय तालाबों, नदियों व नहरों के तटों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आरती पश्चात फूलेरा विसर्जन कर प्रसादी का वितरण किया गया। नगर मुख्यालय में महिला श्रध्दालुओं के द्वारा सर्राटी नदी, पांढरवानी स्थित विसर्जन घाट, तहसील कार्यालय रोड़ पुल पनबिहरी, अमोली में सर्राटी नदी एवं मिरेगांव में वैनगंगा बड़ी नहर के तट पर व्रतधारी महिलाओं एवं कुंवारी लड़कियों के द्वारा पूजा-अर्चना और आरती कर आस्थापूर्वक गौर विसर्जित किया गया, इस दौरान उक्त स्थानों में भीड़ रही।

भगवान शंकर-माता गौरी की विशेष पूजा अर्चना कर की गई आराधना

आपकों बता दे कि हिंदू धर्म में हरियाली तीज का खास महत्व है एवं भाद्रपक्ष के शुक्ल तृतीय को मनाया जाने वाला यह पर्व महिलाओं और कुंवारी लड़कियों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस पर्व के दिन सुहागिन महिलाएं अपने अखंड सौभाग्य पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती है तो वहीं कुंवारी लड़कियां अपने पसंदीदा वर पाने के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा आराधना करती है एवं रातभर जागकर महिलाओं के द्वारा हरियाली तीज के गीत गाये गये। चर्चा में व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि हरितालिका व्रत भाद्रपक्ष के शुक्ल तृतीय को मनाया जाता है और इस पर्व पर निर्जला व्रत रखकर शाम में फुलेरा बांधकर माता पार्वती व भगवान शंकर की पूजा अर्चना की जाती है एवं दुसरे दिन फुलेरा को नदी, तालाब में विसर्जित किया जाता है और यह व्रत पति की दीर्घायु व कुंवारी लड़कियां मनचाह वर मिलने के लिए करती है। साथ ही यह भी बताया कि भगवान शंकर से विवाह करने के लिये माता पार्वती के द्वारा घोर तप किया गया जिससे प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने माता पार्वती से विवाह किया एवं इस दिन माता पार्वती भक्ति से खुश होकर सभी स्त्रियों को अखण्ड सुहाग का वरदान दी थी। इसी मान्यता के अनुसार सुहागिन महिलाएं हरितालिका पर्व मनाती है और हरितालिका पर्व पर सुहागिन महिलाओं के द्वारा 24 घंटे का निर्जला व्रत रखा जाता है एवं 26 अगस्त की रात्रि में फुलेरा बांधकर माता गौरी-भगवान शंकर की विशेष पूजा अर्चना कर रतजगा किया गया एवं 27 अगस्त को प्रात: में नदी, तालाबों में गौर विसर्जित कर हरितालिका पर्व का समापन किया गया है।

गणेशोत्सव समितियां डीजे की अनिवार्य रूप से ले अनुमति - सुनील

थाने में शांति समिति की हुई बैठक, सौहार्दपूर्वक एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाये गणेशोत्सव एवं अन्य पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित थाना परिसर में गणेश चतुर्थी, नवदुर्गा उत्सव, दशहरा, ईद मिलादुन्नबी एवं अन्य पर्व को मद्देनजर रखते हुए 27 अगस्त को शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, समाजसेवी गिरीश पाठक सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में गणेश उत्सव, मूर्ति विसर्जन, ईद मिलादुन्नबी के दौरान क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये जाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। जिस पर उपस्थितजनों ने अपनी समस्याएं रखने के साथ ही सुझाव भी दिये। इस दौरान उपस्थितजनों ने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, नगर में बिजली व्यवस्था, बस- स्टैण्ड परिसर की साफ सफाई, कंजई से लेकर बालाघाट पहुंच मार्ग में हुए गड्ढों के मरम्मतीकरण, सड़क पर धमाचौकड़ी मचा रहे मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने, रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की गई है। वहीं बैठक में गणेशोत्सव समिति की जानकारी लेकर पर्व के दौरान होने कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करवाने निर्देशित किया गया। साथ ही गणेशोत्सव सहित अन्य पर्व सौहार्दपूर्वक एवं शांतिपूर्वक मनाने एवं पर्व के दौरान अगर कोई शांति भंग करने प्रयास करता है उसकी जानकारी थाने में देने कहा गया है ताकि वैधानिक कार्यवाही कर शांति व्यवस्था बनाया जा सके। साथ ही पुलिस प्रशासन के द्वारा गणेशोत्सव समितियों को डीजे बजाने की अनुमति लेने के बाद ही डीजे बजाने की बात कही गई है। अगर वे अनुमति के बिना डीजे बजाते है तो समितियों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। वहीं बैठक के दौरान पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने कहा कि ईद मिलादुन्नबी पर्व पर मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा जुलूस निकाला जाता है जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है इसलिए पुलिस प्रशासन यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग करें एवं मुर्ति विसर्जन स्थल में पुलिस प्रशासन की डयूटी लगाने की बात कही। श्रीगणेश गंज समिति लालबर्रा के पदाधिकारियों ने कहा कि हाई स्कूल मार्ग के दोनों साईड में बड़े वाहन खड़े रहते है और इस मार्ग से स्कूल के बच्चे आना-जाना करते है इसलिए उक्त मार्ग पर खड़े रहने वाले बड़े वाहनों को हटाये जाने एवं नगर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग की है। जिस पर थाना प्रभारी ने आश्वास्त करते हुए कहा कि उ%चाधिकारियों को अवगत करवाकर उक्त व्यवस्था एवं समस्याओं का निराकरण करने की बात कही। साथ ही क्षेत्रीयजनों से गणेशोत्सव, दुर्गोत्सव सहित अन्य पर्व सौहार्दपूर्वक मनाने एवं समितियों से डीजे बजाने के लिए अनिवार्य रूप से अनुमति लेने की अपील की है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

खमरिया क्षेत्र में सुहागिन महिलाओं ने मनाया हरितालिका पर्व

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खमरिया सहित ग्रामीण अंचलों में सुहागिन महिलाओं एवं कुंवारी युवतियों के द्वारा मंगलवार को हरितालिका (तीजा) पर्व धार्मिक आस्थापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिला व कुंवारी युवतियों ने 26 अगस्त को प्रात:काल के समय में नदी व तालाब से गौर लेकर आये एवं रात में फुलेरा बांधकर माता पार्वती व भगवान शंकर की पूजा अर्चना की गई एवं 27 अगस्त को फुलेरा को नदी, तालाब में विसर्जित किया गया। व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि हरितालिका व्रत का पर्व सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु व कुंवारी युवतियां अ%छे वर की कामना को लेकर करती है और 26 अगस्त को हरितालिका तीजा पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह तालाब व नदी से गौर लाया गया और रात में भगवान शिव व माता पार्वती की पूजन-अर्चन कर भजन-कीर्तन किया गया एवं दुसरे दिन 27 अगस्त को गौर विसर्जन किया गया। आगे बताया कि यह व्रत महिलाओं के जीवन में बहुत मायने रखता है और कुंवारी कन्याओं के लिए भी बहुत खास हैं। सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं एवं अपने परिवार के सुख समृध्दि के लिए भी भगवान शिव से कामना करती हैं। वहीं कुंवारी कन्याएं अच्छे जीवन साथी मिलने की कामना करती है। इस अवसर पर व्रतधारी महिलाएं व कुंवारी युवतियां उपस्थित रहे।

घरों और सार्वजनिक पंडालों में पधारे विघ्नहर्ता

शहर से लेकर गांव में भगवान गणेश की हुई स्थापना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। १० दिवसीय गणेशोत्सव पर्व इस वर्ष २७ अगस्त से प्रारंभ हो रहा है। जिसमें सभी महिलाओं ने प्रातः काल नहर में जहां गौर निकाला वहीं लोगो ने दोपहर में भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं को अपने अपने घरों में विराजित किया। भगवान श्रीगणेश देवताओं में अग्रणी देवता के रूप में माने जाते है। जहां एक और सार्वजनिक पंडालों में उनकी प्रतिमाओं को विराजित किया जाता है वहीं हिंदू द्यर्माबलंबी अपने अपने घरों में भी उनकी विधि विधान से स्थापना करते है। यह १० दिवसीय पर्व का समापन हवन पूजन के साथ विशाल भंडारे के साथ संपन्न होता है। प्रतिदिन हिंदू द्यर्माबलंबी सुबह व शाम को भगवान श्री गणेश की विशेष आरती कर उनसे अपने परिवार व अपने करीबियों के अलावा नगर सहित क्षेत्र व देश की जनता को सलामत करने की दुआं मांगते है।

डोल नगाड़े की थाप पर लाये गये लंबोदर

गणेश चतुर्थी के अवसर पर शहर से लेकर गांव तक काफी उत्साह देखने को मिला जहां सभी सार्वजनिक समितियों व मकानों में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना भारी उत्साह के बीच की गई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणेश भक्तजनों में काफी उत्साह दिखाई दिया। यह भक्तजन अपने अपने पंडालों व घरों में भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं को डोल नगाड़े की थाप पर लेकर मूर्तिकारों के घर से निकले जो मार्ग पर अति उत्साह के साथ चलते रहे। जहाँ रास्ते में लोगो ने भगवान की प्रतिमा देख श्रध्दा से सर झुका कर आशीर्वाद भी लिया।

धर्ममयी हुआ नगर का वातावरण

देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती के पुत्र प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश का दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व क्षेत्र सहित पूरे देश में २७ अगस्त से प्रारंभ हो चुका है। हिंदू द्यर्माबलंबियो के बीच इस पर्व का अलग ही महत्तव माना जाता है। प्रतिवर्ष इस पर्व पर नगर में एक से बढ़कर एक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। नगर में इस पर्व को मनाये जाने के लिये एक पखवाड़े पूर्व से ही तैयारीयों को अमलीजामा पहनाने की कार्यवाही शुरू हो जाती है। वहीं सार्वजनिक समितियों के बैनर तले नगर स्थित वार्डों के अलग अलग हिस्सों में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाऐं सार्वजनिक पण्डालों में विराजित की जाती है। बहरहाल भगवान श्री गणेश की स्थापना के पश्चात नगर का माहौल धर्ममयी हो गया है। वहीं पूरा दिन ढोल नगाड़ों की आवाज गणपति बप्पा मोरिया से गुंजायमान होता रहा।

लोगो ने शुभ मुहूर्त का रखा विशेष ध्यान

भगवान गणेश की स्थापना के दौरान लोगों के द्वारा शुभ मुहूर्त का विशेष ध्यान रखा गया जिसमें लोगों ने सुबह ही मूर्तिकार के घर पहुंच कर अपनी पसंदीदा प्रतिमा को घर लेकर आए। जिसका वैदिक पंचांग के अनुसार शुभ मुहूर्त के अनुसार भगवान गणेश की स्थापना की गई। इस दौरान सुबह से शाम तक थोड़ी.थोड़ी देर के लिए लाभ अमृत मध्य मुहूर्त बना रहा । जिसमें लोगों ने अपने मकान एवं सार्वजनिक समितियों ने पंडाल में बप्पा की पूजा करके उनका विशेष आशीर्वाद प्राप्त किया।

गणेश स्थापना पर दिखा भारी उत्साह-अशोक प्रजापति

मूर्तिकार अशोक प्रजापति ने बताया कि भगवान गणेश की स्थापना पर काफी उत्साह दिखा ऐसे में सभी लोग मूर्ति लेकर जा रहे हैं। इसमें हमारे द्वारा सिद्धिविनायक नंदी चंद्रमा गरुड़ व अन्य वाहन पर सवार भगवान गणेश की प्रतिमा का निर्माण किया गया है। जिसमें अधिकांश लोग पहले से डिजाइन दे देते हैं वैसा निर्माण करते हैं छोटी बड़ी दोनों प्रतिमा आज भी जा रही है। परंतु जिस प्रकार से प्रतिवर्ष भीड़ रहती है वैसी ही भीड़ है कुछ बड़ी मूर्ति बची है जो देर रात तक जायेगी।

श्री दुर्गा माता मंदिर में प्राकट्योउत्सव का हुआ आयोजन

गुरु ही ईश्वर को और मोक्ष प्राप्त करने का माध्यम है- डी पी चौरागढ़े

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के सब्जी बाजार स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर में अखिल भारतीय आध्यात्मिक उत्थान मंडल शाखा वारासिवनी के तत्वावधान में स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज के १०१ वां प्राकट्योउत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री दुर्गा माता मंदिर के प्रांगण में ब्रह्मलीन द्विपीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानंद जी सरस्वती महाराज के सूक्ष्म संरक्षण में मनाया गया। यह कार्यक्रम सेवानिवृत शिक्षक डी पी चौरागढ़ की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। जिसके बाद मंदिर के पंडित नरेन्द्र शर्मा एवं अभिषेक दूबे के द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ महाराज श्री के पादुका का पूजन किया गया। तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डी पी चौरागढ़ ने कहा कि बिना गुरु के व्यक्ति कितनी भी भक्ति पूजा कर ले उसे ईश्वर स्वीकार नहीं करते है। गुरु ही ईश्वर को प्राप्त करने का और मोक्ष प्राप्त करने का माध्यम है। महाराज ने अपने जीवन में स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेकर कई बार जेल यात्रा की बचपन से कठोर तपस्या करके बड़े.बड़े जनकल्याण के कार्य किए धर्मांतरण से देश को बचाने के लिए सशक्त प्रयास किया। आश्रम की स्थापना की धर्म प्रचार एवं रक्षा के लिए जन जागृति अभियान चलाया। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य के रूप में उनका अभिषेक हुआ फिर द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य के रूप में अभिषेक किया गया। वह प्रथम शंकराचार्य थे जिन्हें दो पीठ का पदभार मिला। जिन्होंने राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी का विशाल मंदिर की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की राम जन्मभूमि आंदोलन को सफल बनाया। गुरु धाम की स्थापना विशाल शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की उन्होंने समस्त जन समूह को प्रेरणा दी और धर्म रक्षा करते हुए वह भगवान शिव में समाहित हो गए। वह परंतु आज भी उनका सूक्ष्म संरक्षण हमारे आसपास बना हुआ है। इस अवसर पर संतोष चौहान, डॉ रविन्द्र ताथोड़, राम रूसिया, मुरारी डूबे, पंकज वर्मा, कालूराम कामरी ,पलाश खंडेलवाल सहित अन्य गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

किसान कीटनाशक के प्रभाव से बीमार उपचार जारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी सिविल अस्पताल में एक २७ वर्षीय युवक को उपचार के लिये भर्ती किया गया है। इसमें बताया जा रहा हैं की खमरिया निवासी रोहित पटले खेत में कीटनाशक का छिड़काव कर रहा था जिसमें कीटनाशक दवा के प्रभाव से बीमार हो गया। प्राप्त जानकारी अनुसार रोहित पिता कोमलचंद पटले २७ वर्ष खमरिया निवासी पेशे से शिक्षक हैं जिसकी पदस्थापना जिला सिंगरौली में हैं। उसका परिवार खेती किसानी करता हैं जो अपने घर छुट्टी पर आया हुआ था। जहां उसके द्वारा अपने भाइयों के साथ २७ अगस्त को खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने के लिए गया हुआ था। जहां पर सभी भाइयों के साथ रोहित पटले के द्वारा भी दो पंप कीटनाशक का छिड़काव खेत में किया गया। जिसके बाद उसकी तबीयत खराब होने लगी तो परिवार के द्वारा तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है जहां उसका उपचार जारी है। इस दौरान कीटनाशक के छिड़काव करते समय उसके प्रभाव में आ जाने की बात कही जा रही है।

व्रतधारी महिलाओं ने गौर का किया विसर्जन

नहर नदी व नाले में महिलाओं की रही भीड़

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पति की दीर्घायु के लिए महिलाओं के द्वारा रखे जाने वाला निर्जला व्रत हरितालिका पर्व नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया। जिसका २७ अगस्त की सुबह नहर नदी व तालाबों में गौर का विसर्जन कर हरितालिका व्रत का समापन हुआ। इस अवसर पर नगर की महिलाओं ने सुबह अपने अपने घरों में नहर नदी से बालू लाकर भगवान शिव व पार्वती की प्रतिमा गौर का निर्माण कर उसकी पूजा अर्चना की गई। जिसमें पुरी रात जागकर अपने पति की दीर्घायु की कामना कर सुबह अपने अपने घरों में पूजा अर्चना कर पकवानों का भोग लगाकर घरों से गौर निकाल कर नहर नदी तालाब के तट पर पहुंचे। जहाँ आरती कर विसर्जन किया गया। जिसमें बुधवार की सुबह से ही नगर से होकर गुजरने वाली बड़ी नहर चंदन नदी में व्रतधारी महिलाओं की टोली गौर विसर्जन करने पहुंचती रही। गौरा माता की आरती करने के बाद गौर विसर्जन किये जिसके बाद एक दूसरे के माथे पर कुमकुम का टीका लगाकर अपने अपने पति की दीर्घायु होने की कामना कर अखण्ड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद देकर प्रसादी का वितरण किया गया। वहीं इस दौरान सुबह से दोपहर तक व्रत धारी महिलाओं का नगर के मार्गो पर ताता लगा रहा।

रात भर भजन कीर्तन का चला दौर

हरितालिका व्रत जिसे तीज के नाम से जाना जाता है। सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु की कामना और कुंवारी कन्या अच्छे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत करती है। इस दौरान रात्रि में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसके तहत नगर सहित क्षेत्र में अधिकांश घरों में रात्रि में भजन कीर्तन कर पूरी रात जगराता किया गया। वहीं रात्रि में महिलाओं का एक दूसरे के घरों में टोली के रूप में जाकर हल्दी कुमकुम कार्यक्रम किया गया। इस प्रकार से पूरी रात जाग कर माता पार्वती भगवान शिव की आराधना की गई।

निर्जला व्रत गौर विसर्जन के बाद छोड़ा-रेखा जैतवार

श्रीमती रेखा जैतवार ने पद्मेश से चर्चा में बताया कि हरितालिका व्रत सभी व्रतों से कठिन होता है महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत करती है। जिसमें २६ अगस्त को नदी तालाबों से बालु की मिट्टी लाकर भगवान शंकर एवं पार्वती की गौर प्रतिमा का निर्माण कर उसकी पूजा अर्चना की गई एवं रात्रि में संगीतमय भजन गायन कर पति की दीर्घायु की कामना की गई। श्रीमती जैतवार ने बताया कि यह व्रत सुहागन महिलाएं पति की दीर्घायु एवं अविवाहिता अच्छे वर मिलने की कामना के लिए करती है। यह ३० घंटे का निर्जला व्रत है गौर विसर्जन के बाद छोड़ा जाता है। हम सभी नहर पर गौर विसर्जन करने आये है।

माता गौरा भगवान शिव को विसर्जन करने नहर पर आए-छाया गौर

श्रीमती छाया गौर ने पद्मेश से चर्चा में बताया कि यह हरितालिका तीज पर्व गणेश चतुर्थी के एक दिन पहले आता है। जिसमें माता गौरा और भगवान शिव की आराधना रात भर करने के उपरांत गणेश चतुर्थी के सुबह गौर का विसर्जन किया जाता है। यह व्रत माता पार्वती ने भगवान शिव की प्राप्ति के लिए रखा था इसके बाद से समस्त सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु की कामना के लिए यह व्रत करती है। आदिकाल से यह चला आ रहा है जिसमें देर रात तक भजन कीर्तन करने के उपरांत सुबह भोग लगाकर विसर्जन करने का कार्य किया गया। जिसके तहत हम सभी माता गौरा और भगवान शिव को लेकर नहर के तट पर आए है। जहां विधि विधान से आरती है करने के बाद विसर्जन किया गया है।

मनरेगा मेट संगठन ने विधायक विवेक पटेल को सौंपा ज्ञापन

पांच सूत्रीय समस्याओं का निराकरण करने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विधायक जनसम्पर्क कार्यालय में प्रदेश संगठन के आव्हान पर मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत मनरेगा मेट संगठन के पदाधिकारी सदस्यों के द्वारा विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन सौंप कर म.प्र.के २३ हजार पंचायतो में २ लाख ४० हजार मेट भाई बहनो का मांगो के निराकरण की पहल करने और शासन का ध्यान आकर्षण करवाने की मांग की गई। ज्ञापन में उल्लेखित है कि भारत सरकार के महत्वपूर्ण योजना महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी स्कीम संपूर्ण भारत के राज्यों में संचालित हो रही है। इसी प्रकार मध्यप्रदेश में १८ से १९ वर्षो से क्रियान्वयन हो रहा है। योजना के क्रियान्वयन हेतु मण्वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। म.प. के २३ हजार ग्राम पंचायतों में २ लाख ४० हजार मेट कार्यरत है जो कि म.प्र. शासन के द्वारा अर्द्धकुशल मजदूरी लागू किया गया है। तथा ४० से ५० समूह मेट की भी नीति १ अप्रैल २०१३ से लागू की गई है जिससे मेटों का हित प्रभावित हो रहा है। मेट भी योजना में साल भर रोजगार सहायक के समान ही पंचायत में सहयोग करते हैं एवं कार्य करते है। जिससे मेंटों को पारिश्रमिक भुगतान नहीं दिया जाता है ग्राम पंचायत मेट संघ के द्वारा निरंतर म.प्र.सरकार के समक्ष अपनी मांगों के संदर्भ में अनेक आंदोलन किये गये। वर्ष २०१२-१३ में हमारा विशाल मेट संघ आंदोलन भोपाल हुआ था इसके पश्चात वर्तमान में भी २१ अगस्त २०२३ को भी विशाल धरना प्रदर्शन भोपाल में किया गया तथा मांग रखी किंतु संतोषप्रद समाधान नहीं हो पाया। हम चाहते हैं की ग्राम पंचायत में मेट भाई और बहनो को नियमित करते हुये ग्राम रोजगार सहायकों के समान मानदेय की स्वीकृति प्रदान की जाये। म.प्र. श्रम आयुक्त इंदौर के द्वारा लागू दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी नियम १९४८ द्वारा मानदेय लागू किया जायें। म.प्र. शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पत्र ४ सितंबर २००६ के अनुसार मेटों को कुशल श्रमिक पारिश्रमिक कलेक्टर दर से भुगतान करने का प्रावधान किया गया है। किन्तु अभी तक शासन प्रशासन के द्वारा उक्त निर्देशों का पालन नहीं किया गया है। यह कि आदेश के अनुसार भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जावें तथा एरियर्स राशि का भुगतान किया जायें। ग्राम पंचायत के कच्चे एवं पक्के कार्यों में रोजगार गारंटी के तहत कार्यों का स्टीमेट इंजीनियर के द्वारा तैयार किया जाता है। उसमें मेटों का कुशल श्रमिक का भुगतान करने की राशि को दर्शाया जावें। समस्त ग्राम पंचायतो के द्वारा मेटो पर बगैर आरोप पत्यारोप लगाये तमाम पंचायतो में चुनावी आपसी रंजीस का शिकार मेट भाई.बहनो को पंचायत से हटाया जाना सरासर मेट माई.बहनों के साथ अन्याय है। जिसके कारण उनका परिवार प्रभावित हो रहा है उस पर शासन प्रशासन के द्वारा अंकुश लगाया जावें। वहीं एनएमएमएस में हो रही परेशानीयों के लिए रोजगार सहायक एवं सचिव की भांति मेटो को भी समय समय पर प्रशिक्षण दिया जावें। उपरोक्त वर्णित माँगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए निराकरण किया जायें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में वारासिवनी जनपद अंतर्गत मेट साथी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

डोंगरिया के लच्छीटोला में नवीन ग्राम सभा गठन का प्रस्ताव पारित

ग्राम सभा गठन होने से मिलेगा ग्राम सभा को अधिकार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ के निर्देशानुसार पेसा जिला समन्वयक राजकुमार उइके व परसवाड़ा जनपद सीईओ धनाराम उइके के दिशा निर्देश मे 26 अगस्त 2025 को ग्राम पंचायत डोंगरिया के लच्छीटोला में नवीन ग्राम सभा गठन के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। म. प्र. पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्र पर विस्तार) नियम 2022 के अंतर्गत मध्य प्रदेश में पेसा कानून जनजाति समाज के हक अधिकारों को संरक्षित रखने के लिए लागू किया गया है। पेसा ब्लाक समन्वयक श्री रामचंद्र तेकाम के द्वारा ग्राम वासियों को पेसा कानून के बारे में विस्तार से समझाते हुए बताया गया कि पेसा कानून जनजाति समाज की संस्कृति एवं रूढ़ीगत परंपराओं के संरक्षण का अधिकार देता है । ग्राम वासियों को पेसा कानून के माध्यम से मिलने वाले लाभ एवं उसके हक, अधिकार के बारे में बताया गया । जिसमें छोटे-मोटे विवादों का निपटारा ग्राम सभा शांति विवाद निवारण समिति के माध्यम से गांव की रुढीगत परंपरा के अनुसार करना भूमि प्रबंधन, जल संवर्धन एवं लघु जल संरक्षण की योजना और प्रबंधन खान और खनिज, मादक पदार्थ पर नियंत्रण श्रम शक्ति गौण वन उपज, बाजारों एवं मेलों पर नियंत्रण, साहुकारी एवं सामाजिक क्षेत्र की संस्थाओं पर नियंत्रण हितग्रही मूलक योजना में हितग्राहियों का चिन्हांकन एवं चयन आदि के प्रबंध पर विस्तार से चर्चा की गई । उसके बाद ग्राम वासियों द्वारा सर्व सहमति के आधार पर नवीन ग्राम सभा गठन के लिए प्रस्ताव पारित किया गया एवं ग्राम वासियों द्वारा नजरी नक्शा भी बनाया गया। बैठक में ग्राम वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बैठक में जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे जिसमें सरपंच श्रीमति रीता उईके सचिव श्री संतोष बाघमारे, अध्यक्ष देवीसिंह भलावी पेसा मोबिलाइजर, लक्ष्मी प्रसाद पटले ग्राम पंचायत डोंगरिया लच्छीटोला के ग्रामवासी उपस्थिति रहे।

सप्त ऋषि और अरुन्धती पूजन

ऋषि पंचमी के दिन सप्तऋषियों का पूजन भाद्र प्रद माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के दिन किया जाता है। इसके पूर्व हरतालिका तीज व गणेश चतुर्थी के पावन व्रत किए जाते हैं। ऋषि पंचमी विशेषकर महिलाओं और कन्याओं के लिए विशेष उपयोगी है। यह रजस्वला महिलाओं के लिए विशेष उपयोगी है। यह रजस्वला महिला द्वारा जाने अनजाने या असावधानी वश किसी पवित्र कार्य के सम्पर्क में आ जाती है तो उस दोष के निवारण के लिये क्षमा प्रार्थना हेतु इस उपवास को किया जाता है। इस पूजन में माता अरुन्धती के साथ सप्तऋषियों का पूजन किया जाता है। इस पूजन में अपामार्ग नामक वनस्पति पौधे का विशेष महत्व है। व्रत के दिन बाजार में यह आसानी से उपलब्ध हो जाता है। यह एक प्रकार का औषधीय पौधा होता है। इसे बोलचाल की भाषा में आँधी झाड़ा भी कहते हैं। महिलाएँ इसकी डंडियों से सप्तऋषि निर्मित करती हैं। महिलाएँ इसकी डंडियों से दातून करती हैं। इसके पत्तों को पानी में डालकर स्नान करती हैं। डंडियों से माता अरुन्धती और सप्तऋषि निर्मित किए जाते हैं। सात डंडियों को सफेद वस्त्र में लपेटकर सप्तऋषियों का स्वरूप दिया जाता है। माता अरुन्धती को लाल वस्त्र में लपेटा जाता है। एक पटिये पर चन्दन के सात ऋषि निर्मित कर उन पर लपेटे हुए ऋषि रखे जाते हैं। इसी प्रकार लाल वस्त्र में माता अरुन्धती को रखा जाता है। हल का हाँका अनाज नहीं खाते हैं। मोरधन (भगर, सवॉ) का फलाहार किया जाता है। पूजन में चावल के अक्षत के स्थान पर मोरधन के अक्षत चढ़ाते हैं। चावल का उपयोग वर्जित है। सफेद व लाल वस्त्र ही चढ़ाए जाते हैं। रूई की जनेऊ ही ऋषयों को समर्पित की जाती है। मोरधान की खीर बनाकर नैवेद्य लगाया जाता है। कर्पूर तथा घी के दीपक से आरती की जाती है। कथा वाचन कर क्षमा प्रार्थना की जाती है।

सप्त ऋषियों के नाम और उनकी पत्नियों के नाम-

1. कश्यप- पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार इनकी सत्रह पत्नियाँ थीं। उनमें दिति, अदिति, दनु आदि प्रमुख थीं।
2. अत्रि- इनकी पत्नी अनुसूयाजी थीं। इन्होंने वनवास के समय सीताजी की सहायता की थी और सुखी जीवन के बारे में पतिव्रता धर्म की शिक्षा दी। पुत्र का नाम दत्तात्रय है।
3. वसिष्ठ- श्रीराम के कुलगुरु। इनकी पत्नी का नाम अरुन्धती है।
4. विश्वामित्र- ये श्रीराम-लक्ष्मण को बाल्यावस्था में अपने आश्रम ले गए थे। कई पौराणिक ग्रन्थों में इनकी पत्नी का नाम मेनका बतलाया है। कुछ में नाम अज्ञात है।
5. गौतम- पत्नी का नाम अहल्या है। श्रीराम ने वनवास के समय अपनी चरण धूलि से शिला रूप में रखी हुई शापित अहल्या का उद्धार किया था। इनके पुत्र का नाम शतानन्द है।
6. जमदग्नि- परशुरामजी के पिताजी। पत्नी का नाम रेणुका।
7. भारद्वाज- पत्नी का नाम सुशीला। कई पौराणिक ग्रन्थों में अज्ञात है।

अरुन्धती- ये ऋषि वसिष्ठ की पत्नी थी। कहा जाता है कि ये ब्रह्माजी की मानस पुत्री थी। कुछ पौराणिक ग्रन्थों में उन्हें दक्ष प्रजापति और प्रसूति की पुत्री भी दर्शाया गया है। उनमें असाधारण प्रतिभा थीं। इनका विवाह ब्रह्मर्षि वसिष्ठ के साथ हुआ था। सप्तऋषियों में भी उन्हें विशेष स्थान प्राप्त था। अरुन्धती परम पतिव्रता थी। उन्होंने कभी भी अपने पति का साथ नहीं छोड़ा था। एक बार संयोगवश वसिष्ठजी को अन्य ऋषिगणों के साथ हिमालय पर्वत पर जाना पड़ा। वहाँ उन्हें तपस्या करना थी। अरुन्धती को जंगल में अकेली निवास करना पड़ा। जंगल में अकाल पड़ा था। अरुन्धती को वहाँ बारह वर्ष निवास करना पड़ा। उनहोंने भूखी रहकर शंकरजी की तपस्या की। शंकरजी ब्राह्मण का रूप धारण कर वहाँ पधारे। उन्होंने भोजन की याचना की। अरुन्धती ने असमर्थता व्यक्त करते हुए बदरी बीज खाने को दिए।

'पशु प्रेमियों' के देश में वृद्ध जनों की दुर्दशा

इन दिनों भारत में सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक आवारा कुत्तों को लेकर बड़ी बहस छिड़ी हुई है। वैसे तो आवारा कुत्तों के पक्ष में और इसके ख़िलाफ़ भारतीय समाज पहले से ही विभाजित है। परन्तु इस विषय को लेकर ताज़ातरीन बहस की शुरुआत उस समय हुई जब माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने गत 11 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर अर्थात दिल्ली, ग़ाज़ियाबाद , नोएडा, फ़रीदाबाद, गुरुग्राम में आवारा कुत्तों की समस्या पर स्वत: संज्ञान लेते हुये दिल्ली नगर निगम व अन्य नगर निकायों को निर्देश दिया था कि वे 8 सप्ताह के भीतर सभी आवारा कुत्तों को पकड़ें और उन्हें स्थायी रूप से शेल्टर होम्स या पाउंड्स में रखें। अपने इस आदेश में सर्वोच्च न्यायलय ने कुत्तों को वापस सड़कों पर छोड़ने पर भी रोक लगाई थी । चूँकि कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही थी ख़ासकर बच्चों और बुजुर्गों पर कुत्तों के हमलों की शिकायतें बढ़ती जा रही थीं और इस संबंध में केवल दिल्ली में ही हज़ारों मामले दर्ज हो चुके थे और रेबीज़ से होने वाली मौतें में भी वृद्धि होती जा रही थी इसी के मद्देनज़र सर्वोच्च न्यायलय द्वारा स्वत: संज्ञान लेते हुये यह आदेश दिए गये थे। अपने आदेश में न्यायलय ने कहा था आर्टिकल 21 के तहत जीवन का अधिकार व नागरिकों की सुरक्षा प्राथमिकता है। इसी के साथ अदालत ने यह निर्देश भी दिया था कि आवारा कुत्तों के लिये शेल्टर होम्स बनाए जाएँ व कुत्तों को पकड़ने के लिए संसाधन भी जुटाये जायें। यहाँ तक कि इस अदालती निर्देश में बाधा डालने वाले पशु प्रेमियों व ग़ैर सरकारी संगठनों को दण्डित करने का भी निर्देश दिया गया था।

परन्तु इस जनहितकारी अदालती आदेश के बाद तो देश के 'कुत्ता प्रेमियों' में कोहराम मच गया। मानव सुरक्षा को दरकिनार कर 'कुत्ता प्रेमियों' द्वारा तर्क दिया जाने लगा कि शेल्टर होम्स में कुत्ते असुरक्षित रहेंगे। क्योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी के चलते लाखों कुत्तों को शेल्टर में रखना अव्यावहारिक है। इससे लाखों कुत्तों को क़ैद करने और संभावित रूप से मारने का ख़तरा बढ़ेगा। इसे एनिमल बर्थ कंट्रोल (डॉग्स) रूल्स, 2023 का उल्लंघन बताया जाने लगा। पशु प्रेमियों द्वारा इस अदालती आदेश को 卐बहुत कठोर卐 बताया जाने लगा। जगह जगह धरने प्रदर्शन शुरू हो गये। कुत्ता प्रेमी अदालती आदेश की अवहेलना करने पर आमादा दिखाई देने लगे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर 22 अगस्त 2025 को एक संशोधित आदेश जारी किया। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने 11 अगस्त 2025 के मूल आदेश में बदलाव करते हुये नये निर्देश जारी किये। इन संशोधित निर्देशों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया कि कुत्तों को पकड़ना जारी रखें, लेकिन उन्हें स्टरलाइज़ (नसबंदी), डीवार्म (कीड़े निकालना) तथा वैक्सीनेट (टीका लगाना) करें।ग़ैर -आक्रामक (नॉन-एग्रेसिव) और गैर-संक्रमित (रेबीज़ मुक्त) कुत्तों को उसी इलाक़े में वापस छोड़ें। केवल रेबीज़ संक्रमित या आक्रामक कुत्तों को ही अलग शेल्टर में रखें। जबकि सड़कों पर खाना खिलाना प्रतिबंधित क़रार दिया गया। अदालत ने प्रत्येक वार्ड में समर्पित फ़ीडिंग स्पॉट बनाने व नोटिस बोर्ड लगाने का भी निर्देश दिया। यह भी निर्देशित किया गया कि पशु प्रेमी कुत्तों को गोद ले सकते हैं, लेकिन उन्हें सड़क पर नहीं छोड़ सकते। इन निर्देशों में बाधा डालने वाले कथित %पशु प्रेमियों% पर व्यक्तिगत तौर पर 25,000 तथा ग़ैर सरकारी संगठनों पर 2,00,000 रूपये जुर्माना लगाने का निर्देश दिया गया। जुर्माने से वसूली गई यह धनराशि शेल्टर होम बनाने में इस्तेमाल होगी। यह संशोधित आदेश पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और ऋष्ट रूल्स, 2023 पर आधारित है, जो पशुओं को मारने के बजाय स्टरलाइज़ेशन और वैक्सीनेशन पर ज़ोर देता हैं।

परन्तु समाज के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि नागरिक सुरक्षा और पशु कल्याण के मध्य संतुलन कैसे बिठाया जाये। पशु प्रेमी होने में कोई बुराई नहीं। परन्तु क्या पशु प्रेम विशेषकर 'कुत्ता प्रेम' को मानव प्रेम पर तरजीह दी जा सकती है ? देश में रोज़ाना कुत्ते के काटने से सैकड़ों लोग बुरी तरह घायल होते हैं। अनेक की मौत हो जाती है। इनहीं कुत्तों की वजह से अनेक दुर्घटनायें होती हैं। स्कूल जाते बच्चों पर व असहाय बुज़ुर्गों पर आवारा कुत्ते घातक हमले कर देते हैं। उस समय इन कुत्तों से प्यार करने वाला कोई भी पशु प्रेमी सामने नहीं आता। उल्टे कई बार तो पीड़ित राहगीरों पर ही यह दोष मढ़ दिया जाता है कि वह उधर से गुज़रा ही क्यों ? या फिर पहले उसने कुत्ते को छेड़ा होगा आदि आदि। हद तो यह है कि कई बार यही कुत्ते अपने 'कुत्ता प्रेमी' को ही काट लेते हैं। निश्चित रूप से कुत्तों को दोष इसलिए नहीं दिया जा सकता कि उनकी प्रवृति ही हिंसक है। इसलिये कुत्तों के काटने भोंकने या उनके पीछे दौड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि कुत्तों की वफ़ादारी से भी इंकार नहीं किया जा सकता। कुत्तों को तो मनुष्य से भी अधिक वफ़ादार माना जाता है। परन्तु उनकी हिंसक प्रवृत्ति को नकारना और कुत्ता प्रेम की शर्त पर मानव सुरक्षा से समझौता करना भी तर्कसंगत नहीं।

इसी संदर्भ में एक बात और भी ध्यान देने योग्य है कि जिस तरह सर्वोच्च न्यायलय के गत 11 अगस्त के आदेश के बाद देश के कुत्ता प्रेमी सड़कों पर उतर आये और अपने पशु प्रेमी होने का प्रदर्शन करने लगे यहाँ तक कि कई कुत्ता प्रेमी तो अदालती आदेश को लेकर रोते पीटते भी दिखाई दिये वास्तव में यदि इसी स्तर पर समग्र भारतीय समाज में मानव प्रेम की भावना होती तो शायद आज देश में कहीं भी वृद्धाश्रम की ज़रुरत न होती। वृंदावन में लाखों विधवाएं अपने भाग्य पर आंसू न बहा रही होतीं। अयोध्या,मथुरा व काशी जैसे अनेक धर्म स्थान बुज़ुर्ग व असहाय भिखारियों से भरे न होते। देश के स्टेशन व फ़ुट पाथ पर बड़ी संख्या में निराश्रित लोग नज़र न आते। यानी 'पशु प्रेमियों' के इस देश में कम से कम वृद्ध जनों की ऐसी दुर्दशा देखने को तो न मिलती ?

निर्मल रानी

पांच नए समुद्री कानून भारत के विजन आत्मनिर्भर भारत 2047 में विकसित राष्ट्र और वैश्विक समुद्री महाशक्ति बनाने में अहम रोल अदा करेंगे

भारत को प्राचीन काल से ही समुद्री सभ्यता और व्यापारिक शक्ति के रूप में जाना जाता रहा है। सिंधु घाटी सभ्यता के लोथल बंदरगाह से लेकर चोल साम्राज्य की दक्षिण-पूर्व एशिया तक विस्तृत समुद्री कूटनीति, भारत ने हमेशा सागर को अपनी समृद्धि और शक्ति का आधार बनाया है।लेकिन औपनिवेशिक शासन और स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक समुद्री क्षेत्र में व्यापक सुधार नहीं हो पाए।वर्तमान में वैश्विक व्यापार का लगभग 80 पेर्सेंट वॉल्यूम और 70 पेर्सेंट वैल्यू समुद्री मार्ग से होती है। भारत की तटीय लंबाई 7,517 किमी है,200 से अधिक बंदरगाह और विशाल एक्सक्लुसिव इकोनॉमिक्स झोन है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि फिर भी भारत का योगदान वैश्विक शिपिंग में सीमित रहा।इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार ने 2025 में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए एक साथ पांच बड़े समुद्री विधेयक लाकर संसद के दोनोंसदनों में पारित कर कानून बनाकर एक समग्र समुद्री सुधार पैकेज प्रस्तुत किए जो, सिर्फ विधायी सुधार नहीं, बल्कि भारत की समुद्री क्रांति हैं। ये कानून न केवल व्यापार दक्षता बढ़ाएंगे,बल्कि भारत को वैश्विक समुद्री शक्ति बनाएंगे। इससे न केवल अर्थव्यवस्था को बूस्ट डोज मिलेगा,बल्कि नीली अर्थव्यवस्था के सतत विकास औरआत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह कदम एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत में पांच नए समुद्री कानून भारतीय अर्थव्यवस्था को बूस्ट डोज देने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ब्लू इकोनामी पावर हाउस के रूप में स्थापित करेंगे। साथियों बात अगर हम संसद के मानसून सत्र 2025 के दोनों सदनों में पारित होकर कानून बनें इन पांचो समुद्री कानूनों को जानने की करें तो,(1) बिल्स ऑफ लैडिंग विधेयक, 2025- बिल्स ऑफ लैडिंग समुद्री व्यापारका सबसे अहम दस्तावेज होता है,जो माल ढुलाई का प्रमाण, स्वामित्व का सबूत और व्यापारिक अनुबंध का हिस्सा होता है। नए विधेयक का उद्देश्य इसे डिजिटल और ब्लॉकचेन- आधारित प्रणाली से जोड़ना है ताकि नकली दस्तावेज़, धोखाधड़ी और पारदर्शिता की कमी को दूर किया जा सके। अब जहाज़ कंपनियों, निर्यातकों और आयातकों के बीच विवाद समाधान तेज़ होगा। बीमा, देरी और हर्जाने के मामलों में स्पष्ट प्रावधान दिए गएहैं।इससे भारत का इजीऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग बेहतर होगी।(3) व्यापारिक पोत परिवहन विधेयक,2025-यह कानून भारतीय जहाज़ी बेड़े के आधुनिकीकरण और नए पोतों में निवेश को बढ़ावा देगा। विदेशी जहाज़ कंपनियों के मुकाबले भारतीय कंपनियों को प्रतिस्पर्धा का लाभ मिलेगा।साथ ही, घरेलूशिपबिल्डिंग इंडस्ट्री और रोजगार में उछाल आएगा।(4) तटीय नौवहन विधेयक,2025- तटीय नौवहन कानून घरेलू व्यापार और यात्री सेवाओं को नई दिशा देगा।यह एक देश-एक परमिट की अवधारणा लाता है, जिसके तहत जहाज़ आसानी से भारत के विभिन्न बंदरगाहों पर बिना जटिल प्रक्रियाओं के संचालन कर सकेंगे।इससे लॉजिस्टिक कॉस्ट घटेगी और माल परिवहन तेज़ होगा।(5) भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2025 -यह कानूनभारतीय बंदरगाहों को स्वायत्त, तकनीकी रूप से उन्नत और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने पर केंद्रित है। इसमें ग्रीन पोर्ट्स, स्मार्ट पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स हब बनाने की योजना है। इसका सीधा प्रभाव भारत की वैश्विक कनेक्टिविटी और निर्यात प्रतिस्पर्धा पर पड़ेगा। साथियों बात अगर हम इन पांचो कानून के फायदे को प्वाइंटों में समराइस करनें व एक साथ ही पेश पारितकरने को समझने की करें तो,(1)भारतीय अर्थव्यवस्था को बूस्ट डोज-जीडीपी योगदान- 2030 तक भारत की ब्लू इकॉनमी जीडीपी का 12पेर्सेंट तक योगदान कर सकती है,जो वर्तमान में 4 पेर्सेंट हैं।(2) लॉजिस्टिक कॉस्ट में कमी- 13-14 पेर्सेंट से घटकर 8-9 पेर्सेंट तक। (3) रोज़गार सृजन- शिपबिल्डिंग और पोर्ट लॉजिस्टिक्स में 20 लाख से अधिक नए अवसर। (4)निर्यात प्रतिस्पर्धा- तेज़ डिलीवरी और कम लागत से भारत डब्लूटीओ सदस्य देशों के बीच प्रतिस्पर्धा में मज़बूत होगा। (5) नीली अर्थव्यवस्था के विकास में तेज भूमिका-नीली अर्थव्यवस्था सिर्फ शिपिंग तक सीमित नहीं है। इसमें मत्स्य पालन, पर्यटन, समुद्री खनिज, ऑफशोर ऊर्जा, और बायोटेक्नोलॉजी भी शामिल हैं।यूएनसीटीएडी की 2023 रिपोर्ट बताती है कि ब्लू इकॉनमी से विश्व स्तरपर 3 डॉलर ट्रिलियन जीडीपी जुड़ी हुई है।भारत की,ईईजेड (2.4 मिलियन वर्ग किमी) दुनियाँ में सबसे बड़ी में से एक है।(6) नए कानून समुद्री ऊर्जा (ऑफशोरे विंडो,वेव एनर्जी), खनिज संसाधन (पॉलिमेटेलिक नोडल्स), और समुद्री बायोटेक्नोलॉजी को कानूनी ढांचा देंगे। (7) व्यापार दक्षता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा- डब्लूटीओ की ट्रेड फेसिलिटेशन एग्रीमेंट (टीएफए) में डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन और तेज़ क्लियरेंस की अनिवार्यता है,जो भारत के नए कानून इससे मेल खाते हैं। (8)आईएमओ के ग्रीन शिपिंग टारगेटस (2050) के तहत जहाज़ों से कार्बन उत्सर्जन 50 पेर्सेंट घटाने का लक्ष्य है। भारत का व्यापारिक पोत कानून इसी दिशा में ग्रीन शिपिंग को बढ़ावा देगा। (9) चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशेटिव (बीआरआई) समुद्री बंदरगाह नेटवर्क तैयार कर रहा है। भारत इन सुधारों से एशियाई सप्लाई चेन में एक मज़बूत विकल्प बनेगा। (10) पांच विधेयक एक साथ क्यों-(i)उद्योग को स्पष्ट संदेश कि भारत सिर्फ टुकड़ों में नहीं, बल्कि समग्र सुधार चाहता है।(ii)डब्लूटीओ और आईएमओ की अंतरराष्ट्रीयबाध्यताओं को एक साथ पूरा करना। (iii)औपनिवेशिक कानूनों को समाप्त करने का राजनीतिक और आर्थिक संकल्प।(ii)मारिटाइम इंडिया विजन 2047 का रोडमैप तैयार करना। (11) औपनिवेशिक कानून का अंत और नई शुरुआत-(i)अंग्रेजों के जमाने के कानून व्यापार को नियंत्रित करने के लिए थे, भारत के हितों के लिए नहीं।(ii) अब नए कानून भारतीय समुद्री स्वायत्तता का प्रतीक हैं। (iii) इससे तटीय समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा-(i) मछुआरों को आधुनिक कोल्ड-चेन और तेज़ निर्यात सुविधा।(ii)तटीय पर्यटन उद्योग को स्मार्ट पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर। (iii) स्थानीय युवाओं को लॉजिस्टिक्स, शिपिंग और मैन्युफैक्चरिंग में रोजगार।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत की नीली अर्थव्यवस्था- मानसून सत्र में बने पांच नए समुद्री कानून,समुद्री क्रांति है जो विजन 2047 आत्मनिर्भर भारत में ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होंगेपांच नए समुद्री कानून भारत के विजन आत्मनिर्भर भारत 2047 में विकसित राष्ट्र और वैश्विक समुद्री महाशक्ति बनाने में अहम रोल अदा करेंगे भारत में पांच नए समुद्री कानून भारतीय अर्थव्यवस्था को बूस्ट डोज देने के साथ, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ब्लू इकोनामी पावर हाउस के रूप में स्थापित करेंगे।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भगवान गणेश के भक्त संत तुकाराम के नाम संत तुकाराम गणपति

संत तुकाराम गणपति उन उदाहरणों को संदर्भित करता है जहाँ हिंदू देवता गणपति (गणेश) को भक्ति संत संत तुकाराम से जोड़ा गया है, अक्सर गणपति उत्सवों के लिए समर्पित विषयों, कलात्मक चित्रणों, या यहाँ तक कि एक प्रसिद्ध भक्ति कविता (अभंग) के माध्यम से जहाँ तुकाराम गणपति को सर्वोच्च देवता के रूप में वर्णित करते हैं। हालाँकि संत तुकाराम मुख्य रूप से भगवान विठ्ठल के भक्त थे, उनके भक्ति मार्ग में गणपति को प्राथमिक देवता के रूप में स्वीकार करना शामिल था। गणेश उत्सव के दौरान, कुछ सज्जाकार संत तुकाराम से संबंधित विषय तैयार सजावट के रूप में उपयोग करने के लिए बनाते हैं, जैसे कि गणपति सजावट के लिए श्री संत तुकाराम महाराज विषय।ऐसे और भी देवताओ जैसे हनुमान, भगवान राम, कृष्ण, साईं से जो ?कर भी बनाया जाता है लेकिन अधिकांश जगहों पर संत तुकाराम गणपति ही देखने को मिलता है संत हमेशा एक फलदार पे? की तरह होते हैं जो परमार्थ के लिए सभी का कल्याण करते हैं कलाकार संत तुकाराम से मिलाकर अनूठी कलाकृतियाँ भी बनाते हैं जो गणपति को संत तुकाराम से प्रेरित या उनके तत्वों को शामिल करते हुए दर्शाती हैं, जैसा कि पर्यावरण-अनुकूल गणपति कला में देखा जा सकता है।ओंकारा प्रधान- संत तुकाराम ने ओंकार प्रधान नामक एक प्रसिद्ध भक्ति कविता (अभंग) लिखी, जिसमें उन्होंने गणेश को ब्रह्मांड के आदि, दिव्य रूप के रूप में वर्णित किया है। कविता म्याबाप तो है गजानन पंक्ति से शुरू होती है, जिसका अर्थ है परमपिता ये गजानन हैं (गणेश)।तुकाराम महाराज 17वीं शताब्दी के महाराष्ट्र भक्ति मिशन के एक संत कवि थे। वह एक सम्मानाधिकारी थे, व्यक्तिगत वारकरी धार्मिक समुदाय के सदस्य थे। तुकाराम अपने अभंग और भक्ति कविताओं के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने अपने समुदाय में भगवान की भक्ति के बारे में कई आध्यात्मिक गीत गाए हैं, जिन्हें स्थानीय तौर पर कीर्तन कहा जाता है। तुकाराम का जन्म 1608 में पुणे जिले के देहु नामक गाँव में हुआ था; उनकी जन्मतिथि के बारे में विद्वानों में मतभेद है और सभी दृष्टिकोणों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनका जन्म 1608 में हुआ था। उनके परिवार में तत्कालीन आठवें पुरुष विश्वंभर बाबा से विट्ठल की पूजा जारी रही। उनके कुल के सभी लोग नियमित (वारी) पंढरपुर जाते थे। देहू गाँव के साहूकार होने के कारण उनका परिवार वहाँ सम्मानित माना जाता था।उनका बचपन उनकी माँ कनकई और पिता बोल्होबा की देखरेख में बहुत ही सावधानी से बीता, लेकिन जब वे लगभग 18 वर्ष के थे, तो उनके माता-पिता की मृत्यु हो गई और उसी समय उनकी पहली पत्नी और नवजात शिशु की भीषण सूखे के कारण भूख से मृत्यु हो गई। देश। इन मुसीबतों की कहानियाँ झूठी हैं। यह लिखना झूठ है कि संत तुकाराम उन दिनों बड़े जमींदार और साहूकार थे। उनकी दूसरी पत्नी जीजाबाई बहुत तेज स्वभाव की थीं। वह सांसारिक सुखों से विरक्त हो गये। मन की शांति पाने के विचार से तुकाराम प्रतिदिन देहू गाँव के पास भवनाथ नामक पहाड़ी पर जाते थे और विट्ठल की याद में दिन बिताते थे।उनका परिवार कुनबी समुदाय से था। तुकाराम के परिवार का अपना खुदरा और साहूकारी व्यवसाय था, साथ ही खेती और व्यापार भी था। उनके पिता विठोबा के भक्त थे, जिन्हें हिंदू धर्म में भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। संत तुकाराम की पहली पत्नी रखम्मा बाई थीं और उनका एक बेटा संथु भी था। 1630-1932 के अकाल के दौरान उनके दोनों बेटे और दोनों पत्नियाँ भूख से मर गईं।उनकी मृत्यु और व्यापक गरीबी का तुकाराम परिवार पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा, जो बाद में महाराष्ट्र की सह्याद्री पर्वत श्रृंखला में ध्यान करने चले गए। इसके बाद तुकाराम ने दूसरी शादी की और उनकी दूसरी पत्नी का नाम अवलाई जीजाबाई था। लेकिन उसके बाद उनका अधिकांश समय पूजा-पाठ, भक्ति, सामुदायिक कीर्तन और अभंग काव्य में व्यतीत होने लगा। कैसे एक आम आदमी दुनिया का खेल खेलकर संत बन गया, किसी भी जाति-धर्म में जन्म लेकर भी पूर्ण भक्ति और सदाचार के बल पर आत्म-विकास किया जा सकता है। यह विश्वास आम आदमी के मन में स्थापित करना था, संत तुकाराम यानी तुकोबा, जो अपने विचार, आचरण और वाणी के अनुरूप जीवन जीते हैं, आम आदमी को प्रेरणा देते हैं कि उसे हमेशा कैसे रहना चाहिए। . उनके जीवन में एक समय ऐसा भी आया जब वे जीवन के पहले भाग में अपने साथ घटी दुर्घटनाओं से निराश हो गये।उसका जीवन से विश्वास उठ गया था। ऐसे में उन्हें किसी के सहारे की सख्त जरूरत थी, किसी के पास अस्थायी सहारा नहीं था. इसलिए उन्होंने अपना सारा बोझ पाडुरंगा पर डाल दिया और साधना शुरू कर दी, उस समय उनके पास कोई गुरु नहीं था। भक्ति की परंपरा को कायम रखते हुए नामदेव ने भक्ति के अभंग की रचना की। तुकाराम ने भले ही संसार से मोह छोड़ने की बात कही हो, लेकिन उन्होंने कभी नहीं कहा कि संसार मत में मत रहो । सच कहें तो किसी भी संत ने कभी संसार त्यागने की बात नहीं की।उनकी कविताएँ विट्ठल और विठोबा को समर्पित थीं।संत तुकाराम महाराज अपने अभंग में कहते हैं, हमारे भगवान की महिमा देखो, वो भिलनी (शबरी) के झूठे बेर बड़े प्यार से व चाव से खाता है। क्योंकि भगवान सिर्फ व सिर्फ प्यार का भूखा होता है। उसके पास अष्टमहासिद्धि और क्षीरसागर है फिर भी वो उनको महत्व नहीं देता। सुदामा द्वारा लाये मुठ्ठीभर सूखे पोहे भी वो बड़े प्यार से ग्रहण कर लेता है। तुकाराम महाराज कहते हैं वो झूठे हैं अथवा थोड़े भक्ति व प्यार के आगे इसका विचार भी उनके मन में नहीं आता।इस अभंग में संत तुकाराम महाराज ने श्री भगवान राम व श्रीकृष्ण का अपने भक्तों के प्रति असीम स्नेह का उदाहरण दिया है। ईश्वर आपके सच्चे भाव, स्नेह व प्यार का भूखा होता है। छोटा बड़ा उसके लिए सभी समान है। वो भेदभाव नहीं करता।संत तुकाराम के भक्त वारकरी अपनी पैदल यात्रा में जिसे दिंडी भी कहा जाता है रामकृष्णहरी कहते थकते नहीं है। गली-गली में, घर-घर तक विट्ठल नाम की गूंज पहुँचाते लोकगायक और संतकवि तुकाराम का नाम आते ही आंखों के सामने यही चित्र उभरता है। कवि, जिनके होंठों पर है विट्ठल-विट्ठल की गूंज, संत, जो प्रभु के अलावा और कुछ नहीं सोचते। तुकाराम ऐसे ही हैं, सरल और निश्छल। ईश की राह पर चलना ही था उनका जीवन। तुकाराम, यानी भक्ति का राग छेड़ते, प्रभु की बात करते साधु, लेकिन वे कबीर सरीखे क्रांतिकारी भी हैं।गली-गली में, घर-घर तक विट्ठल नाम की गूंज पहुँचाते लोकगायक और संतकवि तुकाराम का नाम आते ही आंखों के सामने यही चित्र उभरता है। कवि, जिनके होंठों पर है विट्ठल-विट्ठल की गूंज, संत, जो प्रभु के अलावा और कुछ नहीं सोचते।तुकाराम ऐसे ही हैं, सरल और निश्छल। ईश की राह पर चलना ही था उनका जीवन। तुकाराम, यानी भक्ति का राग छेड़ते, प्रभु की बात करते साधु, लेकिन वे कबीर सरीखे क्रांतिकारी भी हैं। कबीर ने हरदम पाखंड का, जड़ता का, थोथे कर्मकांड का विरोध किया। तुकाराम ने भी यही राह पकड़ी। दोनों का जीवन अंधविश्वास से जूझते हुए बीता। बहुत-से पुरोहितों ने संत तुकाराम का प्रतिरोध किया, क्योंकि वे अभंग रचनाओं में पाखंड और कर्मकांड का उपहास उड़ाते थे। कुछ ने तुकाराम के अभंग रचनाओं की पोथी नदी में फेंक दी और धमकी दी, तुम्हें जान से मार देंगे। पुरोहितों ने व्यंग्य करते हुए कहा, यदि तुम प्रभु के वास्तविक भक्त हो, तो अभंग की पांडुलिपि नदी से बाहर आ जाएंगी। आहत तुकाराम भूख हड़ताल पर बैठ गए और अनशन के 13वें दिन नदी की धारा के साथ पांडुलिपि तट पर आ गई। आश्चर्य यह कि कोई पृष्ठ गीला भी नहीं था, नष्ट होना तो दूर की बात!संतकवि तुकाराम पुणे के देहू कस्बे के छोटे-से काराबोरी परिवार में 17वीं सदी में जन्मे थे। उन्होंने ही महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन की नींव डाली। संतकवि तुकाराम का देहावसान 1650 में हुआ।तुकाराम ने दो विवाह किए। पहली पत्नी थीं रखुमाबाई। अभावों से जूझते हुए वे पहले रोगग्रस्त हुई, फिर उनका स्वर्गवास हो गया। दूसरी पत्नी थीं जीजाबाई। लोग उन्हें अवली भी कहते। जीजाबाई हरदम उलाहना देतीं, कुछ कमाओगे भी या ईश भजन ही करते रहोगे। तुकाराम की तीन संतानें हुई, संतू (महादेव) , विठोबा और नारायण। सबसे छोटे विठोबा भी पिता की तरह भक्त ही थे।जीवन में दुविधाएँ तुकाराम की लगन पर विराम न लगा पाई। भगवत भजन उनके कंठ से अविराम बहते। वे कृष्ण के सम्मान में निशदिन गीत गाते और झूमते। हालांकि बाद में उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति भी सुधार ली और अंतत- महाजन बने।तुकाराम ने एक रात स्वप्न में 13वीं सदी के चर्चित संत नामदेव और स्वयं विट्ठल के दर्शन किए। संत ने तुकाराम को निर्देश दिया, तुम अभंग रचो और लोगों में ईश्वर भक्ति का प्रसार करो।तुकाराम कई बार अवसाद से भी घिरे। एक क्षण ऐसा आया, जब उन्होंने प्राणोत्सर्ग की ठानी, लेकिन इसी पल उनका ईश्वर से साक्षात्कार हुआ। वह दिन था और फिर सारा जीवन...तुकाराम कभी नहीं डिगे। उनका दर्शन स्पष्ट था, चुपचाप बैठो और नाम सुमिरन करो। वह अकेला ही तुम्हारे सहारे के लिए काफी है।ग्रंथ पाठ और कर्मकांड से कहीं दूर तुकाराम प्रेम के जरिए आध्यात्मिकता की खोज को महत्त्व देते। उन्होंने अनगिनत अभंग लिखे। कविताओं के अंत में लिखा होता, तुकाराम माने, यानी तुकाराम ने कहा। उनकी राह पर चलकर वर्करी संप्रदाय बना, जिसका लक्ष्य था समाजसेवा और हरिसंकीर्तन मंडल। इसके अनुयायी सदैव प्रभु सुमिरन करते।तुकाराम का ईश्वर से निरंतर संवाद होता था। देह त्यागने से पहले ही उन्होंने पत्नी को बता दिया था, अब मैं बैकुंठ जाऊंगा। पत्नी को लगा कि एकदम अच्छे-भले तुकाराम ऐसे ही कुछ कह रहे होंगे, लेकिन धीरे-धीरे देहू में यह खबर फैल गई। लोगों ने देखा कि आकाश में ढेरों विमान हैं और तुकाराम उनमें से एक पर चढ़कर सदेह वैकुंठ गमन कर रहे हैं।संत तुकाराम सत्रहवीं शताब्दी ईस्वी के वारकरी संत-कवि थे। पंढरपुर के विठोबा तुकाराम के आदर्श थे। तुकाराम को वारकरी ने जगद्गुरु कहा है। वारकरी संप्रदाय में उपदेश और कीर्तन के अंत में - पुंडलिक वरदे हरि विट्ठल, श्री ज्ञानदेव तुकाराम, पंढरीनाथ महाराज की जय, जगद्गुरु तुकाराम महाराज की जय का जाप किया जाता है। जगद्गुरु तुकाराम एक लोक कवि थे। रंजले गंजले ने क्यों किया! जो लोग कहते हैं कि साधु को जानना चाहिए! भगवान को वहां जाना चाहिए! ऐसे अभंग संत तुकाराम महाराज ने जन-जन को भगवान की भक्ति का सुगम मार्ग बताकर बताया। उन्होंने वारकरी संप्रदाय की अखंड परंपरा का निर्माण किया। तुकाराम महाराज का उल्लेख एक सुधारक संत के रूप में किया जाता है जिन्होंने सत्रहवीं शताब्दी में सामाजिक जागृति के युग की शुरुआत की थी। तुकाराम महाराज एक निडर यथार्थवादी और कभी-कभी समाज के पाखंड पर तीखे शब्दों में प्रहार करने वाले संत थे।

- संजय गोस्वामी

ट्रॉपिकल एग्रोसिस्टम का 2025-26 में 22 फीसदी राजस्व वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। चेन्नई की प्रमुख कृषि रसायन कंपनी ट्रॉपिकल एग्रोसिस्टम ने वित्त वर्ष 2025-26 में 2,200 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वर्ष के 1,800 करोड़ रुपये की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अनुकूल मानसून और पेटेंट उत्पादों की मजबूत मांग इस वृद्धि के मुख्य कारण होंगे। कंपनी ने धान की फसलों के लिए तना छेदक एवं पत्ती मोड़क कीट के नियंत्रण हेतु 'स्टेम ली' नामक पेटेंट उत्पाद लॉन्च किया है, जिसकी बिक्री इस वर्ष 100 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी अगले वित्त वर्ष तक पूरी तरह कर्ज मुक्त हो जाएगी। ट्रॉपिकल एग्रोसिस्टम अपने विस्तार योजनाओं के लिए आंतरिक संसाधनों का उपयोग करेगी, जिससे कंपनी वित्तीय स्थिरता हासिल कर सकेगी। कंपनी सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की बजाय निजी इक्विटी वित्त पोषण की दिशा में कदम बढ़ा रही है। संभावित निवेशकों के साथ बातचीत शुरू हो गई है और इस रणनीति से कंपनी को लचीला वित्तीय सहयोग मिलने की उम्मीद है। ट्रॉपिकल एग्रोसिस्टम, बायर, सिंजेन्टा और यूपीएल जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है। कंपनी का मानना है कि उत्पाद नवाचार और मानसून की स्थिति के बावजूद कृषि क्षेत्र में मांग बनी रहेगी, जिससे उसका कारोबार तेजी से बढ़ेगा।

ओपनएआई ने भारत में खोला पहला ऑफिस, निकाली तीन महत्वपूर्ण भर्ती

नई दिल्ली। विश्व की अग्रणी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई ने भारत में अपना पहला ऑफिस खोलने का ऐलान किया है। कंपनी अपनी टीम का विस्तार करने के लिए सक्रिय रूप से तीन पदों पर भर्ती कर रही है। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन अगले महीने भारत का दौरा करेंगे, जो उनकी इस साल की दूसरी भारत यात्रा होगी। ओपनएआई ने फिलहाल तीन अकाउंट डायरेक्टर पदों के लिए भर्ती निकाली है, जो सेल्स विभाग से संबंधित हैं। इन पदों के नाम हैं- अकाउंट डायरेक्टर, डिजिटल नेटिव्स, अकाउंट डायरेक्टर, स्ट्रैटेजिक्स एवं अकाउंट डायरेक्टर, लार्ज एंटरप्राइज। इन भूमिकाओं में तकनीकी समझ, साझेदारी विकसित करने और रणनीति बनाने का काम शामिल होगा। चयनित उम्मीदवार ग्राहकों को यह समझाने में मदद करेंगे कि एआई कैसे उनके व्यवसाय को बदल सकता है और बेहतर बना सकता है। इन पदों के लिए इच्छुक उम्मीदवार ओपनएआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर करियर सेक्शन में इंडियन चुन सकते हैं। वहां पदों का विवरण मिलेगा। उपयुक्त पद चुनकर एप्लाई नाउ पर क्लिक कर नाम, ईमेल, फोन नंबर, वर्तमान लोकेशन और रिज्यूमे सबमिट किया जा सकता है।

भारत में पीसी की मांग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों में मजबूत

नई दिल्ली। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कंज्यूमर बाजार में पीसी की मांग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से मजबूत बनी हुई है। इस साल जनवरी-जून की अवधि में पीसी मार्केट में सालाना आधार पर 5.7 प्रतिशत की वृद्धि कर 68 लाख यूनिट की बिक्री हुई है। एक रिपोर्ट में बाजार जानकार ने कहा, अगस्त में स्वतंत्रता दिवस की बिक्री और सितंबर के अंत तक शुरू होने वाले प्रमुख त्यौहारी सीजन से पहले, जुलाई से नए स्टॉक के लिए जगह बनाने के लिए कम इन्वेंट्री बनाए रखी गई। इस बीच, अप्रैल-जून की अवधि में कमर्शियल पीसी सेगमेंट में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो मजबूत उद्यम मांग के कारण संभव हो सकी। इस तिमाही में यह वृद्धि सालाना आधार पर 21.2 और 2025 की पहली छमाही में 26.4 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-रिटेल चैनल ने अपनी वृद्धि दर बरकरार रखी और 2025 की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 1.6 प्रतिशत और 2025 की पहली छमाही में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो स्थिर ऑनलाइन मांग को दिखाती है। कंपनी एचपी ने 2025 की दूसरी तिमाही में 30.8 और 2025 की पहली छमाही में 29.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ समग्र पीसी मार्केट में पहला स्थान हासिल किया, इसमें कंज्यूमर और कमर्शियल दोनों सेगमेंट में कंपनी का नेतृत्व बना रहा है। कमर्शियल सेगमेंट में, एचपी का 35 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर दबदबा रहा, जो विशेष रूप से आईटी/आईटीईएस क्षेत्र से मजबूत उद्यम मांग के कारण संभव हुआ। लेनोवो ने दूसरी तिमाही में 20.3 प्रतिशत और 2025 की पहली छमाही में 19.6 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ समग्र पीसी मार्केट में दूसरा स्थान हासिल किया। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि गेमिंग नोटबुक की बढ़ती लोकप्रियता और ई-रिटेल चैनलों के माध्यम से मजबूत मांग के कारण विक्रेता के कंज्यूमर सेगमेंट में सालाना आधार पर 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एआई नोटबुक अपनाने में तेजी जारी रही, पहली छमाही में सालाना आधार पर 145.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बेसिक एआई नोटबुक सेगमेंट में अग्रणी रहे, जिनकी 2025 की पहली छमाही में कुल एआई नोटबुक शिपमेंट में 88.1 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

अमेरिकी शुल्क पश्चिम बंगाल की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर

कोलकाता। अमेरिका ने रूस से तेल की खरीद के चलते भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लागू कर दिया है, जिससे कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। यह कदम खासतौर पर पश्चिम बंगाल की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर समस्या बन सकता है। राज्य के श्रम-प्रधान चमड़ा, इंजीनियरिंग और समुद्री उत्पाद निर्यातक क्षेत्रों को इस फैसले से भारी नुकसान होने की आशंका है। पश्चिम बंगाल भारत के समुद्री खाद्य निर्यात में 12 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। राज्य के उत्तर और दक्षिण 24-परगना तथा पूर्व मेदिनीपुर जिले से झींगा उत्पाद अमेरिका को निर्यात किए जाते हैं। भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ के अनुसार, राज्य से अमेरिका को होने वाले 8,000 करोड़ रुपये के निर्यात में से करीब 5,000-6,000 करोड़ रुपये के समुद्री उत्पादों पर इस अतिरिक्त शुल्क का सीधा असर होगा। कोलकाता के बंताला चमड़ा केंद्र में पांच लाख से अधिक लोग काम करते हैं। भारतीय चमड़ा उत्पाद संघ के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका भारत के चमड़ा निर्यात का सबसे बड़ा बाजार है, और 50 प्रतिशत शुल्क वृद्धि से इस उद्योग को गंभीर नुकसान होगा।

आज का राशिफल

मेष- आज आपकी कार्य क्षमता बेहतर रहेगी और आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आप जीवनसाथी के साथ अपने रिश्ते को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आप कहीं बाहर घूमने जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आपको अपने खर्चों को थोड़ा कंट्रोल करने की आवश्यकता है। आप किसी से बेवजह के लड़ाई-झगड़े में ना पड़ें।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपको अपनी आय के सोर्सो को बढ़ाने पर पूरा ध्यान देना होगा। आपको अपने अनुभवों का कार्यक्षेत्र में पूरा लाभ मिलेगा। आपकी कोई नया काम करने की इच्छा जागृत हो सकती है। मित्रों के साथ आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपके मन में टेंशन भरपूर रहेगी, क्योंकि बिजनेस में आपको कोई भारी नुकसान हो सकता है। आपका स्वभाव चिड़चिड़ा रहेगा। बेवजह क्रोध करने की आदत के कारण आप थोड़ा परेशान रहेंगे। आपको कोई लेनदेन बहुत ही समझदारी से करना होगा। आपके किसी सहयोगी को आपकी कोई बात बुरी लग सकती है। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो उसके भी आपको मिलने के पूरे संभावना है। परिवार में किसी अतिथि का आगमन हो सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए किसी नई नौकरी की प्राप्ति के लिए रहेगा। आपको अपने कामों से एक नई पहचान मिलेगी। आपके सुख-साधनों में वृद्धि होगी, लेकिन आपको कोई बड़ा जोखिम लेने से बचें और सेहत पर आप थोड़ा ध्यान दें, क्योंकि आपकी कोई पुरानी समस्या उभर सकती हैं। आप बिजनेस में अपने पिताजी से काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं। संपत्ति को लेकर कोई वाद-विवाद बढ़ सकता है।

सिंह- आज आपकी कार्य कुशलता बेहतर रहेगी। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आपको बिजनेस में भी अप्रत्याशित लाभ मिलने से आपका मन भी काफी खुश रहेगा, लेकिन आपको धन संचय करने के बारे में भी प्लानिंग करनी होगी, क्योंकि आप दिखावे के चक्कर में पड़कर काफी धन बर्बाद करेंगे। आपकी कला-कौशल में भी निखार आएगा। आपको स्क्रीन से संबंधित कोई समस्या परेशान कर सकती हैं।

कन्या- आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी कोई अटकी हुई डील फाइनल हो सकती है, जो आपके सिरदर्द को कम करेगी, लेकिन आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर नहीं करनी है। आपका कोई पुराना लेन-देन यदि आपको टेंशन दे रहा था, तो वह भी दूर होगा। आपको कानूनी मामलों को लेकर लापरवाही नहीं दिखानी है। आप अपने शारीरिक समस्याओं को लेकर किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए सांसारिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके पिताजी की सेहत में गिरावट आने से परेशान रहेंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से संबंधों में अधिक कटुता आ गई थी, तो वह भी दूर होगी। आपको लंबे समय बाद कहीं घूमने-फिरने जाने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। जीवनसाथी का आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। आप किसी भाई बहन से किसी जरूरी काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आप परिवार के सदस्यों के साथ मिल बैठकर कुछ पुरानी पारिवारिक समस्याओं को लेकर बातचीत करेंगे। आपको किसी की कोई बात बुरी लगने से आपके मन में निराशा हो सकती है, लेकिन आप अपने हिम्मत से पीछे न हटें और अपने कामों को धैर्य रखकर निपटाने की कोशिश करें।

धनु- आज का दिन आपके लिए मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने विरोधियों को मात देने की कोशिश में कामयाब रहेंगे। आपकी किसी बात से आज परिवार में बेवजह का लड़ाई झगड़ा खड़ा हो सकता है और प्रॉपर्टी को लेकर आप कोई बड़ी डील फाइनल करेंगे और जिससे आपकी खुशियों का ठिकाना नहीं रहेगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर भी जाने की तैयारी कर सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए कोई निवेश बहुत ही सोच समझकर करने के लिए रहेगा। कामकाज में आपकी काफी रुचि रहेगी। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी, जिससे उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे, तो आप उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। आप अपने घर के साथ-साथ कुछ नयी वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। आपको कोई बहलाने फुसलाने की कोशिश करेगा, जिसका असर आपके कामों पर पड़ेगा, लेकिन आपको ऐसा नहीं करना है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आध्यात्म के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने से आप कामों को करने के लिए तत्पर रहेंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को अपने आसपास रह रहे विरोधियों को पहचानने की आवश्यकता है। आप अपने ऑफिस के कामों को कल पर टालने से बचें, नहीं तो इससे आपके बॉस से आपकी बहसबाजी होने की संभावना है।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपके लंबे समय से रुके हुए काम करने में भी आसानी होगी। आपके विरोधी भी आपके मित्र बन सकते हैं, जिन्हें देखकर आपको खुशी होगी। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी से मांगकर वाहन ना चलाएं। संतान की संगति पर आपको विशेष ध्यान देना होगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं।

शब्दजाल - 8003

शब्द जाल में सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

रूस, कनाडा, ब्राजील, अमेरिका, कोंगो, आस्ट्रेलिया, चीन, इंडोनेशिया, पेरु, भारत,

श	रा	आ	स्ट्रे	लि	या	ह	ट	झ	क	अ
छ	क	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	मे
ट	र	ना	झि	दा	इं	सिं	बे	ला	ल	रि
प	म	दा	डा	ल	क	डो	हा	दा	र	का
ट	रा	र	ष	हा	मि	री	ने	स	र	ट
ह	ह	प	व	पे	ह	ला	ती	शि	न	ती
भा	र	त	अं	रू	स	ट	ह	ला	या	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	कों	जू	ट
स	थो	तें	ब्रा	जी	ल	दा	ने	गो	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
ची	न	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्दजाल - 8002 का हल

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	के	गो
न	का	मे	म	इं	भा	र	त	ति	ना	ला
अ	दा	र	रि	मा	ग	अं	द	ह	डा	का
फ्रां	स	ल	का	का	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	इ	ट	ली	दे
अ	ना	का	इं	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मो	डो	अ	ला	र	ची	न	ज
इं	न	भा	र	न	ने	स	रा	न	वि	र्म
के	ग्लैं	बा	अ	लं	का	शि	ह	न	जू	नी
र	का	ड	मा	न	सिं	ब्रा	या	का	प	श
बां	र	ल	प	स्पे	न	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6947

ऊपर से नीचे:-

१. शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 6946

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8471

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -8470 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.09 बजे से
चंद्र	तुला में	तुला	09.19 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.34 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	13.50 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.55 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.42 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.15 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.45 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.25 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मिथुन	00.23 बजे से
		कर्क	02.37 बजे से
		सिंह	04.53 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 240 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ला
तिथि पंचमी 17.57 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 08.44 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 13.18 बजे को समाप्त।
करण बालव 17.57 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 4.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 09° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872450
जूलियन दिन 2460915.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 04
विशेष ऋषि पंचमी, स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः नैतिक जवाबदेही

पाटलिपुत्र पहुंचकर यूनानी दूत मेगास्थनीज ने आचार्य विष्णुगुप्त से भेंट करने का समय मांगा तो आचार्य ने उसे शाम में अपनी कुटिया पर आकर मिलने को कहा। नियत कार्यक्रम के अनुसार मेगास्थनीज आचार्य की नगर की सीमा से बाहर स्थित कुटिया पर जा पहुंचा। शाम ढलने ही वाली थी। अंधेरा छाने लगा था। मेगास्थनीज ने बाहर से ही देखा कि आचार्य अपने आसन पर बैठे कुछ काम करने में लगे हुए हैं। प्रकाश की व्यवस्था के लिए वहीं रखी एक तिपाई पर दीया जल रहा था। मेगास्थनीज जैसे ही प्रवेश द्वार के निकट पहुंचा, आचार्य ने उसे भीतर आकर आसन ग्रहण करने का संकेत किया और स्वयं अपने कार्य में तल्लीन रहे। कुछ पल यूं ही बीत गए। तब आचार्य ने अपना कार्य समाप्त किया, पत्रांक आदि समेट कर एक ओर रखे और उस दीपक को, जो उस समय प्रकाशमान था, बुझा दिया और पास ही रखा एक अन्य दीप जला लिया। फिर आचार्य ने मेगास्थनीज से हालचाल पूछा। मेगास्थनीज आचार्य के व्यवहार को देखकर आश्चर्यचकित था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि जब एक दीपक जल ही रहा था और उपयुक्त प्रकाश भी दे रहा था तो आचार्य ने उसे बुझाकर दूसरा दीपक क्यों जलाया? उससे रहा नहीं गया। थोड़ी देर की बातचीत के बाद उसने आचार्य से इसका कारण पूछ ही लिया। आचार्य ने सहजता से कहा, 'तुम जब यहां आए, तब मैं जो काम कर रहा था, वह राज्य व्यवस्था से संबंधित था और तब जो दीपक जल रहा था, उसका खर्च शासन तंत्र उठाता है। लेकिन अब चूंकि वह कार्य समाप्त हो गया इसलिए मैंने वह दीपक बुझा दिया। अभी जो दीपक मैंने जला रखा है, उसके खर्च का वहन मैं अपनी आय से करता हूं। मैं अपने व्यक्तिगत कार्य के लिए राज्य के संसाधन का दुरुपयोग कैसे कर सकता हूं।' मेगास्थनीज ने नैतिक जवाबदेही का ऐसा उदाहरण कहीं और नहीं देखा था। वह समझ गया कि मौर्य शासन का भविष्य उज्ज्वल है।

सूडोकु नवताल- 7256

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7255 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

टीसीएस ने एआई और सर्विस ट्रांसफॉर्मेशन के लिए नई यूनिट बनाई

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सर्विस ट्रांसफॉर्मेशन को मजबूत करने के लिए एक नया यूनिट स्थापित किया है। इस यूनिट की जिम्मेदारी अमित कपूर को सौंपी गई है, जो वर्तमान में कंपनी के यूके और आयरलैंड बिजनेस के प्रमुख हैं। वे 1 सितंबर से चीफ एआई और सर्विस ट्रांसफॉर्मेशन ऑफिसर के रूप में कार्यभार संभालेंगे और सीधे सीओओ आरथी सुब्रमणियन को रिपोर्ट करेंगे। यह निर्णय टीसीएस द्वारा हाल ही में अपनी वैश्विक कार्यबल का लगभग 2 फीसदी कर्मचारियों को हटाने की घोषणा के एक महीने बाद आया है। कंपनी का उद्देश्य एआई-प्रधान बिजनेस मॉडल की ओर तेजी से बढ़ना और खुद को इस नई तकनीकी क्रांति के लिए तैयार करना है। इस नए यूनिट में टीसीएस की सभी एआई टीमें और क्षमताएं समाहित होंगी, जो हॉरिजॉन्टल सर्विस यूनिट्स और इंडस्ट्री बिजनेस ग्रुप्स के साथ मिलकर काम करेंगी। आरथी सुब्रमणियन ने बताया कि कंपनी अपने टीसीएस पेस पोर्ट में निवेश को फिर से आकार देगी ताकि ग्राहकों को एआई की वास्तविक दुनिया की संभावनाएं दिखा सकें। इस पहल का लक्ष्य सेवा प्रस्तावों को और मजबूत करना, एआई-डोमेन सॉल्यूशंस को गहरा करना, नए पार्टनरशिप इकोसिस्टम का निर्माण करना और एआई-समर्थित तकनीकी सेवाओं में तेजी लाना है। यह नया यूनिट नवाचार को प्रोत्साहित करेगा और क्लाइंट एंगेजमेंट को आसान बनाएगा। इसके साथ ही डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की गति को भी तेज किया जाएगा, जिससे टीसीएस वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को और बढ़ा सकेगा। इस तरह कंपनी एआई के जरिये भविष्य के लिए अपनी रणनीति को सशक्त कर रही है।

ई-20 पेट्रोल से बढ़ी परेशानी- माइलेज घटा, मेंटेनेंस बढ़ा

नई दिल्ली। देशभर में ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से वाहन मालिकों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। एक सर्वे में यह सामने आया कि ई-20 के उपयोग के बाद पुराने वाहनों में माइलेज घटने और मरम्मत की जरूरत बढ़ने लगी है।

इस सर्वे में देश के 37,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। रिपोर्ट के अनुसार, 28 फीसदी वाहन मालिकों ने बताया कि उनकी गाड़ियों में असामान्य घिसावट या मरम्मत की आवश्यकता पड़ी। वहीं, लगभग दो-तिहाई लोगों ने कहा कि उनका माइलेज पहले की तुलना में कम हो गया है। खासकर 2022 या उससे पहले खरीदी गई गाडियों में यह समस्या ज्यादा देखी गई। 52 फीसदी लोगों का मानना है कि यदि ई-20 पेट्रोल 20 फीसदी सस्ता और वैकल्पिक हो, तो वे इसका उपयोग करेंगे। ई-20 पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल होता है। यह पर्यावरण हितैषी ईंधन है और देश की तेल आयात निर्भरता को घटाने के लिए अहम माना जा रहा है। हालांकि, पुराने वाहन ई-10 पेट्रोल के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे ई-20 का उपयोग उनके लिए समस्याजनक बन रहा है।

आईपीओ और खुदरा निवेशकों के लिए सेबी करेगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर बाजार को अधिक पारदर्शी और निवेशकों के लिए सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से अहम सुधारों की घोषणा की है। सेबी के एक अधिकारी ने बताया कि बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को आसान बनाने के लिए नियामक ने एक परामर्श पत्र जारी किया है, जिसमें अत्यधिक बड़ी कंपनियों को 25 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी बेचने की समयसीमा 5 से बढ़ाकर 10 वर्ष करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य बड़ी कंपनियों को शेयर बाजार में लाने की प्रक्रिया सरल बनाना और निवेशकों को अधिक विकल्प देना है। फिलहाल कंपनियों को सूचीबद्ध होने के पांच वर्षों के भीतर अपनी 25 फीसदी हिस्सेदारी सार्वजनिक निवेशकों को देनी होती है। प्रस्तावित ढील से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज जैसे बड़े आईपीओ को भी लाना आसान होगा। इसके साथ ही सेबी आईपीओ के मूल्यांकन में पारदर्शिता लाने की दिशा में भी काम कर रहा है। मर्चेंट बैंकर और एंकर निवेशकों को यथार्थवादी मूल्य तय करने की सलाह दी जा रही है, ताकि लिस्टिंग के बाद शेयर की कीमतों में गिरावट न आए और खुदरा निवेशकों का भरोसा बना रहे। इसके अलावा भ्रामक निवेश सलाह और सोशल मीडिया पर चल रहे गुमराह करने वाले प्रचार पर रोक लगाने के लिए सेबी ने मेटा (फेसबुक) के साथ साझेदारी की है। अब केवल पंजीकृत इकाइयां ही वित्तीय विज्ञापन चला सकेंगी। अन्य सोशल मीडिया मंचों के साथ भी ऐसी साझेदारी की प्रक्रिया चल रही है। इन सभी प्रयासों का मकसद शेयर बाजार को अधिक विश्वसनीय और निवेशकों के लिए सुरक्षित बनाना है।

गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से प्रारंभ

भक्ति भाव से हुई भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि, 27 अगस्त 2025 को गणेश चतुर्थी का पावन पर्व लांजी नगर और आसपास के क्षेत्रों में बड़े ही भक्ति भाव और उत्साह के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं की स्थापना घरों, सार्वजनिक पंडालों और चौक-चौराहों पर विधि-विधान के साथ की गई। इसके साथ ही 10 दिवसीय गणेश उत्सव का शुभारंभ हो गया, जो नगर में भक्ति, उत्साह और सामाजिक एकता का अनुपम संगम प्रस्तुत कर रहा है।

शुभ मुहूर्त में हुई प्रतिमा स्थापना

गणेश चतुर्थी के इस पवित्र दिन शुभ मुहूर्त में पंडितों और पुरोहितों की देखरेख में मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्रीगणेश की आकर्षक प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। नगर के विभिन्न वार्डों, गली-मोहल्लों और चौराहों पर स्थापित पंडालों में भगवान गणेश की मूर्तियों को भव्य रूप से सजाया गया। इन पंडालों को रंग-बिरंगी लाइटों, फूलों, और आकर्षक सजावटी सामग्रियों से सुसज्जित किया गया है, जो भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। घरों में भी परिवारजनों ने पूरे विधि-विधान के साथ गणपति की स्थापना की और भक्ति भाव से पूजा-अर्चना शुरू की।

10 दिनों तक चलेगा भक्ति का उत्सव

गणेश चतुर्थी का यह उत्सव अगले 10 दिनों तक भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान भक्त नियमित रूप से भगवान गणेश की पूजा, आरती, और भोग अर्पण करेंगे। विभिन्न पंडालों में भक्ति भजनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और धार्मिक आयोजनों का दौर भी शुरू होगा। नगर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित पंडाल भक्तों के लिए आध्यात्मिक और सामाजिक एकता का केंद्र बनेंगे। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और एकता को भी बढ़ावा देता है।

पंडालों की सजावट बनी आकर्षण का केंद्र

लांजी नगर के विभिन्न वार्डों और चौराहों पर स्थापित गणेश पंडालों को विशेष रूप से सजाया गया है। रंग-बिरंगी लाइटें, फूलों की मालाएं, और थीम आधारित सजावट ने पंडालों को और भी मनमोहक बना दिया है। कुछ पंडालों में पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों को दर्शाती थीम भी देखने को मिल रही हैं। इन पंडालों में भक्तों की भीड़ दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, जो भगवान गणेश के दर्शन और पूजा के लिए उत्साहित हैं।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता

इस वर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर कई संगठनों और भक्तों ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मिट्टी की मूर्तियों और पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों का उपयोग किया है। स्थानीय प्रशासन और आयोजकों ने भी विसर्जन के दौरान पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे, इसके लिए विशेष व्यवस्था की है। कृत्रिम जलाशयों और विसर्जन स्थलों की व्यवस्था की गई है ताकि नदियों और जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाया जा सके।

गणेश उत्सव का सामाजिक और धार्मिक महत्व

गणेश चतुर्थी का यह पर्व भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और सिद्धिदाता के रूप में पूजने का अवसर प्रदान करता है। यह उत्सव भक्तों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करता है। लांजी नगर में इस पर्व के दौरान सामाजिक एकता और भाईचारे की भावना स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। विभिन्न समुदायों के लोग एक साथ मिलकर इस उत्सव को आयोजित करते हैं, जो सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है।

आगामी 10 दिनों तक लांजी नगर में गणेश उत्सव के अंतर्गत कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें भक्ति भजन संध्या, कीर्तन, नृत्य और नाटक जैसे आयोजन शामिल हैं। अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी के अवसर पर भगवान गणेश की मूर्तियों का विसर्जन बड़े ही धूमधाम और भक्ति भाव के साथ किया जाएगा। लांजी नगर में गणेश चतुर्थी का यह उत्सव न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। भक्तों का उत्साह और भक्ति इस पर्व को और भी विशेष बना रही है।

मित्र मंडल गणेश उत्सव समिति सुंदरटोला में आकर्षक पंडाल सजाकर की गणेश स्थापना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्री गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त 2025 से शुरू हो गया है जो भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाने वाला यह हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार है। मान्यता है कि श्री गणेश जी की स्थापना से सुख.समृद्धि आती है। सभी घरो, सार्वजनिक पंडालो में भगवान श्री गणेश जी कि प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम अपने अपने स्तर पर संपन्न करवाया गया हैं। इसी क्रम मे लांजी चा राजा कहे जाने वाले भगवान श्री गणेश जी कि प्रतिमा की स्थापना मित्र मंडल गणेश उत्सव समिति सुंदरटोला लांजी में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की। दिनांक 25 अगस्त को धार्मिक रिती रिवाज एवं धूम-धाम से श्री गणेश भगवान कि प्रतिमा का प्रण्डाल स्थल पर किया गया। 27 अगस्त पण्डाल स्थल पर पंडित पुरोहित के द्वारा विधि पूर्वक पूजन अर्चन कर श्री गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की गई। समिति के अध्यक्ष द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया बडी धूम धाम से बप्पा का स्वागत झांकि के साथ किया गया। 10 दिनों तक पण्डाल स्थल पर बप्प की पूजा अर्चना की जावेगी तथा अनेको कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। इस दौरान समिति केअध्यक्ष आयुष सातपुते , उपाध्यक्ष . आदित्य रामटेक्कर , सचिव . अंकित बागड़े, सहसचिव अंकित चौहान, कोषाध्यक्ष शिवम श्रीवास, सहकोषाध्यक्ष आदेश बनवारी, प्रिंस सातपुते, अभय सोनी, राहुल सातपुते, संदीप वाडीवे, देवेश रामटेक्कर, कुशलेश कलपुरिया, आदित्य बनवारी, शैलेन्द्र नरताम, लक्की खानोरकर, शिवम रामटेक्कर, सिद्धांत सातपुते, क्रिष बनवारी, आयुष बनवारी, सागर उइके, शौर्य श्रीवास, गौरव बनवारी, प्रफुल मुरकुटे, मानव वंशपाल, सुजलसातपुते ,नमन सोनवाने, मोहित रामटेक्कर, सागर किसान, छोटा रामटेक्कर के द्वारा सभी धर्म प्रेमियो से श्री गणेश बप्पा लांजी के राजा के दर्शन करने एवं कार्यक्रम में उपिस्थती की अपील की है।

धनसिंह भारद्वाज पंचतत्व में विलीन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम जीवनारा निवासी धनसिंह पिता स्व बलवंत सिंहभारद्वाज का 85 वर्ष की आयु में अस्वस्थता के चलते 26 एवं 27 अगस्त की मध्य रात्रि में 1ः10 बजे देवेन्द्र नगर हास्पिटल रायपुर में निधन हो गया। आप अपने पीछे पत्नि लीलाबाई, दो पुत्र खेमराज सिंह, धर्मेन्द्र सिंह भारद्वाज, नाती पोतो से भरा पूरा परिवार छोड इस दुनिया से विदा हो गये। आपका अंतिम संस्कार ग्राम साडरा स्थित मोक्षधाम में 27 अगस्त को किया गया। आपके निधन पर नाते, रिश्तेदार, सामाजिक गण, ईष्ट मित्र ने सम्मिलित होकर शोक श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुये परम पिता परमेश्वर से मृत आत्मा के शांति के लिये तथा इस दुख की घड़ी में परिजनों संबल प्रदान करने हेतु प्रार्थना की गई।

बहेला थाने में हुई शांति समिति की बैठक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी पुलिस अनुभाग के बहेला थाना अन्तर्गत 27 अगस्त को तीज त्यौहारो के मद्देनजर शांति समिति, ग्राम रक्षा समिति, जनप्रतिनिधि आदि गणमान्य सदस्यो की उपस्थिती में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अध्यक्षता थाना प्रभारी राजकुमार रघुवंशी के द्वारा की गई। जहां उन्होने बहेला थाना अन्तर्गत सभी गणेश उत्सव समिति के सदस्यों को जिला प्रशासन से प्राप्त निर्देशो से अवगत कराया गया। सभी समितियों को बताया गया कि नियमों का पालन अवश्य करे। 6 सितंबर को अनंत चुतर्दशी को ही सभी प्रतिमाऐं विसर्जित होनी चाहिये। डीजे संचालक नियमो का अवश्य पालन करे। किसी भी प्रकार से अव्यवस्थाऐ बरती जाती है तो पुलिस के द्वारा कार्यवाही की जावेगी। सभी समिति यह ध्यान रखे की जहां जहां सार्वजनिक रूप से श्री गणेश जी की प्रतिमाऐं स्थापित की गई है उन सभी स्थानो की जानकारी आपको दिये गये आवेदन के अनुरूप पुलिस थाना बहेला में जानकारी उपलब्ध कराई जाये। इसी क्रम ईदमिलादुन्नबी को लेकर भी मुस्लिम समाज के लोगो से जानकारी लेकर उन्हे आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इसी कड़ी में ग्राम रक्षा समिति के सदस्यो को भी निर्दश दिये गये है कि वे भी अपने अपने ग्रामो की जानकारी उपलब्ध कराये।

क्षेत्र में गौ तस्करी पर नहीं लग रही रोक, ट्रक से 36 गौवंश बरामद

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले के लांजी तहसील में गौ तस्करी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा घटना 26 अगस्त की रात करीब 2 बजे की है, जब विश्व हिंदू परिषद (विहिप) लांजी के संयोजक राजू रामटेक्कर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सूचना के आधार पर देवरबेली से आमगांव रोड, महाराष्ट्र की ओर तेज रफ्तार से जा रहे एक आइसर ट्रक (वाहन क्रमांक MH 34 BG 8994) का पीछा किया। चालक ने ट्रक रोकने से इनकार कर दिया, जिसके बाद विहिप कार्यकर्ताओं ने ग्राम साडरा में ट्रक को रोकने की कोशिश की। चालक ने वाहन को लांजी की ओर मोड़ लिया, लेकिन अंततः पालडोंगरी के पास विहिप कार्यकर्ताओं ने ट्रक को रोक लिया। सूचना मिलने पर लांजी थाना प्रभारी विभेन्दु व्यंकट टांडिया तुरंत दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रक में ठूंस-ठूंसकर भरे 36 गौवंश को अपने कब्जे में लिया। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर चालक मौके से फरार हो गया, जबकि कंडक्टर को पुलिस ने हिरासत में लिया। ट्रक को लांजी थाना परिसर में लाकर खड़ा किया गया है।

पहले भी हो चुकी हैं कार्रवाइयां

लांजी पुलिस ने इससे पहले भी चिचटोला में एम्बुलेंस में भरे गौवंश और सालेटेकरी रोड के बकरामुंडी वन नाके के पास गौवंश से भरे ट्रक को जब्त किया था, जो अभी भी थाना परिसर में है।

महाराष्ट्र से जुड़ा है तस्करी का नेटवर्क

प्रारंभिक जांच में पता चला कि गौ तस्कर महाराष्ट्र के बूचड़खानों के लिए गौवंश की तस्करी कर रहे थे। पुलिस ने ट्रक जब्त कर मालिक की तलाश शुरू कर दी है और मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की खोजबीन कर रही है।

गौ तस्करी बनी चुनौती

लांजी क्षेत्र में गौ तस्करी का धंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा। पुलिस समय-समय पर कार्रवाई कर रही है, लेकिन तस्करों पर पूरी तरह अंकुश लगाना चुनौती बना हुआ है। तस्कर सालेटेकरी रोड, धर्मशाला, मछुरदा, देवरबेली और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से गौवंश एकत्रित कर कंटेनर, आइसर ट्रक और एम्बुलेंस जैसे वाहनों में भरकर महाराष्ट्र ले जाते हैं।

विधायक करहिे के समक्ष प्रशिक्षकों ने रखी व्यथा, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी, किरनापुर व बालाघाट के व्यवसायिक प्रशिक्षकों ने आज लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्याएँ मुख्यमंत्री तक पहुँचाने की मांग की। गौरतलब है कि विधायक कर्राहे ने पिछले विधानसभा सत्र में भी इस मुद्दे को पूरे प्रदेश में जोर-शोर से उठाया था। प्रशिक्षकों ने बताया कि उनका मानदेय पहले 22 हजार था जिसे घटाकर 20 हजार कर दिया गया है, जबकि अतिथि व्याख्याताओं का मानदेय बढ़ा दिया गया। आकस्मिक अवकाश, चिकित्सा अवकाश और महिला प्रशिक्षकों के लिए मातृत्व अवकाश तक का कोई प्रावधान नहीं है। प्रशिक्षकों ने मेन पावर ऐप को भी अपमानजनक बताया, क्योंकि यह शब्द मजदूर वर्ग के लिए प्रयुक्त होता है, जिससे उनकी गरिमा को ठेस पहुँच रही है। साथ ही बार-बार वीपीपी कंपनियाँ बदलने से महीनों तक बेरोजगार रहना पड़ता है और छात्रों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित होती है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि परीक्षा परिणामों में व्यवसायिक विषयों के लिए 95 प्रतिशत लक्ष्य रखा गया है, जबकि अन्य विषयों में मात्र 30 प्रतिशत, जो साफ तौर पर भेदभाव दर्शाता है। इस अवसर पर प्रशिक्षकों की पीड़ा सुनकर मानो एक सवाल खड़ा हो गया कि जब सरकार शिक्षा और नई शिक्षा नीति पर बड़े-बड़े दावे करती है, तो फिर ऐसी परिस्थितियाँ क्यों निर्मित हो रही हैं? आखिर कैसे देश का उज्ज्वल भविष्य गढ़ा जाएगा, जब बच्चों को शिक्षा और कौशल सिखाने वाले ही वित्तीय व मानसिक शोषण का शिकार हों? जो प्रशिक्षक खुद अंधेरे में हैं, वे छात्रों को उजाले की राह कैसे दिखाएँगे? क्या नीति बनाने वाले लोग वास्तव में धरातल से कटे हुए हैं, जिन्हें महंगाई के इस दौर में इन प्रशिक्षकों की मजबूरियाँ दिखाई ही नहीं देतीं? प्रशिक्षकों की बातों से तो मानो यह आभास हुआ कि उन्हें बंधुआ मजदूर बना दिया गया है और जिस ई-उपस्थिति एप्लिकेशन से उनकी उपस्थिति दर्ज कराई जाती है, उसका अर्थ भी कहीं न कहीं इसी मानसिकता को दर्शाता है। विधायक राजकुमार कर्राहे ने प्रशिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल संबंधित विभाग को पत्राचार किया और आश्वासन दिया कि उनकी बात विधानसभा और सरकार के स्तर तक मजबूती से पहुँचाई जाएगी। ज्ञापन सौंपने वालों में पवन सोनवाने, प्रेमानंद लिल्हारे, चंद्रप्रकाश लिल्हारे, विमल तूरकर, प्रहलाद हरिनखेड़े, रेवा माने, लीलाधर कटरे, गिरधारी राहंगडाले, अंजलि डोंगरे, दीपा सार्वे, किरण कुमार, चंद्रकिशोर कुतरीये, रितेंद्र मोटघरे प्रमुख रूप से शामिल रहे।

महिलाओं ने निर्जला व्रत रख किया पूजन-अर्चन

नदी तालाबों में किया गौर विर्सजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लम्बी उम्र व अखंड सौभाग्यवती होने की कामना से तथा कुआरी कन्याओं द्वारा मनवाच्छित वर प्राप्त करने की कामना से निर्जला व्रत रखकर मनाये जाने वाला हरितालिका तीज व्रत नगर व सम्पूर्ण क्षेत्र में आस्था व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। 26 अगस्त को सुबह व्रतधारी सुहागिन महिलाओं द्वारा गौर निकालने के उपरान्त घर में चौरंग सजाकर व फुलेरा बांधकर पूजन अर्चन किया गया। रात्रि में महिलाओं द्वारा पकवान चढ़ाकर एवं बेलपत्र एवं 21 तरह के पुष्प एवं पत्ते चढ़ाकर पूजा की एवं पंडित द्वारा तीजा व्रत की कथा का वाचन किया गया। इसके उपरान्त अनेक घरों में जागरण के अलावा भजन पार्टियों द्वारा भक्तिमय आराधना कर भजनों की प्रस्तुति भी दी गई। 27 अगस्त को प्रातः नगर में महिलाओं द्वारा रखे गये गौर का विसर्जन गणेशी तालाब के अलावा काशी नाला, कोटेश्वर मंदिर के समीप नाले में तथा राजा-रानी तालाब व अन्य तालाबों में किया गया। इसी तरह ग्रामीण अंचलों में भी व्रत करने वाली महिलाओं द्वारा शुक्रवार को सुबह ताल-तालाबों, नहरों व नदी घाट के किनारे गौर निकालकर आरती पूजन किया एवं शनिवार सुबह महिलाओं द्वारा पूजन आरती कर गौर का विसर्जन किया गया तथा एक दूसरे को प्रसादी व भुजलियां भेंट करने के साथ ही हल्दी-कुंमकुम लगाकर सदा सुहागन रहने की कामनाएं की गई।

तकनीक से जीते जाएंगे भविष्य के युद्ध - राजनाथ सिंह

राष्ट्रीय सुरक्षा अब सिर्फ सेनाओं का नहीं, पूरे राष्ट्र का विषय है - रण संवाद में बोले रक्षा मंत्री

इंदौर/महू। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज मध्य प्रदेश के डॉ. आंबेडकर नगर स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित पहले त्रि-सेवा सम्मेलन रण संवाद में एक महत्वपूर्ण और युगांतकारी संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भविष्य के युद्ध केवल सैनिकों या हथियारों की संख्या से नहीं जीते जाएंगे, बल्कि तकनीक, खुफिया जानकारी, अर्थव्यवस्था और कूटनीति के मिले-जुले रूप से लड़े जाएंगे। आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि अब युद्ध सिर्फ पारंपरिक भूमि, जल और वायु तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ये अंतरिक्ष और साइबरस्पेस जैसे नए और अप्रत्याशित क्षेत्रों में भी फैल चुके हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आज की दुनिया में वही देश युद्ध के नियमों और मैदान को नियंत्रित करता है, जो प्रौद्योगिकी में आगे होता है। इसी बात पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि भारत को खुद अपने युद्धक्षेत्र और युद्ध के नियमों को परिभाषित करना चाहिए, ताकि हम हमेशा बढ़त में रहें। इस संदर्भ में उन्होंने हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर को एक बेहतरीन उदाहरण बताया, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में छिपे आतंकवादियों के खिलाफ अभूतपूर्व बहादुरी और आक्रामकता दिखाई।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता स्वदेशी प्लेटफार्मों की क्षमताओं का प्रमाण है और यह साबित करती है कि आत्मनिर्भरता अब सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का अटूट आधार है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 2014 के 46,425 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसके अलावा, रक्षा निर्यात भी 10 साल पहले के 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 24,000 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है, जो भारत की बढ़ती वैश्विक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत में बने तेजस लड़ाकू विमान, आकाश मिसाइल सिस्टम और स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर अब दुनिया को यह भरोसा दिला रहे हैं कि भारतीय तकनीक और गुणवत्ता विश्वस्तरीय है। राजनाथ सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि सेना, नौसेना और वायु सेना सभी अपने आप को बदलते समय के अनुसार ढाल रहे हैं। उन्होंने भारतीय सेना के 2027 तक सभी जवानों को ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण देने के निर्णय की प्रशंसा की और इसे एक परिवर्तनकारी कदम बताया। उन्होंने नौसेना के लिए आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि जैसे अत्याधुनिक युद्धपोतों के जलावतरण और भारतीय वायुसेना को लंबी दूरी की मिसाइलों व अगली पीढ़ी के हथियारों से सशक्त बनाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा अब केवल सशस्त्र बलों का मुद्दा नहीं रहा। उन्होंने कहा कि यह पूरे राष्ट्र के दृष्टिकोण का विषय बन चुका है, जिसमें उद्योग, शिक्षा, मीडिया और नागरिक समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने हर नागरिक से राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने स्तर पर सतर्क और सक्षम रहने का आह्वान किया।

इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, थल सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह, पूर्व वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी और पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल अरुण प्रकाश शामिल थे। इनके अलावा, विदेशी रक्षा अताशे, विद्वान, शिक्षाविद, रक्षा उद्योग जगत से जुड़े लोग और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

सिंह ने अपने भाषण का समापन इस विश्वास के साथ किया कि भारत की चुनौतियाँ भले ही विकट हों, लेकिन हमारा संकल्प और साहस उनसे भी बड़ा है। उन्होंने कहा, हमें किसी की जमीन नहीं चाहिए, लेकिन अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए हम किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

ईओडब्ल्यू रीवा की एंट्री, सिटा डेल का रिकॉर्ड हुआ तलब

दोहरे भुगतान पर निगम की आर्थिक शाखा सख्त, मिलिभगत के खेल से जनता से विश्वासघात

सिंगरौली । नगर निगम सिंगरौली में वर्षों से चल रहा भ्रष्टाचार और मिलिभगत का खेल अब आखिरकार कानून के शिकंजे में फंसता दिख रहा है। करोड़ों के कचरा घोटाले को लेकर आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो रीवा ने बड़ा एक्शन लिया है। निगमायुक्त को नोटिस जारी कर 27 अगस्त को सीटा डेल कम्पनी से जुड़े समस्त दस्तावेज तलब किए गए हैं।

फर्जी बिलिंग और दोहरा भुगतान

जांच में सामने आया है कि कंपनी को 10 टन कचरे का भुगतान होना था, लेकिन फर्जी बिल बनाकर 20 टन का भुगतान दिखाया गया। यानी हर महीने करोड़ों की लूट! यह सब नगर निगम और कंपनी की मिलीभगत से हुआ।

जनता की गाढ़ी कमाई लूटने का खेल

साफ है कि यह सिर्फ घोटाला नहीं बल्कि जनता से किया गया सीधा विश्वासघात है। टैक्स से मिलने वाली गाढ़ी कमाई को कंपनी और भ्रष्ट अधिकारियों ने आपस में बांटा।

आर्थिक शाखा में हड़कंप

दोहरे भुगतान के खुलासे के बाद निगम की आर्थिक शाखा में हड़कंप मचा हुआ है। अब श्व्ह्ल्ङ्ख के सामने दस्तावेज पेश होने के बाद पूरे खेल का कच्चा-चिट्ठा खुलना तय है।

माफियागिरी पर उठे सवाल

सूत्र बताते हैं कि सीटा डेल कम्पनी की राजनीतिक पकड़ और अफसरशाही से मिलीभगत ही इस घोटाले की सबसे बड़ी ताकत रही है। अब जांच में यह भी उजागर हो सकता है कि किन-किन चेहरों ने इस माफियागिरी को संरक्षण दिया

जनता की मांग - दोषियों को जेल भेजो

शहर के सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों का गुस्सा चरम पर है। लोग मांग कर रहे हैं कि दोषियों पर केवल विभागीय कार्रवाई नहीं बल्कि कड़ी कानूनी सज़ा हो, ताकि भविष्य में कोई भी जनता के पैसों से खिलवाड़ न कर सके।

अवमानना मामलें में अगली सुनवाई 8 सितंबर को

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने अवमानना मामले में जिला शिक्षा अधिकारी, पन्ना व संकुल प्राचार्य सहित अन्य को हाजिर होने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई आठ सितंबर को नियत की गई है। अवमानना याचिकाकर्ता पन्ना निवासी मूरत सिंह की ओर से अधिवक्ता शंकर प्रसाद सिंह व पद्मावती जायसवाल ने दलील दी कि याचिकाकर्ता की 28 दिसंबर, 1981 को सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्ति हुई थी। 30 मई, 1997 को उच्च श्रेणी शिक्षक के पद पर और 29 मार्च, 2003 को प्रधानाध्यापक के पद पर पदोन्नति हुई। 31 मई, 2022 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रैपुरा से सेवानिवृत्त हुआ। 14 नवंबर, 2022 को अभ्यावेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया कि अर्जित अवकाश जो सेवा पुस्तिका में 504 दिन दर्ज है, का भुगतान किया जाए। 16 नवंबर, 2022 को दूसरा अभ्यावेदन दिया। लेकिन अभ्यावेदन का निराकरण नहीं किया गया। लिहाजा, हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई। हाई कोर्ट ने 90 दिन के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए थे। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसीलिए अवमानना याचिका दायर की गई।

सेवानिवृत्ति के 29 वर्ष बाद की गई रिकवरी पर रोक

हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने पेंशनर से रिकवरी पर रोक लगा दी। इस अंतरिम आदेश के साथ ही वित्त विभाग के सचिव व जिला कोषालय अधिकारी, शहडोल सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया। मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर को नियत की गई है। याचिकाकर्ता शहडोल निवासी 87 वर्षीय एमपी अवस्थी की ओर से अधिवक्ता अनिरुद्ध पांडे ने दलील दी कि याचिकाकर्ता 30 जून, 1996 को वन विभाग से लेखापाल के पद से सेवानिवृत्त हुआ था। तभी से निरंतर पेंशन प्राप्त कर रहे थे। जून, 2024 में अचानक 6 हजार 949 रुपये की प्रतिमाह कटौती की जाने लगी। पूछने पर बताया गया कि ओवर पेमेंट हो गया है। इस रवैये के विरुद्ध अभ्यावेदन देने पर कोई नतीजा नहीं निकला। इसीलिए हाई कोर्ट की शरण ले ली। एक सीनियर सिटीजन को इस तरह मनमानी कटौती के जरिए परेशान करना उचित नहीं है। सेवानिवृत्ति के 29 वर्ष बाद दो लाख 14 हजार 973 रुपये की रिकवरी निकालना सर्वथा अनुचित है। चूंकि ऐसा बिना सूचना दिए किया गया, अत- चुनौती विचारणीय है।

कपिलधारा निविदा मामले में याचिका निरस्त

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने अनुमानित कीमत से कम बोली लगाए जाने के आधार पर निविदा निरस्त करने का आदेश पारित किया। अनावेदक नगर पालिका अमरकंटक की ओर से अधिवक्ता मनोज कुशवाहा ने पक्ष रखा। राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली खड़े हुए। कोर्ट को अवगत कराया गया कि नगर पालिका अमरकंटक द्वारा कोटि तीर्थ घाट व कपिलधारा सहित अन्य दो स्थानों के लिए वाहन पार्किंग के संबंध में निविदा आमंत्रित की गई थी। उक्त निविदा में राजपूत ट्रेडर्स द्वारा बोली लगाई गई थी। उनके अनुसार उनकी बोली स्वीकृत कर ली गई थी। इसके बावजूद उन्हें वर्क आर्डर नहीं जारी किया गया। दरअसल, निविदा की जो अनुमानित लागत थी वह लगभग तीन करोड़ 26 लाख थी। जबकि याचिकाकर्ता के द्वारा मात्र 99 लाख व एक करोड़ रुपये की बोली लगाई गई। उनकी बोली न्यूनतम थी।

बाबा महाकाल की कृपा से सिंहस्थ-2028 पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा महाकाल की कृपा से इस बार उज्जैन में सिंहस्थ-2028 पिछले सभी रिर्काड तोड़ेगा। उज्जैन में तीर्थाटन को बढ़ावा दिया जायेगा और उज्जैन के विकास में किसी प्रकार कि कमी नहीं आने दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को उज्जैन में लोकमान्य तिलक गणेश उत्सव महाआयोजन समिति द्वारा आयोजित मिट्टी की गणेश प्रतिमा वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक मंगलकामना दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवान श्रीगणेश का पूजन-अर्चन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में श्रीगणेश को प्रथम पूज्य देवता माना गया है। रिद्धि? सिद्धि दाता शुभ कार्य को सफल बनाते हैं, इसलिए हर मंगल कार्य के आरंभ में श्रीगणेश की वंदना अनिवार्य समझी गई है। हमारी प्रकृति का यही संदेश है कि घर-घर में मिट्टी के श्रीगणेश हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वदेशी के वातावरण के साथ मिट्टी के गणेश के वितरण का उत्सव मनाया जा रहा है। यह हमारे लिए आनन्द का उत्सव है। भगवान की कृपा से देश के विकास के साथ प्रदेश का विकास हो रहा है, यह हमारे लिए गौरव की बात है। उज्जैन शहर का निरंतर सौन्दर्यीकरण कार्य किया जा रहा है। साथ ही सड़क निर्माण, चौड़ीकरण आदि कार्यों के साथ शीघ्र ही शहर में फ्लाईओवर का निर्माण किया जायेगा। पीथमपुर-इंदौर-उज्जैन त?क मेट्रो ट्रेन भी चलेगी। गोपाल मंदिर चौक का शीघ्र विस्तारीकरण किया जायेगा।

विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने स्वागत भाषण और कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मूर्ति वितरण कार्यक्रम में लगभग 300 मिट्टी से बनी मुर्तियों का वितरण शहर की विभिन्न समितियों और संगठनों को किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विधायक श्री जैन, महापौर मुकेश टृवाल, सभापति श्रीमती कलावती यादव, संजय अग्रवाल आदि ने आत्मीय स्वागत किया और उन्हें श्रीगणेश की प्रतिमा भेंट की।

हाई कोर्ट ने स्कूलों के बाहर पार्किंग पर मांगा जवाब

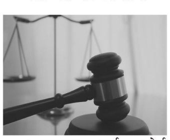

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने स्कूलों के बाहर पार्किंग के मामले में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग को नए सिरे से नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद नियत की है। जनहित याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी जसबीन गुजराल सहित अन्य की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि सुप्रीम कोर्ट ने बचपन बचाओ आंदोलन विरुद्ध भारत शासन मामले में बच्चों की सुरक्षा व उनकी देखभाल को लेकर महत्वपूर्ण गाइडलाइन जारी की है। यह सभी प्रदेशों के लिए है। इसके बावजूद देखने में आ रहा है कि जबलपुर सहित अन्य शहरों में स्कूलों के परिसर के भीतर नहीं बल्कि बाहर सड़क पर पार्किंग हो रही है। इससे बच्चों की जान को खतरा बना हुआ है। साथ ही यातायात भी बाधित होता है। मामले में राज्य शासन, मुख्य सचिव, संभागायुक्त, कलेक्टर, निगमायुक्त, पुलिस अधीक्षक यातायात तथा मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग को पक्षकार बनाया गया है। मामले की पूर्व सुनवाई के दौरान आयोग को नोटिस जारी किए गए थे, किंतु जवाब नहीं आया। इसीलिए नए सिरे से नोटिस जारी किया गया है।

भाजपा विधायक ने कलेक्टर पर उठाया हाथ, गाली-गलौज भी की

भिंड में खाद संकट को लेकर कलेक्टर आवास पर प्रदर्शन

भिंड । खाद संकट को लेकर किसानों की समस्या उठाने पहुंचे भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह और कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के बीच बुधवार को बड़ा विवाद हो गया। इस दौरान विधायक ने कलेक्टर पर थप्पड़ मारने के लिए हाथ उठाया और गाली-गलौज की। समर्थकों ने भी 'भिंड कलेक्टर चोर है' के नारे लगाए।

दरअसल, विधायक कुशवाह अपने समर्थकों के साथ कलेक्टर आवास पर पहुंचे थे। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव मेन गेट पर आए तो दोनों के बीच तू-तड़ाक शुरू हो गया। कलेक्टर ने कहा 'रेत की चोरी नहीं चलने दूंगा।' इस पर विधायक भड़क गए और उन्हें चोर कहने लगे। विवाद इतना बढ़ा कि विधायक ने मुक्का भी बांधकर दिखाया और गेट पर हाथ उठाया, लेकिन गार्ड बीच में आ गए।

रातभर लाइन में लगने पर भी खाद नहीं मिलती

प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि वे रात 12 बजे से सहकारी समितियों के बाहर कतार में लग जाते हैं, लेकिन उन्हें मुश्किल से एक-दो बोरी खाद ही मिल पाती है। किसानों का आरोप है कि खुले बाजार में महंगे दामों पर खाद आसानी से मिल रहा है, जिससे कालाबाजारी की आशंका है।

विधायक ने कहा प्रशासन मूकदर्शक

विधायक ने कलेक्टर आवास पर धरना देते हुए कहा कि किसान बेहाल हैं और प्रशासन मूकदर्शक बना बैठा है। खाद वितरण की सही व्यवस्था नहीं हो रही है। यदि हालात नहीं सुधरे तो आंदोलन और भी उग्र होगा।

आला अधिकारी मौके पर पहुंचे

विवाद बढ़ने पर एसपी असित यादव, एएसपी संजीव पाठक और एडीएम एलके पांडेय भी मौके पर पहुंचे। ये सभी अधिकारी विधायक को समझाने में जुटे रहे। इसी दौरान विधायक ने चंबल संभाग के कमिश्नर मनोज खत्री से भी फोन पर बातचीत कर हालात की शिकायत की।

एम्स से डॉक्टर बनने के लिये छात्र ने नीट में मिले नंबरो में की हेराफेरी

- दस्तावेजो की जॉच में पकड़ा गया

भोपाल। उत्तर प्रदेश का एक छात्र बारहवीं की परीक्षा पास करने के बाद डॉक्टर बनना चाहता था, लेकिन कई बार नीट की परीक्षा देने के बाद भी उसकी अच्छी रैंक नहीं आने के कारण उसने एम्स भोपाल में मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए एमसीसी की वेबसाइट पर अपनी रैंक व पासिंग मार्क में फेरबदल कर खुद ही अलॉटमेंट लेटर जारी कर लिया। इसके बाद जब वह एम्स भोपाल में एडमिशन लेने पहुंचा तब उसके दस्तावेजों की जांच में सारा फर्जीवाड़ा उजागर हो गया। मामले में एम्स रजिस्ट्रार ऑफिस के सहायक क्लर्क् ने बागसेवनिया थाने में शिकायत की थी। जिसकी जॉच के बाद पुलिस ने धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम किशनपुर थाना राजपुर कानपुर उत्तर प्रदेश निवासी लवकुश प्रजापति पुत्र मुकता प्रसाद(22) ने साल 2021 में 12वीं की परीक्षा पास की थी। इसके बाद उसने नीट की तैयारी करना शुरू कर दिया।

साल 2021, 2022, 2023 और 2024 में उसने नीट की परीक्षा दी थी, लेकिन हर वार वह असफल रहा। उसके नीट की परीक्षा में अच्छे नंबर आए रैंक नहीं आई। लेकिन वह किसी भी तरह मेडिकल की पढ़ाई कर डॉक्टर बनना चाहता था। नीट की परीक्षा में उसकी अच्छी रैंक नहीं आने के कारण उसे किसी भी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन नहीं मिल रहा था। इस कारण उसने हाल ही में एम्स भोपाल में दाखिला लेने के लिए मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) इंडिया की वेबसाइट पर जाकर अपना रोल नंबर बदला। उसे नीट परीक्षा में 720 में से 130 नंबर मिले थे, जिसे बदलकर उसने 630 कर दिया और अपनी रैंक बदल ली। इसके बाद छात्र ने वेबसाइट से एम्स भोपाल में दाखिला लेने के लिए अलॉटमेंट लेटर भी जारी कर लिया। सभी फर्जी दस्तावेज लेकर वह विरार मुंबई से 25 अगस्त को भोपाल पहुंचा और एम्स के रजिस्ट्रार ऑफिस में दस्तावेज जमा करा दिए। रजिस्ट्रार ऑफिस में छात्र लवकुश प्रजापति के दस्तावेजों की जांच की गई तो पता चला कि वह रोल नंबर एक छात्र का भुवनेश्वर मेडिकल कॉलेन में एडमिशन हो चुका है। इसके बाद एम्स रजिस्ट्रार ऑफिस के सहायक क्लर्क प्रशांत कुमार मिश्रा पिता योगेश कुमार मिश्रा निवासी ऐशबाग ने इसकी लिखित शिकायत पुलिस से की थी। जिसकी जांच के बाद पुलिस ने आरोपी छात्र लवकुश प्रजापति के खिलाफ धोखाधड़ी सहित धाराओं में मामला कायम कर लिया।

अवमानना मामले में कलेक्टर से स्पष्टीकरण मांगा

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने पूर्व आदेश की नाफरमानी के रवैये को आड़े हाथों लिया। इसी के साथ कलेक्टर मंडला सोमेश मिश्रा को अवमानना नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब कर लिया। इसके लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। अवमानना याचिकाकर्ता मंडला निवासी मुकेश श्रीवास की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग मंडला द्वारा पांच मार्च, 2028 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पौड़ी लिंगा विकासखंड मंडला जिला मंडला में प्रयोगशाला व पुस्तकालय कक्ष निर्माण हेतु राशि 25,61,488 रूपये प्राचार्य शासकीय उच्च माध्यमिक शाला पौड़ीलिंग के शासकीय बैंक खाता में राशि जमा करायी गई थी, जिसका आहरण भी कर लिया गया था। लेकिन न तो लैब का निर्माण हुआ और न ही भवन का। जिस पर संबंधित अधिकारियों को शिकायत दी गई,उसके उपरांत हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। जिस पर सीजे की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने मंडला कलेक्टर को चार सप्ताह में जांच कर याचिकाकर्ता को जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे, साथ ही कहा था कि यदि आवेदक जांच से संतुष्ट नहीं होता है तो वह पुन- याचिका दायर करने स्वतंत्र है। आवेदक की ओर से कहा गया कि आदेश के बावजूद भी कलेक्टर द्वारा किसी प्रकार की जांच नहीं की गई, जो कि न्यायालय की अवमानना है।

मंत्रालय कर्मचारी को सुनार ने लगाई लाखो की चपत

पॉच तोला के जेवरात सहित 11 लाख की नगदी लेकर हो गया चंपत

भोपाल। हबीबगंज थाना इलाके में एक सुनार ने मंत्रालय में पदस्थ कर्मचारी को लाखों रूपए का चूना लगा दिया। फरियादी ने अपनी बहन की शादी के लिए नये जेवरात बनवाने और पुराने जेवरात साफ-सफाई के लिये करीब पांच तोला वजनी सोने के सहित अलग-अलग समय में उसे 11 लाख रूपए थे। इसके बाद आरोपी नगदी व जेवरात लेकर रफूचक्कर हो गया। बताया गया है की शातिर आरोपी अन्य लोगों को भी इसी तरह लाखों का चूना लगाने के बाद शहर छोडक़र फरार हो गया। पुलिस ने आवेदन जांच के बाद आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस के अनुसार कुंजन नगर बागसेवनिया निवासी दीपक मालवीय (40) ने अपनी शिकायत में बताया की वह शासकीय कर्मचारी हैं, और इनदिनों मंत्रालय में पदस्थ हैं। उनकी अपने एक परिचित के माध्यम से संजीव समांता उर्फ संजू सुनार से जान-पहचान हुई थी। संजीव की दस नंबर स्टाप, हरेकृष्णा मार्केट फस्ट फ्लोर पर स्थित संजू सुनार नाम सोने के जेवरात बनाने व मरम्मत करने की शॉप थी। फरियादी ने फरवरी 2024 से संजू सुनार के पास अपनी छोटी बहन की शादी के लिए सोने के जेवरात बनवाने के लिए अलग-अलग समय में 11 लाख रूपए जमा कराए थे, इसके अलावा उसने करीब पांच तोला वजनी सोने के जेवरात साफ-सफाई और मरम्मत के लिए दिए थे। कुछ दिनों बाद जब वह संजू सुनार के पास साफ-सफाई और मरम्मत के लिए दिए सोने के जेवरात उठाने पहुंचा तो पता चला कि वह दुकान बंद कर चला गया है। फरियादी ने उसकी काफी तलाश की लेकिन उसकी कोई जानकारी नहीं लगी। परेशान होकर फरियादी ने पुलिस में लिखित शिकायत की थी, जिसकी जांच के बाद बीते दिन पुलिस ने आरोपी संजीव समांता उर्फ संजू सुनार के लिखाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

महादेव, मां महामाया, भगवान विष्णु, दैत्य गुरु शुक्राचार्य, शिवराजसिंह चौहान, ओसामा बिन लादेन हाजिर हो....., जनहित याचिका पर सुनवाई 13 अक्टूबर को

इन्दौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में जमीन पर कब्जे से संबंधित एक जनहित याचिका जिसमें महादेव, मां महामाया, भगवान विष्णु, दैत्य गुरु शुक्राचार्य के साथ मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और ओसामा बिन लादेन तथा कुछ तांत्रिकों को पक्षकार बनाया गया है पर सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। हालांकि इसके पहले भी यह याचिका 9 जुलाई को लिस्टेड हुई थी। बता दें कि याचिका (क्रमांक 20350/2025) के रूप में रजिस्टर्ड यह जनहित याचिका फिल्म ओ माइ गॉड की तरह ही हाइकोर्ट में बगैर वकील के जरिए दायर की गई है और इस जनहित याचिका को दायर करने वाले याचिकाकर्ता का नाम है राजेश वर्मा निवासी ग्राम कुड़ाना सांवेर इंदौर। हालांकि फिल्म ओ माइ गॉड की तर्ज पर दाखिल इस याचिका में फिल्म की याचिका से हटकर पक्षकारों के बाकायदा पते भी लिखे गये है। याचिका में पहला पक्षकार भगवान महादेव को बना उनका पता पानीपत हरियाणा तो दूसरा पक्षकार मां महामाया, तीसरा विष्णु और चौथा दैत्य गुरु शुक्राचार्य को बनाया है। इनके अतिरिक्त ओसामा बिन लादेन, चार पांच तांत्रिक के साथ पूर्व सीएम शिवराज चौहान को भी पक्षकार बनाया गया है। हालांकि इनके एड्रेस नहीं लिखे गए हैं। हिंदी में पेश की गई इस याचिका में सांवेर जिले की किसी जमीन पर कथित कब्जे की बात कही गई है।

अमेरिकी ओपन के महिला युगल मुकाबले में लेयला के साथ उतरेगी वीनस

न्यूयॉर्क। अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल से बाहर होने वाली 45 साल की वीनस विलियम्स अब महिला युगल में उतरेंगी। वीनस को वाइल्ड-कार्ड के जरिये प्रवेश दिया गया है। युगल में उनकी जोड़ीदार लेयला फर्नांडीज रहेंगी। वीनस विलियम्स और लेयला फर्नांडीज का मुकाबला पहले ही दौर में छठी वरीयता प्राप्त यूक्रेन की ल्यूडमिला किचेनोक और ऑस्ट्रेलिया की एलेन पेरेज की जोड़ी से होगा। लेयला को न्यूयॉर्क में महिला एकल में 31वीं वरीयता दी गई है। उन्होंने पहले दौर में हमवतन रेबेका मैरिनो को 6-2, 6-1 से हराया। वह 2021 में एकल फाइनल में पहुंचीं, जहां वह ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू से हार गयीं थीं।

वहीं वीनस 2 साल में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं। वीनस महिला युगल की सफलतम खिलाड़ियों में से एक हैं। अपनी बहन सेरेना विलियम्स के साथ उन्होंने 14 ग्रैंड स्लैम महिला युगल खिताब जीते हैं। आखिरी बार 2016 में उन्होंने विंबलडन जीता था। महिला युगल में वह आखिरी बार 2022 में सेरेना विलियम्स के साथ यूएस ओपन में दिखी थी।

2025 अमेरिकी ओपन में वीनस पहले ही महिला एकल और मिश्रित युगल में रीली ओपेल्का के साथ भाग ले चुकी हैं। एकल में उन्हें कैरोलिना मुचोवा से 6-3, 2-6, 6-1 से हार का सामना करना पड़ा है।

वीनस और लेयला महिला युगल ड्रॉ में सात वाइल्ड-कार्ड टीमों में शामिल हैं, जिनमें हैली बैप्टिस्ट और व्हिटनी ओसुइग्वे, रीज ब्रैंटमेयर और एलानिस हैमिल्टन, कारमेन कॉर्ली और इवाना कॉर्ली, क्रिस्टीना पेनिकोवा और थिया फ्रोडिन, क्लर्वी न्गोउए और इवा जोविक, और जूलियट पारेजा और आकाश उरहोबो शामिल हैं।

अश्विन ने आईपीएल से भी संन्यास लिया

चेन्नई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से भी संन्यास की घोषणा कर दी है। अश्विन ने पहले ही टेस्ट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में अब अश्विन किसी भी प्रारुप में पेशेवर क्रिकेट में नहीं दिखेंगे। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास उन्होंने पिछले साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में ही ले लिया था। ये अनुभवी स्पिनर आईपीएल के पिछले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से उतरा था पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा था कि उनको इस बार टीम अपने साथ नहीं रखेगी, इसी को देखते हुए उन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया।

सोशल मीडिया पर अश्विन ने अपनी रिटायरमेंट की घोषणा की है। अश्विन ने लिखा, खास दिन और इसलिए एक खास शुरुआत कहते हैं हर अंत की एक नई शुरुआत होती है। एक आईपीएल क्रिकेटर के तौर पर मेरा समय आज खत्म हो रहा है पर विभिन्न लीगों में खेल के अवसर के तौर पर मेरा समय आज से शुरू हो रहा है। ऐसे में अटकलें हैं कि अब वह विदेशी लीग में खेल सकते हैं।

अश्विन ने कहा, मैं सभी फ्रेंचाइज़ियों , आईपीएल और बीसीसीआई को इतने सालों की शानदार यादों और रिश्तों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, और सबसे बढ़कर को उन्होंने मेरा अभी तक साथ दिया है। अब जो भी आगे होना है मैं उसका आनंद लेने के लिए तैयार हूं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अश्विन ने आईपीएल में कुल 187 विकेट लिए, जिससे उन्होंने पांचवें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में अपने करियर का समापन किया, उन्होंने पांच अलग-अलग टीमों के लिए 16 सत्र खेले हैं।

उमरान मलिक ने बुची बाबू टूर्नामेंट में दो गेंदों पर लिए दो विकेट

चेन्नई । तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने बुची बाबू टूर्नामेंट में अपने गृह राज्य जम्मू कश्मीर की ओर से खेलते हुए ओडिशा के खिलाफ दो गेंदों पर ही दो विकेट ले लिए। उमरान पिछले काफी समय से चोटिल होने और खराब फार्म के कारण खेल से दूर थे। आईपीएल में भी उन्हें अवसर नहीं मिला। सनराइजर्स हैदराबाद ने साल 2024 में ही बाहर कर दिया। इसके बाद से ही माना जा रहा था कि उनका करियर शुरु होने से पहले ही समाप्त हो जाएगा। उमरान ने हालांकि हार न मानते हुए बुची बाबू टूर्नामेंट से फिर वापसी की है। अब दो गेंदों पर दो विकेटों से लगता है कि उनका करियर फिर पटरी पर आ रहा है।

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले सनराइजर्स हैदराबाद से बाहर होना उमरान के लिए बड़ा झटका था पर कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने उन्हें 75 लाख रुपये के आधार मूल्य पर शामिल कर एक और अवसर दिया। बुची बाबू टूर्नामेंट से हमेशा ही कई प्रतिभाएं निखरी हैं।

17 वर्ष की कोयल ने राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में दो स्वर्ण जीते

हावड़ा। ने अहमदाबाद में आयोजित कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 17 वर्ष की कोयल बार ने दो स्वर्ण पदक जीते हैं। बेटी की सफलता देखकर कोयल के माता-पिता बेहद खुश हैं। कोयल के पिता मिथुन मिथुन भी पहले एक वेटलिफ्टर बनना चाहते थे पर सफल नहीं हुए। ऐस में उन्होंने बेटी कोयल को वेटलिफ्टिंग की ट्रेनिंग दिलायी। इसके

कोयल ने साल 2018 में कोच अष्टम दास से वेटलिफ्टिंग सीखनी शुरु की। उसने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। फरवरी 2023 में कोयल का चयन पटियाला में राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ। कोयल ने पढ़ाई के साथ-साथ वेटलिफ्टिंग भी जारी रखी। मंगलवार को अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में कोयल ने 53 किलोग्राम वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीते।

जब कोयल वेटलिफ्टिंग कर रही थीं, तो उनके माता-पिता की नजरें टीवी स्क्रीन पर लगीं थीं। कोयल ने 53 किलोग्राम भारवर्ग में 188 किलोग्राम का पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए 192 किलोग्राम वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 85 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 107 किलोग्राम भार उठाया। कोयल ने युवा और जूनियर, दोनों वर्गों में स्वर्ण जीते। इसके बाद से ही घर में खुशी का माहौल है। कोयल के पिता मिथुन बार ने कहा, मैं वेटलिफ्टिंग करता था, लेकिन मुझे ज्यादा सफलता नहीं मिल सकी। इसलिए अपनी बेटी और बेटे को इस खेल में लाया। मैंने स्वर्ण जीतने के बाद बेटी से बात भी की। मैं बेटी की सफलता से बहुत खुश हूं। मैं चाहता हूं कि कोयल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और आगे बढ़े।

दलीप ट्रॉफी की आज से पारंपरिक जोनल प्रारुप में शुरुआत होगी

नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट का प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी गुरुवार 28 अगस्त से शुरु होगी। इसमें श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल सहित कई स्टार क्रिकेटर भी खेलते दिखेंगे। दिलीप ट्रॉफी एक बार फिर बदलाव के साथ ही अपने अपने परंपरागत जोनल प्रारुप में खेली जाएगी। 50 साल से ज्यादा समय तक ये जोनल इवेंट ही रहे पर पिछले कुछ सालों में कई बार प्रारुप में बदलाव देखा गया।को मिला। जोनल टूर्नामेंट को कभी रंगों के नाम पर तो कभी अल्फाबेट्स के नाम से बदला गया पर फिर से पारंपरिक जोनल प्रारुप में वापसी करनी पड़ी है।

दलीप ट्रॉफी 2025 के साथ ही भारत के घरेलू 2025-26 सत्र की शुरुआत भी होगी। गुरुवार से बीसीसीआई के नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ये मैच खेले जाएंगे। इस बार नॉर्थ का मुकाबला ईस्ट से होगा, जबकि सेंट्रल का मुकाबला नॉर्थ ईस्ट से होगा। विजेता टीमें सीधे सेमीफाइनलिस्ट साउथ और वेस्ट से खेलेंगी।

दलीप ट्रॉफी के लिए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को नोर्थ जोन टीम का कप्तान बनाया गया था। उनकी टीम में पेसर अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा भी शामिल थे पर इन तीनों को 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में खेले जाने वाले एशिया कप 2025 के लिए भारत की टीम में जगह मिल गई है। ऐसे में इन खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर संशय बना हुआ है। इसी कारण जोनल सिलेक्टर्स ने ने तीनों के संभावित विकल्पों की भी घोषणा की है। वहीं ईस्ट की टीम के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन होंगे। इस टीम में मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार खेलेंगे। आकाश दीप और ईशान किशन इंजरी के कारण बाहर रहेंगे। सेंट्रल टीम की बात करें तो नगालैंड के रोंगसेन जोनाथन कप्तान हैं। टीम में ध्रुव जुरेल, रजत पाटीदार और कुलदीप यादव शामिल हैं।

गेमिंग एप पर प्रतिबंध से बीसीसीआई सहित कई क्रिकेटरों को हुआ करोड़ों का नुकसान

मुम्बई । ऑनलाइन गेमिंग एप पर केन्द्र सरकार के प्रतिबंध के फैसले से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सहित कई स्टार क्रिकेटरों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। एक अनुमान के अनुसार प्रतिबंध के फैसले से बीसीसीआई को करीब 245 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं गेमिंग एप का प्रचार कर रहे विराट कोहली से लेकर रोहित शर्मा और महेन्द्र सिंह धोनी को भी करोड़ों रुपयों का नुकसान हुआ है। भारत सरकार के पैसे से जुड़े सभी गेमिंग एप पर पाबंदी लगाने के बाद इन कंपनियों ने सारे विज्ञापन बंद कर दिये हैं और प्रायोजकों से भी करार समाप्त कर दिया है। इसके अलावा भी दर्जनों क्रिकेटरों को केंद्र सरकार के नए आदेश से झटका लगा है।

बीसीसीआई को ड्रीम11 से प्रायोजक के तौर पर सालाना करीब 120 करोड़ रुपये मिलते थे। इसके अलावा आईपीएल का एसोसिएट प्रायोजक माय11सर्किल था, जिसके साथ करीब 125 करोड़ रुपये सत्र का अनुबंध था। इस तरह

बोर्ड को करीब 250 करोड़ का नुकसान हुआ है। बीसीसीआई को हालांकि फिर भी दूसरे प्रयोजक मिल जाएंगे पर इतनी अधिक रकम मिलना संभव नहीं है। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक, विराट, रोहित और धोनी के अलावा अन्य खिलाड़ियों को भी प्रचार के लिए करोड़ों रुपये गेमिंग कंपनियों से मिले रहे थे जो अब नहीं मिलेंगे।

विराट की करें तो उनका मोबाइल प्रीमियर लीग यानी एमपीएल के साथ 10 से 12 करोड़ रुपये का करार था जबकि रोहित शर्मा का 6 से 7 करोड़ का करार डील ड्रीम11 के साथ था। इसी प्रकार धोनी को भी 6 से 7 करोड़ विंजो से मिलते थे। रोहित के अलावा जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, ऋषभ पंत और पांड्या बंधुओं के भी ड्रीम11 के साथ करोड़ों रुपयों के कारण पर जुड़े थे जबकि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़ आदि भी एक गेमिंग कंपनी माय 11 सर्कल से अनुबंधित थे।

पुजारा को लगता था स्टेन, मोर्केल सहित इन गेंदबाजों से डर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज के रुप में लोकप्रिय रहे चेतेश्वर पुजारा ने कई कठिन अवसरों पर टीम को उबारा है। एक भरोसेमंद बल्लेबाज होने के कारण उनकी तुलना पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ से होती रही है। अपने करियर में भारतीय टेस्ट टीम की दीवार बनकर डटे रहे पुजारा ने खुलासा है कि चार गेंदबाज ऐसे रहे हैं जिनका सामना करना उनके लिए काफी कठिन होता था। पुजारा को मुश्किलों में डालने वाले ये गेंदबाज हैं डेल स्टेन, मोर्ने मोर्केल, जेम्स एंडरसन और पैट कमिंस।

अपने करियर में 103 टेस्ट मैच खेलने वाले पुजारा ने ने कहा कि उन्हें जिन गेंदबाजों से डर लगता था उनमें दो दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज हैं पर केसिगो रबाना इसमें शामिल नहीं हैं। वहीं इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का एक-एक गेंदबाज शामिल है। चेतेश्वर पुजारा ने कहा, अपने पूरे करियर मेंस्टेन, नें मोर्केल, एंडरसन और कमिंस मेरे सामने सबसे अधिक परेशानी खड़ी करते रहे हैं।। स्टेन और मोर्केल का सामना पुजारा ने ज्यादा नहीं किया पर कमिंस और एंडरसन के सामने उन्होंने खूब क्रिकेट खेली है। 8 बार कमिंस ने टेस्ट क्रिकेट में उनको आउट किया है। पुजारा ने अपने टेस्ट करियर में सात हजार से अधिक रन बनाये। वह भारतीय टीम के लिए इस प्रारुप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले आठवें बल्लेबाज हैं। सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर, विराट कोहली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली ही उनसे ज्यादा टेस्ट रन बना पाये थे। पुजारा ने अंतिम अंतररष्ट्रीय मैच भारत के लिए जून 2023 में खेला था। ये आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल था। उस मैच के बाद उनको टीम से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन कुछ खास नहीं होने के कारण वह प्रभावित नहीं कर पाये।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मूनी को फील्डिंग कोच, थानाबालासिंगम को फिजियोथेरेपिस्ट बनाया

काबुल । अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने एशिया कप 2025 को देखते हुए आयरलैंड के पूर्व क्रिकेटर जॉन मूनी को फील्डिंग कोच बनाया है। टीम की घोषणा के बाद एसीबी ने मूनी को नया फील्डिंग कोच बनाने की घोषणा कर दी। 43 साल के जॉन मूनी आयरलैंड के पूर्व क्रिकेटर रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से कोचिंग में प्रमाणपत्र हासिल किया है। वह पहले भी अफगानिस्तान के फील्डिंग कोच रहे हैं। वह साल 2018 से 2019 के बीच टीम के फील्डिंग कोच रहे थे। इसके अलावा उनके पास वेस्टइंडीज पुरुष टीम और आयरलैंड महिला टीम के कोच रहने का भी अनुभव है।

मूनी ने आयरलैंड के लिए

91 मैच खेले हैं। उन्होंने ने 2007, 2011 और 2015 के एकदिवसीय विश्व कप भी खेले हैं। इसके साथ ही उन्होंने दो टी20 विश्व कप भी खेले हैं।

वहीं एसीबी ने ऑस्ट्रेलिया के निर्मलन थानाबालासिंगम को टीम का नया फिजियोथेरेपिस्ट बनाया है। थानाबालासिंगम ऑस्ट्रेलिया के फिजियोथेरेपी बोर्ड में पंजीकृत चिकित्सक और ऑस्ट्रेलियाई फिजियोथेरेपी एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने सिडनी विश्वविद्यालय से फिजियोथेरेपी और खेल विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री ली है।

साल 2018 से ही वह कॉनकॉर्ड स्पोर्ट्स मेडिसिन में वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में कार्यरत हैं और यूएई के आईएलटी 20 में डेजर्ट वाइपर्स के फिजियोथेरेपिस्ट रहे हैं। इससे पहले, मार्च 2017 से जून 2018 तक, थानाबालासिंगम ने श्रीलंका क्रिकेट के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण और पुनर्वास प्रबंधक के रूप में कार्य किया था।वह न्यू साउथ वेल्स, बीबीएल में रंगपुर राइडर्स, ग्लोबल टी20 में मॉन्ट्रियल टाइगर्स, आईसीसी वर्ल्ड इलेवन और बीबीएल में सिडनी थंडर जैसी टीमों के फिजियोथेरेपिस्ट रहे हैं।एसीबी के अनुसार मूनी और थानाबालासिंगम अफगानिस्तान टीम से जुड़ गये हैं।

सैमसन ने फिर खेली आक्रामक अर्धशतकीय पारी, एक गेंद पर 13 रन बनाये

तिरुवनंतपुरम। संजू सैमसन का शानदार प्रदर्शन जारी है। सैमसन ने केरल क्रिकेट लीग टी-20 टूर्नामेंट में 46 गेंद में 89 रन बनाकर एक बार फिर एशिया कप के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर अपनी दावेदारी पेश की है। इस दाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज ने दिखा दिया कि अभी भी वह पारी की शुरुआत के लिए एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। इस बल्लेबाज ने कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से 46 गेंद में 89 रन बना दिये। उन्होंने इस मैच में एक गेंद पर 13 रन बनाने का नया रिकार्ड भी बनाया हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम जीत दर्ज नहीं कर पायी।

यहां के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में ब्लू टाइगर्स और टाइटंस का मुकाबला हुआ। सैमसन ने अपनी पारी में चार चौके और नौ छक्के लगाये। त्रिशूर की ओर से 5वां ओवर सिजोमोन

जोसफ ने किया। सैमसन ने ओवर की चौथी गेंद पर छक्का लगाया। तब अंपायर ने इसे नो बॉल बताया। ऐसे में एक गेंद पर ही 7 रन बन गये। नो बॉल के कारण एक अतिरिक्त गेंद मिली जिसपर उन्होंने फिर छक्का लगा दिया। इसप्रकार एक ही गेंद में 13 रन बन गये।

सैमसन ने पिछले मैच में भी शतक लगाया था। उन्होंने एरीज कोल्लम नाविक के खिलाफ 51 गेंद में 121 रन बनाये थे। उनकी पारी के बल पर कोच्चि ने चार विकेट से जीत हासिल की थी पर इस बार सैमसन के 89 रन के बाद भी टीम जीत नहीं पाई। सैमसन की कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने सात विकेट पर 188 रन बनाए थे। वहीं टाइटंस ने पांच विकेट पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। .

अब देखना है कि उन्हें अपने इन प्रदर्शनों का लाभ एशिया कप के लिए मिलता है या नहीं क्योंकि शुभमन गिल को टीम में शामिल किये जाने पर कहा गया था कि वही पारी शुरु करेंगे।

जिम्मेदारी मिलने पर होता है गर्व, प्रदर्शन भी होता है बेहतर- सिराज

मुम्बई। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा है कि जब भी उन्हें जिम्मेदारी मिलती है उन्हें गर्व का अनुभव होता है। सिराज के अनुसार इससे उनका आत्मविश्वास बढने से प्रदर्शन अपने आप ही बेहतर होने लगता है। मुख्य तेज गेंदब जसप्रीत बुमराह के इंग्लैंड दौर पर तीन टेस्ट मैच ही खेलने के कारण सिराज ने सभी मैच में खेलते हुए लगातार गेंदबाजी की। उन्होंने पांच टेस्ट मैचों में 23 विकेट लिए। इससे उन्होंने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने के बुमराह के रिकॉर्ड की भी बराबरी की।

इस दौरे में अपने बेहतरीन

प्रदर्शन के लिए सिराज को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवार्ड भी मिला। मुख्य तेज गेंदबाज बुमराह के नहीं होने पर जिस प्रकार सिराज ने जिम्मेदारी संभाली और अच्छी गेंदबाजी की उसने सभी को प्रभावित किया। इस गेंदबाज ने इंग्लैंड में अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मुझे जिम्मेदारी उठाने का मौका मिलता है, भले ही आप एक साधारण सीरीज देखें, मेरा प्रदर्शन हमेशा बढ़ता है कयोंकि जिम्मेदारी मुझे एक अलग तरह की खुशी देती है और मेरा आत्मविश्वास बढ़ाती है. मैंने आपको एजबेस्टन में बताया था कि लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं, और अब समय आ गया है कि उन सभी बातों को रोक दिया जाए। साथ ही कहा, 卐मैं आमतौर पर बहुत सजग रहता हूं कि मैं क्या कर रहा हूं और लोगों की बेकार बातों पर ध्यान नहीं देता क्योंकि लोग मेरे संघर्ष को नहीं जानते। इसके बावजूद मैंने सोचा कि अब समय आ गया है कि ऐसी बातों को बंद कर दिया जाए क्योंकि यह बहुत ज्यादा हो रहा थ। बुमराह के पीठ की चोट और उनके कार्यभार प्रबंधन के कारण मैदान में नहीं होने पर मैंने गेंदबाजीमें सकारात्मकता बनाए रखने के प्रयास किये। इस दौरान मैंने साथी गेंदबाजों से बात की और उन्हें विश्वास दिलाया कि हम पहले की तरह इस बार भी सफल हो सकते हैं।

नीरज चोपड़ा आज होने वाले डायमंड लीग फाइनल में जीत के इरादे से उतरेंगे

बर्न। भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा गुरुवार को यहां स्विट्जरलैंड में होने वाले डायमंड लीग के फाइनल में जीत के इरादे से उतरेंगे। नीरज ने यहां पहले भी डायमंड लीग का खिताब जीता था। फाइनल के पहले दिन ज्यूरिख के सेचसेलौटेनप्लात्ज में शहर के प्रतिष्ठित ओपेरा हाउस के ठीक सामने एक स्ट्रीट इवेंट में पांच फील्ड स्पर्धाएं होंगी।

नीरज ने इस सत्र में दो डायमंड लीग प्रतियोगिताओं में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। दोहा में 90.23 मीटर के साथ वह दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, पेरिस चरण में 88.16 मीटर के साथ पहले नंबर पर रहे थे। ??फाइनल में अपनी जगह पक्की करने के बाद वह तैयारी के लिए 2025 डायमंड लीग के सिलेसिया और ब्रुसेल्स चरण से बाहर रहे थे। ज्यूरिख में होने वाले फाइनल में सात खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसमें छह खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष 10 का हिस्सा हैं, ऐसे में नीरज को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स मौजूदा डायमंड लीग चैंपियन के रूप में उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती पेश करेंगे। पिछले साल उन्होंने नीरज को हराया था। वहीं जर्मनी के जूलियन वेबर ने साल की शुरुआत में ही दोहा में नीरज को पराजित किया था। इस लीग में लंदन 2012 ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट और पूर्व विश्व खिताब धारक जूलियस येगो भी शामिल होंगे। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा रात 11=15 बजे शुरू होगी।

आइसलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई पर पुजारा को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया

मुम्बई। आइसलैंड क्रिकेट बोर्ड ने चेतेश्वर पुजारा के संन्यास को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई पर व्यंग्य कसा है। पुजारा के पेशेवर क्रिकेट से संन्यास के बाद आइसलैंड क्रिकेट ने ट्वीट किया, जिसमें लिखा गया, 'हम पुजारा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे क्योंकि हमें लगा था कि वह पहले ही संन्यास ले चुके हैं।' अब आईइस लैंड क्रिकेट को ये ट्वीट इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें पुजारा को नजरअंदाज करने और समय से पहले उनका करियर खत्म करने की बात कही गयी है। इस ट्वीट पर हालांकि बीसीसीसीआई ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पुजारा पिछले काफी समय से टीम से बाहर थे और कमेंटेटर के तौर पर काम करे थे। ऐसे में भारत में उन्हें शामिल नहीं किये जाने पर किसी को हैरानी नहीं हुई है। इस बल्लेबाज ने अपना आखिरी मैच 2023 में 7 से 11 जून तक द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के फाइनल में खेला था। अपने 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में पुजारा ने कुल 103 टेस्ट मैच हैं, जिसमें 7195 रन, 19 शतक और 35 अर्धशतक हैं।

ट्रंप को भारत का करारा जवाब

40 नए देशों में कपड़ा निर्यात बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारत के टेक्सटाइल सेक्टर पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के फैसले के बाद भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस नीति को एकतरफा और अनुचित करार देते हुए भारत अब अमेरिकी बाजार के विकल्प तलाशने में जुट गया है। सरकार ने ब्रिटेन, जापान और दक्षिण कोरिया समेत 40 प्रमुख देशों में अपने परिधान और कपड़ा निर्यात का विस्तार करने की योजना बनाई है।

जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी टैरिफ का सबसे बड़ा असर भारतीय टेक्सटाइल उद्योग पर पड़ेगा, जिसमें लाखों लोग रोजगार से जुड़े हैं। अब सरकार का लक्ष्य है कि इन नए बाजारों के जरिए अमेरिकी झटके को संतुलित किया जाए। गौरतलब है कि जिन 40 देशों में भारत संभावनाएं तलाश रहा है, वहां का कुल कपड़ा और परिधान आयात 590 अरब डॉलर का है। फिलहाल भारत की हिस्सेदारी केवल 5-6 प्रतिशत ही है, ऐसे में निर्यात बढ़ाने की व्यापक गुंजाइश मौजूद है।

48 अरब डॉलर तक का नुकसान संभव

परिधान निर्यात संवर्धन परिषद के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने कहा कि अमेरिका के नए टैरिफ के कारण भारत को 48 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हो सकता है। उन्होंने बताया कि भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर ने वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका को 10.3 अरब डॉलर का निर्यात किया था। लेकिन 25 प्रतिशत अतिरिक्त पेनल्टी टैरिफ के कारण भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार लगभग बंद हो गया है।

टेक्सटाइल सेक्टर पर सीधा खतरा

भारत का टेक्सटाइल उद्योग 2024-25 में अनुमानित 179 अरब डॉलर का है, जिसमें से करीब 37 अरब डॉलर का कारोबार निर्यात पर आधारित है। वैश्विक टेक्सटाइल बाजार 800 अरब डॉलर से अधिक का है, लेकिन भारत की हिस्सेदारी केवल 4.1 प्रतिशत है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि भारत समय रहते नए बाजारों पर फोकस करता है, तो न केवल नुकसान की भरपाई होगी बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति और मजबूत हो सकती है।

रणनीति में बदलाव की तैयारी

सरकारी सूत्रों का कहना है कि अमेरिका की सख्ती से घबराने के बजाय भारत इसे एक मौके के तौर पर देख रहा है। 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के तहत सरकार निर्यातकों को नई रियायतें देने पर विचार कर रही है। इससे कपड़ा उद्योग को नई अंतरराष्ट्रीय डील्स हासिल करने में आसानी होगी।

अमेरिका के वित्त मंत्री ने भारत-अमेरिका संबंध बेहतर होने की उम्मीद जताई

नई दिल्ली। अमेरिका के वित्त मंत्री ने बड़ा बयान दिया है और भारत-अमेरिका संबंध बेहतर होने की उम्मीद जताई है। ट्रंप के टैरिफ को लेकर दोनों देशों में अघोषित तनातनी के बीच ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जबकि अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुझे लगता है कि आखिर में हम एक साथ होंगे। ट्रंप के टैरिफ अटैक से ऐन पहले तक भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत लगभग अंतिम दौर में पहुंच गई थी। कुछ मुद्दों को छोड़कर बाकी मसलों पर करीब-करीब आम सहमति बन गई थी। लेकिन फिर ट्रंप ने पहले 25 पर्सेंट, फिर रूस से तेल खरीदने के नाम पर अतिरिक्त 25 पर्सेंट टैरिफ थोप दिए। इसके बाद ट्रेड डील ठंडे बस्ते में जा चुकी है। ट्रेड डील को लेकर जब इंटरव्यू में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से सवाल किया गया तो उनका कहना था कि फिलहाल अभी तक दोनों देशों के बीच डील नहीं हो पाई है। उन्होंने ये भी कहा कि अभी तक की बातचीत में भारत का रवैया क्रियात्मक रहा है।

जर्मन अखबार का दावा, ट्रंप ने पीएम मोदी से चार बार फोन पर बात करने की कोशिश की

जर्मन अखबार के लेख में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चार बार कॉल करने की कोशिश से जुड़े दावे की राजनीतिक गलियारों में चर्चा है। जर्मन अखबार का दावा है कि ट्रंप की ओर से चार बार पीएम मोदी से फोन पर बातचीत की कोशिश की गई। अखबार ने लिखा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने चारों ही बार ट्रंप से बात करने से इंकार कर दिया। इस अखबार के दावे पर अभी तक भारत सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, हालांकि सूत्रों ने इन दावों को खारिज किया है।

जर्मन अखबार ने भारत-अमेरिका संबंधों के आयाम और ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच पैदा हुए विवाद पर विस्तार से टिप्पणी की है। इसके अनुसार जिस शर्मनाक तरीके से अमेरिकी राष्ट्रपति उपमहाद्वीप को अपनी अर्थव्यवस्था खोलने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, वह भारत सरकार के मुखिया को अतीत के एक कड़वे अनुभव की याद दिलाता है।

अखबार ने लिखा है कि फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में अपने अतिथि की महान नेता कहकर प्रशंसा की और मोदी को हमारी साथ-साथ यात्रा पर एक फोटोबुक भेंट की। अब ट्रंप ने अपना सुर बदल दिया है और गौरवशाली देश भारत को मृत अर्थव्यवस्था कहा है। ट्रंप की भड़ास दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश में अमेरिकी एग्रीकल्चर कंपनियों को प्रवेश नहीं देने से दिख रही है।

इस लेख के अनुसार इसके संकेत हैं कि प्रधानमंत्री ट्रंप से नाराज हैं। हाल की सूचनाओं के अनुसार हाल के सप्ताहों में ट्रंप ने चार बार पीएम मोदी से बात करने की कोशिश की, लेकिन पीएम मोदी ने इंकार कर दिया। अखबार का मानना है कि इस घटनाक्रम में हैरानी की बात यह है कि ट्रंप ने मोदी को मनाने के लिए कई कोशिशें की हैं। लेकिन भारत का अभी भी बातचीत से इंकार करना उनके गुस्से की गहराई को दिखाता है। लेकिन भारत का ये व्यवहार उसकी कूटनीतिक सावधानी को भी दिखाता है।

भोजपुरी स्टार निकला सरगना, हथियारों का जखीरा बरामद

पटना। बिहटा की गलियां जब सन्नाटे में डूबी थीं तब पटना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर महाकाल गैंग के ठिकानों पर धावा बोल दिया। सिटी एसपी (पश्चिमी) भानु प्रताप सिंह की अगुवाई में डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट, बिहटा थानाध्यक्ष और आईआईटी अम्हारा थानाध्यक्ष की विशेष टीम ने घोडाटाप इलाके में छापेमारी की। इस ऑपरेशन में गैंग के दो कुख्यात सदस्य हरेराम सिंह और विनीत कुमार हथियारों के जखीरे के साथ धर लिए गए। भोजपुरी कलाकार अभिषेक सिंह के नेतृत्व वाला यह गैंग अवैध हथियारों की तस्करी और सोशल मीडिया पर दहशत फैलाने में सक्रिय था। पकड़े गए गुर्गों के पास से तीन राइफल, 340 कारतूस और पांच लाख रुपये बरामद किए गए हैं। बता दें कि महाकाल गैंग का नेटवर्क बिहटा से भोजपुर तक फैला है जिसमें 10-15 सदस्य शामिल हैं। पुलिस अब फरार सदस्यों और हथियारों की सप्लाई चेन की तलाश में जुटी है।

बताया जाता है कि महाकाल गैंग बिहटा और भोजपुर में अवैध हथियारों की तस्करी का बड़ा रैकेट चला रहा था। इसका सरगना भोजपुरी कलाकार अभिषेक सिंह है जिसके सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ वायरल वीडियो ने पुलिस को चौंका दिया था।गैंग थोक में हथियार और कारतूस मंगवाकर स्थानीय बदमाशों को बेचता था। सोशल मीडिया में बंदूकों के साथ दहशत भरे वीडियो डालकर यह गैंग इलाके में अपनी दबंग छवि बनाता था।

सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि गैंग के बाकी सदस्यों को पकड़ने के लिए छापेमारी तेज कर दी गई है। सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए विशेष सेल बनाया गया है, ताकि ऐसे अपराधियों की गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई हो। पुलिस का लक्ष्य गैंग के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना और अवैध हथियारों की तस्करी को जड़ से खत्म करना है। यह कार्रवाई बिहटा में कानून-व्यवस्था बहाल रखने की दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

छापेमारी में पुलिस ने तीन राइफल, एक रिवॉल्वर, 340 जिंदा कारतूस (12 बोर की 131, 7.65 एमएम की 110, .315 बोर की 80, .32 बोर की 19), पांच लाख रुपये नकद, तीन बट कवर और तीन मोबाइल फोन बरामद किए। हथियारों का यह जखीरा गैंग की ताकत और उनके अपराधी नेटवर्क की पहुंच को बताने के लिए काफी है। बता दें कि पकड़े गए विनीत कुमार पहले भी रंगदारी और आर्म्स एक्ट में जेल जा चुका है जबकि हरेराम सिंह का हत्या के मामले में आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस सूत्रों की जानकारी के अनुसार, महाकाल गैंग का नेटवर्क बिहटा और मनेर से लेकर भोजपुर तक फैला है जिसमें 10 से 15 सदस्यों की पहचान हो चुकी है। महाकाल गैंग के अन्य सदस्य जैसे सोनू कुमार, सुमीत कुमार, निरंजन कुमार और अभिषेक कुमार अभी फरार हैं। बता दें कि बीते जुलाई महीने में सोनू और सुमीत को 80 कारतूस के साथ पकड़ा गया था। पुलिस को शक है कि यह गैंग बिहार के अन्य जिलों और संभवतः पड़ोसी राज्यों में भी सक्रिय हो सकता है।

भाजपा में ज्यादा है चुनौती- पश्चिम बंगाल में विस चुनाव के पहले नेताओं में मचेगी भगदड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में जैसे-जैसे 2026 के विधानसभा चुनाव नज़दीक आ रहे हैं, राज्य की भाजपा में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आने लगी है। पार्टी की दो प्रभावशाली नेताओं (लॉकेट चटर्जी और भारती घोष) को हाल ही में दो अहम कार्यक्रमों से बाहर रखे जाने से विवाद गहरा गया है। सूत्रों के मुताबिक, दमदम में प्रधानमंत्री की सभा के दौरान भाजपा की प्रदेश महासचिव लॉकेट चटर्जी को मंच पर नहीं बुलाया गया। इसी तरह, महिला शक्ति सम्मेलन में पूर्व आईपीएस और नेता भारती घोष को आमंत्रित नहीं किया गया। दोनों नेताओं ने इस मामले को लेकर दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से शिकायत की है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की गुटबाज़ी 2026 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। हालांकि, केंद्रीय नेतृत्व बार-बार राज्य इकाई को एकजुट होकर काम करने का निर्देश दे रहा है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर मतभेद लगातार बढ़ते दिख रहे हैं। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे पहले सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष में भी राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इस बार बीजेपी के खेमे से बड़ी खबर सामने आई है। पहली घटना प्रदेश में भाजपा की दिग्गज नेता और महासचिव लॉकेट चटर्जी से जुड़ी है। दूसरा मामला बीजेपी नेता भारती घोष से जुड़ा हुआ है। इन दोनों के साथ कुछ ऐसी घटना घटी कि इसकी गूंज पार्टी के टॉप लीडरशिप तक पहुंच गई। इसके साथ ही चुनावी माहौल में पार्टी के अंदर मची खींच-तान के संकेत भी मिलने लगे हैं। अब यह ममता बनर्जी के लिए कितना बड़ा राजनीतिक मौका हो सकता है, यह तो वक्त ही बताएगा, पर फिलहाल बीजेपी का इंटरनल माहौल इन दोनों घटनाओं से गर्माया हुआ है। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने दावा किया है कि यह सब उनकी जानकारी के बिना हुआ, लेकिन विवाद का असर काफ़ी दूर तक गया है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी राज्य नेतृत्व से पूछा है कि आखिर दमदम की सभा में लॉकेट चटर्जी को क्यों नहीं बुलाया गया? यह पहला मौका नहीं है जब वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी हुई हो। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को लगातार तीन बार प्रधानमंत्री की सभाओं में नहीं बुलाया गया। दमदम दौरे के वक्त दिलीप घोष बेंगलुरु में थे, लेकिन उन्होंने इसके बाद संकेत दिया कि वे एक बार फिर खड़गपुर से चुनाव लड़ने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उनका वहां पारिवारिक नाता है और वे खुद उस क्षेत्र के मतदाता हैं। इन घटनाओं ने साफ कर दिया है कि बंगाल भाजपा में गुटबाज़ी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। ज़िला स्तर पर भी बैनर पॉलिटिक्स देखने को मिल रही है। हाल ही में तामलुक संगठनात्मक ज़िला बैठक के बैनर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की तस्वीरें थीं, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य का चेहरा गायब था।

पहले संघ की प्रार्थना और अब मंदिर पर टिप्पणी कर फंसे उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पिछले कई दिनों से विवादों में हैं। उन्होंने राज्य विधानसभा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की प्रार्थना बोली और अपनों के निशाने पर आ गए। इस विवाद से छुटकारा मिलता इससे पहले उन्होंने मंदिर की संपत्ति को लेकर विवादित टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि मंदिर की संपत्ति हिंदुओं का हक नहीं है। इस पर भाजपा हमलावर हो गई और डीके शिवकुमार पर आरोपों की झड़ी लगा दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मैसुरू स्थित चामुंडी हिल, जहां प्रसिद्ध चामुंडेश्वरी मंदिर स्थित है, केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है। इस बयान पर विपक्षी दल भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शिवकुमार ने यह बयान अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित बानू मुश्ताक को इस वर्ष 22 सितंबर को चामुंडी हिल की चोटी पर विश्व प्रसिद्ध मैसुरू दशहरा-2025 समारोह का उद्घाटन करने के लिए दिए गए सरकारी निमंत्रण के विरोध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिया। शिवकुमार के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा, चामुंडी पहाड़ी पक्के तौर पर हिंदुओं की संपत्ति है, मुसलमानों की नहीं। मैसुरू के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने भी शिवकुमार के बयान की निंदा की। हालांकि, मुश्ताक ने कहा है कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है और उनके पुराने भाषण के कुछ चुनिंदा हिस्सों को सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया है। भाजपा नेताओं और अन्य लोगों ने राज्य सरकार द्वारा मुश्ताक को दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के फैसले पर आपत्ति जताई है। इससे पहले एक वीडियो सामने आया था जिसमें मुश्ताक ने कथित तौर पर कन्नड़ भाषा को 'देवी भुवनेश्वरी' के रूप में पूजने पर आपत्ति जताई थी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र सहित पार्टी के कई नेताओं ने सोमवार को मुश्ताक से दशहरा का उद्घाटन करने की सहमति देने से पहले देवी चामुंडेश्वरी के प्रति उनकी श्रद्धा स्पष्ट करने को कहा था।

हंगामे के बाद तीन दिन में सैयदा हमीद ने लिया यू-टर्न

नई दिल्ली। बांग्लादेशियों के पक्ष में बयान देकर विवादों में घिरीं सामाजिक कार्यकर्ता और योजना आयोग की पूर्व सदस्य सैयदा हमीद ने अब अपनी ही बात पर यू-टर्न ले लिया है और कहा है कि अवैध रूप से घुसे बांग्लादेशियों को देश से बाहर किया जाना चाहिए। हमीदा की ताजा टिप्पणी भारी विरोध और सियासी विवादों के बाद आई है। उन्होंने मंगलवार को एक कार्यक्रम में अपने बयान पर यू-टर्न लिया। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हमीद ने स्वीकार किया कि उनकी टिप्पणी से हलचल मच गई थी। सैयदा हमीद ने कहा, असम का मेरा अनुभव बेहद खूबसूरत है। 1997 से महिला आयोग और योजना आयोग का हिस्सा रहते हुए, मैं असम के हर हिस्से में गई हूँ। लेकिन मुझे कभी इस बात का एहसास नहीं हुआ कि मैं एक मुसलमान और एक महिला हूँ। अचानक, मेरा नाम पूरे भारत में गूंजने लगा। बांग्लादेशी अब एक अपशब्द बन गया है। यह अब एक भयावह शब्द बन गया है। उन्होंने आगे कहा, अगर कुछ बांग्लादेशी भी आ गए हैं, तो उनके साथ बैठिए, उनसे बातचीत कीजिए और उन्हें वापस भेजिए।

सैयदा हमीद ने पहले क्या कहा था?

इससे पहले सैयदा हमीद ने रविवार को कहा था, बांग्लादेशी भी इंसान हैं, धरती बहुत बड़ी है, बंगलादेशी भी यहाँ रह सकते हैं। अल्लाह ने यह धरती इंसानों के लिए बनाई है, शैतान के लिए नहीं। किसी इंसान को इतनी बेरहमी से क्यों निकाला जाए। इसके साथ ही उन्होंने असम की हिमंता विस्वा सरमा सरकार पर बेदखली अभियानों के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ अमानवीय कृत्य करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि असम सरकार मुसलमानों को बंगलादेशी बता रही है। हमीद के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि हमीद अवैध घुसपैठियों का समर्थन कर रही हैं और उनके बयान को इसका सबूत बताया था। सरमा ने कहा था कि ऐसे लोग ही "असम को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने के जिन्ना के सपने को साकार करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने दावा किया कि हमीद जैसे लोगों के मौन समर्थन के कारण असमिया लोगों की पहचान विलुप्त होने के कगार पर है। मुख्यमंत्री सरमा ने मानवाधिकार कार्यकर्ता हमीद को गांधी परिवार का करीबी और विश्वासपात्र भी बताया था। विवाद मचने के बाद हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं ने सैयदा हमीद की हालिया टिप्पणी के खिलाफ मगलवार को प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि वह असम में बांग्लादेशी घुसपैठियों का बचाव कर रही हैं।

जनता की अदालत में पहुंचा चुनाव आयोग...

विदेशियों, घुसपैठियों का नाम हटना चाहिए या नहीं?

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) को लेकर मचे शोर-शराबे के बीच चुनाव आयोग ने जनता की अदालत का रुख कर देश के हर नागरिक से पांच सवाल पूछे हैं और विशेष पुनरीक्षण कार्य में उनका सहयोग मांगा है। आयोग की तरफ से जारी किए इन सवालों का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है, ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें। आयोग ने लोगों से कहा है कि अगर वे आयोग के सवालों से सहमत हैं, तब इस विशेष पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करें।

आयोग ने हरेक मतदाता से पूछे हैं

1. क्या मतदाता सूची की गहन जाँच होनी चाहिए या नहीं?
2. क्या दिवंगत लोगों के नाम हटाए जाने चाहिए या नहीं?

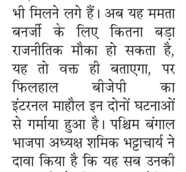

3. अगर किसी का नाम मतदाता सूची में दो या अधिक स्थानों पर है, तब क्या उसे केवल एक ही स्थान पर रखा जाना चाहिए या नहीं?
4. क्या उन लोगों के नाम हटाए जाने चाहिए जो दूसरी जगह चले गए हैं?
5. क्या विदेशियों के नाम हटाए जाने चाहिए या नहीं?

इतना ही नहीं आयोग ने कहा है कि अगर आपका उत्तर हाँ है, तब मतदाता सूची को ठीक करने के इस कठिन कार्य में आयोग की सफलता में योगदान दें। इस बीच, आयोग के अधिकारियों का कहना है कि सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने और चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए पिछले छह महीने में सभी दलों के साथ संवाद की नयी व्यवस्था के साथ 28 ठोस कदम उठाए गए हैं जिससे बिहार में सूची की सफाई का काम सहज ढंग से चल रहा है।

आयोग ने बीते छह महीने से राजनीतिक दलों के साथ उप-मंडल, जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यवस्थित बैठक का कार्यक्रम चलाया है। मार्च में सभी राज्यों में उप-मंडल पर मतदाता-पंजीयन अधिकारियों (ईआरओ) से लेकर राज्य स्तर पर मुख्य चुनाव अधिकारियों ने राजनीतिक दलों के साथ 4719 बैठकें आयोजित की । इनमें विभिन्न दलों के कुल 28,000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें 40 बैठकें मुख्य चुनाव अधिकारियों ने, 800 जिला निर्वाचन अधिकारियों और 3879 मतदाता पंजीयन ने ली थी।

महज 10 दावे और आपत्तियां ही मिलीं

आयोग ने बताया कि 25 अगस्त की सुबह तक सभी राजनीतिक दलों से प्रारूप नामावली से जुड़े महज 10 दावे और आपत्तियां ही आयोग को प्राप्त हुई हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि सभी 10 दावे और आपत्ति क्षेत्रीय पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सवादी- लेनिनवादी) के बीएलओ के माध्यम से प्राप्त हुई हैं। आयोग के सूत्रों ने कहा कि आपत्तियों के निष्पादन की प्रक्रिया जारी है। आयोग ने इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी है।

धर्मेंद्र प्रधान और नीतीश की दो घंटे चली बैठक...सम्राट चौधरी और संजय झा रहे मौजूद

पटना। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। दो घंटे की लंबी बैठक को बिहार की राजनीति में एक बड़े संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की मौजूदगी ने मुलाकात को महत्वपूर्ण बना दिया। बताया जा रहा हैं कि मुलाकात के दौरान आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव, एनडीए गठबंधन की एकजुटता और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। लेकिन केंद्रीय मंत्री प्रधान की नीतीश कुमार से मुलाकात को बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। राजनैतिक जानकार बताते हैं कि धर्मेंद्र प्रधान को भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख रणनीतिकारों में से एक माना जाता है, और बिहार में जब भी बीजेपी और जेडीयू के गठबंधन में कोई मतभेद या तनाव की स्थिति आती है, तब प्रधान अक्सर 'संकटमोचक' की भूमिका में सामने आते हैं।

बात दें कि धर्मेंद्र प्रधान का

बिहार से गहरा नाता है। वर्ष 2012 में वे बिहार से राज्यसभा सांसद चुने गए और 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की जीत में अहम रणनीतिकार बनाकर उभरे थे। जब भी बीजेपी और जदयू के बीच तनाव की स्थिति बनी, तब धर्मेंद्र ने बिगड़ी बात को संभाल लिया है। राजनीति के जानकार कहते हैं कि प्रधान की मुख्यमंत्री नीतीश से नजदीकी और बिहार की जमीनी समझ उन्हें एनडीए के लिए महत्वपूर्ण बनाती है।

बता दें कि आगामी 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को जदयू का समर्थन पहले ही मिल चुका है। बताया जा रहा है कि प्रधान और नीतीश कुमार की मुलाकात में इस समर्थन को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, एनडीए के भीतर छोटे सहयोगी दलों-जैसे चिराग पासवान की लोजपा, जीतन राम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की रालोसपा के साथ तालमेल पर भी चर्चा हुई।

बताया जा रहा हैं कि बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखें जल्द ही घोषित हो सकती है और एनडीए के सामने सीट बंटवारा अभी भी बड़ी चुनौती है। बीजेपी और जदयू, दोनों ही अधिक सीटों पर दावा कर रहे हैं। वहीं, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टियों के भी अपने-अपने दावे हैं।

भिवानी में मनीषा को श्रद्धांजलि देने हुई सभा, सीबीआई मामले की जल्द जांच पूरी करे

भिवानी। हरियाणा के भिवानी में 11 को लापता हुई और 13 अगस्त को मृत मिली, शिक्षिका मनीषा की श्रद्धांजलि सभा हुई। इस सभा में कई लोग शामिल हुए, जिन्होंने मनीषा के पिता संजय को सांत्वना दी। मनीषा के पिता संजय ने सीबीआई जांच की मांग को तुरंत स्वीकार करने के लिए नायाब सरकार का धन्यवाद किया, लेकिन उन्होंने सीबीआई से जल्द से जल्द जांच पूरी करके चार्जशीट दाखिल करने की अपील की। मनीषा के पिता संजय ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस उन लोगों को परेशान कर रही है जिन्होंने उनके परिवार का समर्थन किया था। उन्होंने प्रशासन से ऐसा न करने की अपील की। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) ने अपने युवा प्रदेशाध्यक्ष रवि आजाद को पद से हटा दिया है।

ऑनलाइन सट्टे पर किरनापुर पुलिस ने की बड़ी कार्यवाही

3 आरोपियों के साथ पुलिस ने 2 लाख से अधिक के उपकरण किये जप्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। किरनापुर पुलिस ने ऑनलाइन सट्टे पर बड़ी कार्रवाई की है। जिसकी जानकारी किरनापुर पुलिस द्वारा स्थानीय कंट्रोल रूम में प्रेस वार्ता का आयोजन कर दी । पुलिस द्वारा बताया गया कि किरनापुर क्षेत्र के एक युवक के साथ छत्तीसगढ़ राज्य के दो युवक एक मकान में ऑनलाइन सट्टा एप के माध्यम से खिलाने का कार्य करते थे, जिसका पूरा सेटअप पुलिस द्वारा जप्त किया गया है , जिसमें पुलिस को 15 मोबाइल फोन, 13 बैंक पासबुक 10 चेकबुक, 08 एटीएम कार्ड, 02 रजिस्टर, एक एचपी कंपनी का लैपटॉप, 02 जियो फाइबर उपकरण तथा 01 एंटीना सिस्टम जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 2,00,000 रूपये बताई जा रही है जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया हैं ।

आपको बता दे की 27 अगस्त को शाम 6.30 बजे किरनापुर पुलिस द्वारा स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में ऑनलाइन सट्टे की जानकारी प्रेस वार्ता के माध्यम से दी गई , जिसमें लांजी क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी ओम प्रकाश द्वारा बताया गया कि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा जिले में जुआ, सट्टा, अवैध शराब एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही हेतु सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पन्द्रो , अनुविभागीय अधिकारी लांजी एवं थाना किरनापुर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुये ऑनलाईन सट्टा खिलाने वाले 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में 26 अगस्त को थाना किरनापुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड नंबर - 01 में पारस दुबे अपने मकान में ऑनलाईन सट्टा चला रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी किरनापुर अशोक ननामा के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मौके पर पहुँचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की गई , जिसमे मौके पर पारस दुबे अपने साथियों मोहम्मद शोएब निवासी भिलाई छ.ग.एवं रामेश्वर राजपूत निवासी दुर्ग छ.ग. के साथ मोबाइल एवं लैपटॉप के माध्यम से WIN-BUZZ एप/वेबसाइट पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करते पाया गया । तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर बताया कि वे अजीम अंसारी निवासी भिलाई छ.ग. के कहने पर ऑनलाईन सट्टा गेम चला रहे है। आरोपी अजीम अंसारी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम रवाना की गई है। गिरफ्तार किये गये आरोपियों के कब्जे से 15 मोबाइल फोन, 13 बैंक पासबुक एवं 10 चेकबुक, 08 एटीएम कार्ड, 02 रजिस्टर जिनमें खाता विवरण अंकित है, एक एचपी कंपनी का लैपटॉप चार्जर सहित, 02 जियो फाइबर उपकरण तथा 01 एंटीना सिस्टम कुल करीब 2,00,000 रूपये कीमत की सामग्री जप्त की गई है। जिसमे गिरफ्तार आरोपी पारस पिता गणेश दुबे उम्र 24 वर्ष निवासी वार्ड- 01, किरनापुर, मो. शोएब पिता मो. सलीम उम्र 18 वर्ष निवासी भिलाई छत्तीसगढ़, ,रामेश्वर पिता ज्वालासिंह राजपूत उम्र 28 वर्ष निवासी भिलाई छत्तीसगढ़ पर अपराध क्रमांक 316/2025 धारा-3/4 पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट, 112 (2) भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्यवाही की गयी है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी किरनापुर अशोक ननामा, सउनि. उमेश मिश्रा, आर. शिवकुमार फुरोचिया, आर. आशीष पांडे, आर. अरविंद जाटव, आर. अनिल राणा, आर. विष्णु ठाकुर, आर. रवि जाटव, आर. शेरसिंह बघेल, आर. श्रीकांत राठौर एवं आर. विवेक तिवारी की भूमिका रही।

300 रूपये की कॉइन खरीद कर होता था गेम शुरू

अनुविभागीय अधिकारी ओम प्रकाश ने यह भी बताया कि आरोपित एक एप के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा गेम खिलाने का कार्य करते थे। जिसमें खेलने वालों को ऑनलाइन कॉइन खरीदना होता था, जिसमें खेलने वालों को सबसे पहले मिनिमम 300 रूपये की कॉइन खरीद कर ही इस गेम को शुरू किया जाता था, हालांकि अभी पुलिस द्वारा यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह ऑनलाइन सट्टा गेम कितने लोग खेल रहे थे और इसमें अब तक कितने लोगों ने कितनी राशि लगाई है और क्यों आखिर छत्तीसगढ़ राज्य के यह आरोपित बालाघाट के किरनापुर में आकर यह ऑनलाइन सट्टा खिला रहे थे, पुलिस ने अभी तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड ली है और इनका एक मास्टरमाइंड अंजीम अंसारी पुलिस गिरफ्त के बाहर है । जिसके लिए पुलिस ने टीम रवाना कर दी है । बाकी अन्य बातों का खुलासा पुलिस रिमांड के बाद ही स्पष्ट कर पाएगी । पुलिस को रजिस्टर भी प्राप्त हुआ है , जिसमें यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि कुछ लोगों के नाम भी इस रजिस्टर में लिखे हुए हैं , जिसकी जाँच होने के बाद पुलिस खुलासा करेंगी ।

कीटनाशक के प्रभाव में आने से कृषक खेत में ही बेहोश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खेत की फसल में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय एक कृषक कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से खेत मे ही बेहोश हो गया ।बेहोश कृषक नरबद पिता हंस लाल पंचेश्वर 60 वर्ष ग्राम बनाथर थाना हुगली जिला सिवनी निवासी है।

जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषक नरबद पंचेश्वर अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी दो लड़के और तीन लड़की है। सभी की शादी हो चुकी है। नरबद पंचेश्वर अपने संयुक्त परिवार में रहते हैं ।27 अगस्त को 9ः00 बजे करीब नरबद पंचेश्वर अपने खेत फसल में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए गये थे। खेत में स्प्रे पंप से कीटनाशक दवाई फसल में छिड़काव करते समय अचानक कृषक नरबद पंचेश्वर कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से खेत में ही बेहोश हो गये। जिसे खेत पड़ोसी ने बेहोशी की हालत में देखें और उसके परिवार वालों को बताएं और शरबत पंचेश्वर के परिवार के लोग खेत पहुंचे और उसे घर लाये। जिसके बाद नरबद पंचेश्वर को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

गले में सेव काटने का चाकू घुसने से लड़की घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी के वार्ड नंबर 2 सम्राट नगर में सेब काटने का चाकू गले में घुसने से एक लड़की घायल हो गई ।घायल लड़की कुमुद पिता अनुराग डायरे 18 वर्ष ग्राम अतरी थाना खैरलांजी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुमुद डायरे मूल रूप से ग्राम अतरी थाना खैरलांजी की निवासी है और वह वार्ड नंबर 2 सम्राट नगर वारासिवनी में अपनी अपनी बड़ी मम्मी के घर भाई नवनीत डायरे के साथ रहकर पॉलिटेक्निक कॉलेज में सिविल की पढ़ाई कर रही है। 27 अगस्त को कुमुद का उपवास था। 1ः00 बजे करीब कुमुद ने चाकू से सेव काटकर खाये और चाकू को टोकरी में रखती थी और टोकनी को भूल वश कुमुद ने बिस्तर में ही रख दी थी। कुमुद को ध्यान नहीं रहा और वह बिस्तर में सो रही थी। तभी टोकनी का चाकू उसके गले में घुस गया। खून निकलने पर कुमुद ने अपने परिवार वालों का आवाज दी। जिसके बाद चाकू गले में घुसने से घायल कुमुद को उसके भाई नवनीत और बड़ी मम्मी के लड़के पंकज ने वारासिवनी के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद कुमुद को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

पत्रकार मिलिंद ठाकरे के खिलाफ सोशल मीडिया में अपमानजनक टिप्पणी करने पर आसीफ खान पर 20 हजार का जुर्माना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पत्रकार मिलिंद ठाकरे के खिलाफ सोशल मीडिया में अशोभनीय व अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में प्रतिवादी आसीफ खान मलाजखंड भिमजोरी निवासी दोषी पाया गया। साथ ही न्यायालय ने प्रतिवादी आसिफ खान पर 20 हजार रूपये मानहानि की राशि भी अधिरोपित की है। ज्ञात हो कि पत्रकार मिलिंद ठाकरे द्वारा न्यायालय में परिवाद पेश किया गया था। परिवाद में वादी मिलिंद ठाकरे द्वारा माननीय न्यायलय को बताया गया कि वह समाचार संकलन के लिये वह अपने पत्रकार मित्रो के साथ बिरसा क्षेत्र में गया हुआ था। इसी दौरान रास्ते में ग्राम पल्हेरा के पास 2 ट्रेक्टर रेत का परिवहन करते पाये गये। जिसकी सूचना तत्काल अनुविभागीय अधिकारी बैहर व वन परिक्षेत्र अधिकारी बैहर को दी गयी तथा रेत से भरे ट्रेक्टरों की वीडियो व्हाट्सएप के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी बैहर को भेजी गयी। एवं उसी दिन उक्त घटना का समाचार भी अपने दैनिक समाचार पत्र राष्ट्रबाण में 29.06.2019 के अंक में प्रकाशित किया गया तथा उक्त कटिंग की पोस्ट अपने फेसबुक एकाउंट पर की गयी। जिस पर प्रतिवादी आसीफ खान द्वारा मनमाने कमेंट्स करते हुये वादी पत्रकार मिलिंद ठाकरे को आपत्तिजनक टिप्पणी की गई और सार्वजनिक रूप से ऐसे आरोप आसीफ खान द्वारा मिलिंद ठाकरे पर लगाये गये, जो कि समाज में उनकी छवि और उनके पेशे को बदनाम कर रहे थे। जिसकी वजह से उनकी सार्वजनिक रूप से छवि धूमिल हुई थी। आसीफ खान द्वारा लगाये गये उक्त झूठे आरोपों के कारण पत्रकार मिलिंद ठाकरे की अत्यधिक मानहानि हुयी है तथा प्रतिवादी आसीफ खान द्वारा मिलिंद ठाकरे की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की दुर्भावना के कारण झूठे व मनगढंत आरोप लगाये गये थे। जहां वादी पत्रकार मिलिंद ठाकरे द्वारा अपने अधीवक्ता कलीम कुरैशी के माध्यम से मानहानि का न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया गया था। फेसबुक पर मिलिंद ठाकरे के विरूद्ध विवादित टिप्पणी के संदर्भ में साक्ष्य को न्यायालय में आसीफ खान द्वारा प्रमाणित नही किया गया। जहां उपरोक्त विवेचना एवं विचारणीय बिन्दुओं पर प्राप्त निष्कर्ष से स्पष्ट है कि वादी मिलिंद ठाकरे अपना पक्ष संभावनाओं की प्रबलता के आधार पर प्रमाणित करने में सफल रहा है कि प्रतिवादी आसीफ खान द्वारा फेसबुक पोस्ट पर अभद्र टिप्पणी कर वादी को मानसिक क्षति कारित की गई। इसलिये प्रतिवादी आसीफ खान, वादी मिलिंद ठाकरे को क्षतिपूर्ति राशि के रूप में 20 हजार रुपये निर्णय दिनांक से राशि अदा करेगा। एवं आदेश दिनांक से 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज की दर से राशि देने तक देय करेगा। प्रकरण में पत्रकार मिलिंद ठाकरे की ओर अधिवक्ता कलीम कुरैशी ने पैरवी की थी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
MINING ENGINEERING
CIVIL ENGINEERING
MECHANICAL ENGINEERING
ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट